हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • रविवार • 07.06.2026 • वर्ष : 16 • अंक : 310 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 4 रुपये

RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

एक नजर

पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी की तबीयत खराब

पटना : बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी की तबीयत खराब हो गई है, जिसके बाद वे अपने आवास पर ही स्वास्थ्य लाभ ले रही हैं। शनिवार को उनसे मिलने उनके बड़े बेटे और जनशक्ति जनता दल (जेजेडी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव पहुंचे। इसी बीच लालू परिवार की सुरक्षा को लेकर एक नया सियासी विवाद खड़ा हो गया है। बिहार की सम्राट सरकार ने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी की जेड प्लस सुरक्षा खत्म कर उन्हें बिहार पुलिस की विशेष सुरक्षा दी है, साथ ही तेज प्रताप यादव की सुरक्षा में भी कटौती की गई है।

सड़क हादसे में 8 की मौत 12 घायल

चंडीगढ़ : पंजाब के फिरोजपुर-फाजिल्का मार्ग पर शनिवार की सुबह हुए भीषण सडक हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई जबकि 12 अन्य घायल हो गए। घायलों को आसपास के अस्पतालों में भर्ती कराया जा रहा है। हादसे का शिकार हुए सभी लोग अपने पारिवारिक सदस्य की अस्थियों का विसर्जन करने के लिए जलालाबाद से ब्यास जा रहे थे। रास्ते में फिरोजपुर-फाजिल्का मार्ग जंगा वाला मोड़ के पास यह हादसा हो गया।

चालक की जिंदा जलकर मौत

गुरुग्राम : कुंडली-मानेसर-पलवल (केएमपी) एक्सप्रेसवे पर शनिवार की देर रात एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। पटौदी टोल से फर्रुखनगर टोल की ओर जा रहे एक कंटेनर ने आगे चल रहे कबाड़ से लदे कैंटर में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहनों में तुरंत भीषण आग लग गई। इस हादसे में कंटेनर का चालक केबिन के भीतर ही बुरी तरह फंस गया और उसे बाहर निकलने का कोई मौका नहीं मिला। आग की लपटों के बीच चालक की केबिन में ही जिंदा जलकर मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग और फर्रुखनगर थाने की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद दोनों वाहनों में लगी आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक चालक का शव पूरी तरह जलकर कंकाल में तब्दील हो चुका था।

महागठबंधन में कोई मतभेद नहीं : भूपेश बघेल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में आगामी राज्यसभा चुनाव को लेकर सत्तारूढ़ महागठबंधन के भीतर पैदा हुआ सियासी तनाव अब कम होता दिख रहा है। सीट बंटवारे को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) और कांग्रेस के बीच उपजे असंतोष को दूर करने के लिए कांग्रेस आलाकमान बेहद सक्रिय हो गया है। इसी सिलसिले में कांग्रेस द्वारा नियुक्त विशेष पर्यवेक्षक रांची पहुंचे और मुख्यमंत्री आवास में मैराथन बैठक की।

बैठक के बाद मुख्यमंत्री आवास से बाहर निकले कांग्रेस पर्यवेक्षक भूपेश बघेल ने मीडिया से बातचीत में स्पष्ट किया कि महागठबंधन के अंदर कहीं भी कोई गतिरोध या टकराव की स्थिति नहीं है। उन्होंने कहा कि सहयोगियों के बीच सभी प्रकार की मिसअंडरस्टैंडिंग को पूरी तरह दूर कर लिया गया है। बघेल ने पूरे भरोसे के साथ दावा किया कि महागठबंधन पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ेगा और राज्यसभा की दोनों सीटों पर जीत दर्ज करेगा।

बंद कमरे में दो घंटे चली मैराथन बैठक

कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व द्वारा भेजे गए विशेष पर्यवेक्षक, छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और अजय शर्मा शनिवार को रांची पहुंचे। दोनों नेताओं ने मुख्यमंत्री आवास जाकर झामुमो के केंद्रीय अध्यक्ष और सूबे के मुखिया हेमंत सोरेन से करीब दो घंटे तक बंद कमरे में बातचीत की। इस मुलाकात के दौरान दोनों दलों के बीच पैदा हुई गलतफहमियों को दूर करने और चुनावी रणनीति को लेकर बेहद सौहार्दपूर्ण माहौल में विस्तृत चर्चा हुई।

क्यों पैदा हुआ था दोनों दलों में विवाद

यह पूरा विवाद उस समय शुरू हुआ था जब कांग्रेस ने राज्यसभा की एक सीट के लिए प्रणव झाउम्मीदवार घोषित कर दिया था। कांग्रेस के इस एकतरफा फैसले से झामुमो खेमा बेहद नाराज हो गया था। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा बुलाई गई झामुमो विधायकों की आपात बैठक में नेताओं ने कांग्रेस पर गठबंधन धर्म की उपेक्षा करने का आरोप लगाया था और मांग की थी कि झामुमो को दोनों सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारने चाहिए। बहरहाल, कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व द्वारा भेजे गए पर्यवेक्षकों की इस डैमेज कंट्रोल कवायद के बाद अब दोनों दलों के बीच सुलह का रास्ता साफ होता दिखाई दे रहा है।

वहीं, दूसरे पर्यवेक्षक अजय शर्मा ने भी सुर में सुर मिलाते हुए कहा कि हमारा गठबंधन अटूट है। उन्होंने स्वीकार किया कि किसी भी दल के भीतर नेताओं और कार्यकताओं की अपनी भावनाएं होती हैं, लेकिन अंतिम फैसला हमेशा नेतृत्व को ही करना होता है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से बातचीत के बाद अब संशय के बादल पूरी तरह छंट चुके हैं।

पाकिस्तान को कड़ा संदेशः सुरक्षा परिषद की सदस्यता जिम्मेदारी है, दुष्प्रचार का मंच नहीं

एजेंसी

नयी दिल्ली : संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कश्मीर राग अलापने की अपनी पुरानी आदत से बाज न आने वाले पाकिस्तान को भारत ने एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र महासभा में जमकर लताड़ लगाई है। भारत ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अस्थायी सदस्यता एक बेहद गरिमामयी और बड़ी जिम्मेदारी होती है, न कि यह किसी देश के पक्षपातपूर्ण और झूठे विमर्श को फैलाने का कोई जरिया है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने पाकिस्तान के दावों की धज्जियां उड़ाते हुए उसे अपनी मयार्दा में रहने की नसीहत दी।

यह तल्ख कड़वाहट तब देखने को मिली जब संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत आसिम इफ्तिखार अहमद ने महासभा के हॉल में 'सुरक्षा परिषद की वार्षिक रिपोर्ट' पर चर्चा के दौरान अनावश्यक रूप से जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठा दिया। पाकिस्तान वर्तमान में सुरक्षा परिषद का अस्थायी सदस्य है, जिसका कार्यकाल इसी वर्ष समाप्त हो रहा है। अपनी इसी स्थिति का दुरुपयोग करते हुए पाकिस्तानी प्रतिनिधि ने भारत के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी की। इस पर कड़ा ऐतराज जताते हुए भारतीय राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने कहा कि पाकिस्तान ने हमेशा की तरह अपने संकीर्ण और विभाजनकारी राजनीतिक हितों को साधने के लिए वैश्विक मंच का दुरुपयोग करने की आदत को बरकरार रखा है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा परिषद में अपनी मौजूदगी के दौरान पाकिस्तान ने लगातार भ्रामक संदेश और गलत सूचनाएं फैलाई हैं, जो उसके इसी नकारात्मक दृष्टिकोण का प्रमाण है।

जम्मू-कश्मीर पर भारत की दो-टूक

भारतीय राजदूत ने वैश्विक बिरादरी के सामने एक बार फिर भारत के अडिग रुख को दोहराया। उन्होंने पाकिस्तान को आड़े हाथों लेते हुए साफ किया कि जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश भारत का पूर्णतः आंतरिक मामला है। हरीश ने कड़े लहजे में कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग था, है और हमेशा रहेगा। इसके विपरीत किया जाने वाला कोई भी दावा पूरी तरह निराधार है, जिसका ऐतिहासिक तथ्यों से दूर-दूर तक कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के खोखले वादों और बेबुनियाद बयानबाजी से जमीनी हकीकत को बदला नहीं जा सकता। संयुक्त राष्ट्र के अन्य सदस्य देशों के बहुमूल्य समय का सम्मान करते हुए भारतीय प्रतिनिधि ने इस विषय पर और अधिक चर्चा करने से इनकार कर दिया।

बैद्यनाथ राम बने झामुमो के राज्यसभा उम्मीदवार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड की राजनीति में राज्यसभा चुनाव को लेकर चल रही लंबी अटकलों पर विराम लगाते हुए झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने अपने पहले उम्मीदवार के नाम की घोषणा कर दी है। मुख्यमंत्री और पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष हेमंत सोरेन ने मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों को भांपते हुए लातेहार के अनुभवी विधायक और वर्तमान मंत्री बैद्यनाथ राम पर भरोसा जताया है। झामुमो के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने रांची स्थित केंद्रीय कैंप कार्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इस फैसले का आधिकारिक ऐलान किया।

भाजपा की एंट्री से मुकाबला हुआ दिलचस्प

इस बीच संख्या बल में पीछे होने के बावजूद भारतीय जनता पार्टी ने भी चुनाव में उतरने के संकेत देकर मुकाबले को बेहद दिलचस्प बना दिया है, जहाँ भाजपा की ओर से गौरव वल्लभ का नाम सबसे आगे चल रहा है। विधानसभा के मौजूदा गणित के हिसाब से एक उम्मीदवार को जीतने के लिए 28 प्रथम वरीयता वोटों की जरूरत है और महागठबंधन के 56 विधायकों के साथ दोनों सीटें जीतने का पर्याप्त बहुमत है, लेकिन गठबंधन के भीतर का आपसी तालमेल और भाजपा की अगली चालें आने वाले दिनों में झारखंड के इस सियासी समीकरण को नया मोड़ दे सकती हैं।

सोरेन परिवार के नामों पर लगा विराम, दलित चेहरे पर भरोसा

पार्टी का यह फैसला राजनीतिक गलियारों में काफी चौंकाने वाला माना जा रहा है क्योंकि यह सीट झामुमो के संस्थापक दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन के बाद खाली हुई थी। लंबे समय से कयास लगाए जा रहे थे कि सोरेन परिवार का ही कोई सदस्य इस सीट से चुनाव लड़ेगा, यहाँ तक कि हेमंत सोरेन की बड़ी बहन अंजनी सोरेन ने भी राज्यसभा जाने की इच्छा जताई थी। हालांकि, झामुमो नेतृत्व ने परिवारवाद के आरोपों से बचते हुए संगठन के प्रति समर्पित और राज्य के एक मजबूत दलित चेहरे बैद्यनाथ राम को आगे कर बड़ा राजनीतिक संदेश दिया है। बैद्यनाथ राम का राजनीतिक सफर काफी समृद्ध रहा है, वे पूर्व में अर्जुन मुंडा की सरकार में स्वास्थ्य और शिक्षा मंत्री रह चुके हैं और उन्होंने 2019 के चुनाव में भाजपा के कद्दावर नेता प्रकाश राम को हराकर अपनी ताकत साबित की थी।

'कॉकरोच जनता पार्टी' का बड़ा प्रदर्शन शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग

एजेंसी

नयी दिल्ली : नीट पेपर लीक और सरकारी परीक्षाओं में लगातार हो रही धांधली के विरोध में शनिवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर एक अनोखा प्रदर्शन देखने को मिला। 'कॉकरोच जनता पार्टी' के बैनर तले हजारों की संख्या में छात्र और युवा सड़कों पर उतरे। प्रदर्शनकारी अपने चेहरों पर कॉकरोच वाले मास्क पहनकर और हाथों में 'मैं हूं कॉकरोच' व 'बेटा तुमसे न हो पाएगा' लिखी तख्तियां लेकर पहुंचे थे। आंदोलनकारियों ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और शाम 5 बजे तक उनके इस्तीफे की मांग की।

इस बड़े आंदोलन की अगुआई सीजेपी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने की, जो शनिवार सुबह ही अमेरिका से लौटकर सीधे एयरपोर्ट से जंतर-मंतर पहुंचे। इस प्रदर्शन को प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक का भी समर्थन मिला, जो हाथों में गुलाब का फूल लेकर छात्रों का हौसला बढ़ाने पहुंचे। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने हाथ में संविधान की कॉपियां और बाबासाहेब अंबेडकर की तस्वीरें ले रखी थीं और देश में 'नीट एंड क्लीन' परीक्षाएं कराने की मांग की। करीब 5 घंटे चले इस प्रदर्शन के बाद आयोजकों ने सरकार को चेतावनी देते हुए अगले शनिवार को फिर से जंतर-मंतर पर जुटने का एलान किया है।

झारखंड दौरे पर भाजपा अध्यक्ष संगठन को मजबूत बनाने पर जोर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शनिवार को अपने दो दिवसीय झारखंड दौरे के दौरान रांची स्थित प्रदेश कार्यालय में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, सांसदों, विधायकों और प्रदेश कोर कमेटी के सदस्यों के साथ बैठक की। इस दौरान संगठन विस्तार, सदस्यता अभियान और आगामी राजनीतिक चुनौतियों को लेकर चर्चा हुई।

प्रदेश कार्यालय पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास, अर्जुन मुंडा, चंपाई सोरेन, केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी और संजय सेठ सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

नितिन नवीन ने सांसदों और विधायकों से जनता के बीच सक्रिय रहने, संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने और सरकार की उपलब्धियों को लोगों तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ नियमित संवाद बनाए रखने और जनसमस्याओं के समाधान में सक्रिय भूमिका निभाने पर भी जोर दिया।

भाजपा के अनुसार राष्ट्रीय अध्यक्ष का यह दौरा संगठन को नई ऊर्जा देने और आगामी राजनीतिक गतिविधियों की रणनीति तय करने के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने बनाया कीर्तिमान

एजेंसी

नयी दिल्ली : भारतीय क्रिकेट के युवा प्रतिभाशाली बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने महज 15 वर्ष की उम्र में एक बड़ा कीर्तिमान अपने नाम कर लिया है। आगामी आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के साथ-साथ एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम में चयनित होने के बाद वह राष्ट्रीय टीम के लिए चुने जाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए हैं।

इस उपलब्धि के साथ वैभव ने 36 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है। इससे पहले यह रिकॉर्ड महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के नाम दर्ज था, जिन्होंने वर्ष 1989 में 16 वर्ष की आयु में पाकिस्तान के खिलाफ भारत के लिए पदार्पण किया था।

बिहार के रहने वाले वैभव सूर्यवंशी ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में अपने शानदार प्रदर्शन से क्रिकेट जगत को प्रभावित किया। राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हुए उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में दमदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया और कई रिकॉर्ड अपने नाम किए। आईपीएल 2026 में वैभव ने 776 रन बनाते हुए 237.30 की विस्फोटक स्ट्राइक रेट दर्ज की। इसके अलावा उन्होंने रिकॉर्ड 72 छक्के लगाए और कई पुराने रिकॉर्ड ध्वस्त किए। उनके प्रदर्शन के दम पर उन्हें सर्वाधिक मूल्यवान खिलाड़ी (एमवीपी), उभरते खिलाड़ी, सर्वश्रेष्ठ प्रहारक, सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी और सर्वाधिक छक्के लगाने वाले खिलाड़ी जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

भारतीय टीम में चयनित होने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने

आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 श्रृंखला के लिए भारतीय टीम घोषित, श्रेयस अय्यर बने कप्तान

रिपोर्ट पेज 07 पर

बाएं हाथ के इस युवा बल्लेबाज ने अनुभवी गेंदबाजों के खिलाफ निडर बल्लेबाजी करते हुए अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। क्रिकेट विशेषज्ञ उन्हें भारतीय क्रिकेट का भविष्य मान रहे हैं।

भारतीय टीम 26 और 28 जून को बेलफास्ट में आयरलैंड के खिलाफ दो टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलेगी। इसके बाद टीम इंग्लैंड दौरे पर जाएगी, जहां 1 से 11 जुलाई तक पांच मैचों की टी-20 श्रृंखला खेली जाएगी।

वहीं, 2026 एशियाई खेलों में पुरुष क्रिकेट प्रतियोगिता 24 सितंबर से 3 अक्टूबर तक टी-20 प्रारूप में आयोजित होगी। इस टूर्नामेंट में भारत समेत कई एशियाई देश स्वर्ण पदक के लिए मुकाबला करेंगे। प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल 28 और 29 सितंबर, सेमीफाइनल 1 अक्टूबर तथा फाइनल मुकाबला 3 अक्टूबर को खेला जाएगा।

पश्चिम एशिया संकट के बीच एक्शन में पीएम मोदी, आर्थिक सलाहकार समिति के साथ की उच्च स्तरीय बैठक, कहा

देश की जीडीपी ग्रोथ को रफ्तार देना और घरेलू बाजार को स्थिरता प्रदान करना मुख्य लक्ष्य

एजेंसी

नयी दिल्ली : पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते सैन्य संघर्ष और उसके कारण वैश्विक स्तर पर पैदा हुए ऊर्जा संकट के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बेहद महत्वपूर्ण कदम उठाया है। देश की अर्थव्यवस्था को वैश्विक झटकों से सुरक्षित रखने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को अपनी आर्थिक सलाहकार समिति के सदस्यों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य मौजूदा अंतरराष्ट्रीय तनाव के माहौल में भी देश की आर्थिक विकास दर (जीडीपी ग्रोथ) को रफ्तार देना और घरेलू बाजार को स्थिरता प्रदान करना है।

आर्थिक सलाहकार समिति के सदस्यों ने बैठक के दौरान प्रधानमंत्री के समक्ष बदलते वैश्विक परिदृश्य का एक विस्तृत आकलन और रिपोर्ट पेश की। इस बात पर विशेष मंथन किया गया कि दुनिया भर में जारी उथल-पुथल के बावजूद भारत पर इसके आर्थिक प्रभाव को कैसे कम किया जाए, व्यापारिक गतिविधियों को बिना किसी रुकावट के कैसे सुचारु रखा जाए और आम जनता के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए किन आर्थिक सुधारों को तत्काल लागू करने की आवश्यकता है।

यह आपातकालीन समीक्षा बैठक ऐसे समय में बुलाई गई है जब पूरी दुनिया समेत भारत भी अपनी ऊर्जा सुरक्षा और ईंधन आयात को लेकर गंभीर रूप से चिंतित है। एक तरफ होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान और अमेरिका के बीच जारी सैन्य तनाव के कारण कच्चे तेल की आपूर्ति प्रभावित होने का खतरा मंडरा रहा है, तो दूसरी तरफ भारत को ऊर्जा निर्यात करने वाले प्रमुख देशों में शामिल रूस के तेल व ऊर्जा भंडारों पर यूक्रेन द्वारा लगातार हमले किए जा रहे हैं। इन दोहरे संकटों ने वैश्विक ऊर्जा बाजार में अनिश्चितता का माहौल बना दिया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी हाल ही में विश्व पर्यावरण दिवस के एक कार्यक्रम में इस वैश्विक संकट की गंभीरता को स्वीकार किया था। उन्होंने अपने संबोधन में कहा था कि वर्तमान दशक पूरी दुनिया के लिए अभूतपूर्व चुनौतियों से भरा रहा है, जिसे हमेशा कोविड-19 महामारी और बड़े सैन्य संघर्षों के दौर के रूप में याद रखा जाएगा।

इस बीच, सूत्रों के अनुसार सरकार देश के विदेशी मुद्रा भंडार को सुरक्षित रखने और आर्थिक दबाव को नियंत्रित करने के लिए पूरी तरह सतर्क है। प्रधानमंत्री ने पूर्व में भी देशवासियों से बेहद जरूरी न होने पर विदेश यात्राओं को टालने, सोना खरीदने में कमी लाने और पेट्रोल-डीजल का संयमित व विवेकपूर्ण उपयोग करने की अपील की थी, ताकि देश की अर्थव्यवस्था को बाहरी झटकों से बचाया जा सके। इस बैठक के बाद माना जा रहा है कि सरकार आने वाले दिनों में आर्थिक मोर्चे पर कुछ और कड़े कदम उठा सकती है।

उपायुक्त ने किया व्यापक निरीक्षण, विकास कार्यों और यातायात व्यवस्थाओं पर दिए निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : उपायुक्त हेमंत सती ने शनिवार को बरही प्रखंड के विभिन्न महत्वपूर्ण संस्थानों एवं स्थलों का भ्रमण कर वहां संचालित गतिविधियों, आधारभूत संरचनाओं तथा विकास कार्यों का निरीक्षण किया। भ्रमण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। इंडियन काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च, गौरिया करमा का भ्रमण भ्रमण के क्रम में उपायुक्त सर्वप्रथम गौरिया करमा स्थित आईसीएआर (इंडियन काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च) केंद्र पहुंचे। वहां उन्होंने बागवानी, मत्स्य पालन एवं पशु विज्ञान सहित कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा से संबंधित

गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की तथा परिसर का विस्तृत अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने प्रोसेसिंग प्लांट, फूड कोर्ट, गेस्ट हाउस, इंडोर स्टेडियम एवं परीक्षा भवन का निरीक्षण किया। आईसीएआर प्रबंधन द्वारा परिसर में स्ट्रीट लाइट लगाने का अनुरोध किए जाने पर उपायुक्त ने सहमति प्रदान करते हुए शीघ्र स्ट्रीट लाइट स्थापना सुनिश्चित करने की बात कही। उन्होंने आईसीएआर द्वारा संचालित आम बागान का भी निरीक्षण किया तथा विभिन्न प्रजातियों के आमों की विशेषताओं की जानकारी प्राप्त की।

मॉडल आंगनवाड़ी केंद्र का निरीक्षण

इसके उपरांत उपायुक्त ने गौरिया करमा स्थित मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वहां आयोजित वीएचएसएनडी के तहत संचालित टीकाकरण कार्यक्रम की समीक्षा की। उन्होंने सेविका एवं सहिया से बच्चों के टीकाकरण की स्थिति, केंद्र में नामांकित बच्चों की संख्या एवं पोषण संबंधी गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की तथा आवश्यक निर्देश दिए।

राजकीय पशु प्रजनन प्रक्षेत्र गौरिया करमा का निरीक्षण

भ्रमण के क्रम में उपायुक्त ने पशुपालन विभाग द्वारा संचालित बीज प्रसंस्करण संयंत्र का भी निरीक्षण किया। उन्होंने राजकीय पशु प्रजनन प्रक्षेत्र, सांढ़ पोषण प्रक्षेत्र, सुकर प्रजनन प्रक्षेत्र तथा पशुपालन प्रशिक्षण विद्यालय का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने रेड सिंधी नस्ल की गायों के रखरखाव, दुग्ध उत्पादन एवं उपलब्ध मानव संसाधन की जानकारी ली। साथ ही राजकीय पशुपालन प्रक्षेत्र के समग्र विकास हेतु विस्तृत प्रस्ताव तैयार कर भेजने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया। उपायुक्त ने केदारूत डैम एवं पेयजल आपूर्ति के लिए संचालित इंटेक वेल का भी निरीक्षण किया। उन्होंने गौरिया करमा से केदारूत डैम तक जाने वाली जर्जर सड़क की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए इसे शीघ्र सुदृढ़ एवं व्यवस्थित सड़क के रूप में विकसित करने की आवश्यकता बताई, ताकि पर्यटकों एवं स्थानीय लोगों को आवागमन में सुविधा हो सके।

एक नजर

जलमा से चोरी हुआ ई-रिक्शा बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार

कटकमसांडी : जलमा गांव से चोरी हुए ई-रिक्शा को पेलावल ओपी पुलिस ने सिल्वर जंगल से बरामद कर लिया है। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गौरतलब हो कि 05.06.2026 को वादी की लिखित सूचना पर कटकमसांडी (पेलावल ओपी) थाना में कांड सं0- 90/26 धारा 303(2) बीएनएस 2023 के तहत अज्ञात चोर के विरुद्ध कांड दर्ज किया गया था। वादी के घर जलमा से टोटो चोरी कर लिया गया था। अनुसंधान के क्रम में पुलिस ने दो आरोपियों को पकड़ा। पूछताछ में दोनों ने टोटो चोरी की बात स्वीकार की। उनकी निशानदेही पर सिल्वर जंगल से स्लेटी रंग का ई-रिक्शा, रजि. नं0 JH02BJ659 एवं Eastman company की 4 बैट्री बरामद की गई। गिरफ्तार अभियुक्तों के नाम: सुरज कुमार, उम्र 24 वर्ष, पिता-स्व0 पप्पु प्रसाद, विकाश कुमार, उम्र 24 वर्ष, पिता-रामअवतार साव, दोनों साकिन जलमा कंचनपुर, थाना कटकमसांडी (पेलावल ओपी), जिला हजारीबाग के रहने वाले हैं। छापामारी दल में पु.अ.नि. बिट्टू रजक, पेलावल ओपी प्रभारी, स.अ.नि. लोसो किस्को एवं पेलावल ओपी रिजर्व गार्ड शामिल रहे।

पूरहरा में 100 डेज कैंपेन के तहत लगा स्वास्थ्य जांच शिविर, 66 मरीजों की हुई जांच

बरही : पूरहरा प्राथमिक विद्यालय में 100 डेज कैंपेन के तहत गुरुवार को स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में एक्सरे, बी.पी एवं शुगर की नि:शुल्क जांच के साथ दवाओं का वितरण किया गया, जिसका बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने लाभ उठाया। शिविर में कुल 66 मरीजों की जांच कर दवाएं दी गई। जिसमें 24 पुरुष और 42 महिलाएं शामिल रहीं। इस दौरान 59 लोगों का एक्सरे, 54 मरीजों की एनसीडी स्क्रीनिंग की गई और 04 मरीजों का स्पुटम कलेक्शन भी किया गया।
उपाधीक्षक डॉ. प्रकाश ज्ञानी ने कहा कि 100 डेज कैंपेन का उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है। समय पर जांच से गंभीर बीमारियों की पहचान कर इलाज संभव है, इसलिए सभी लोग नियमित जांच कराएं। इस अवसर पर बिजेंद्र कुमार, सुधांशु शेखर सिन्हा, संतोष कुमार, शहजहां बेगम, सनौवर प्रवीण, रेनू देवी, राहुल कुमार, शमशाद, सलेन्द्र कुमार सहित स्वास्थ्य विभाग के कर्मी और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

कोयली के सुजीत ने सीजी मंडी उपनिरीक्षक परीक्षा में हासिल किया प्रदेश में 6वीं रैंक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : हजारीबाग जिले के बरही थाना क्षेत्र अंतर्गत कोयली ग्राम निवासी सुजीत कुमार पंडित ने छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा आयोजित मंडी उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा 2026 में पूरे प्रदेश में छठा स्थान हासिल कर अपने गांव और परिवार का नाम रोशन किया है। सुजीत के पिता कैलाश पंडित रोजगार के सिलसिले में कई साल पहले छत्तीसगढ़ चले गए थे, जहां उन्होंने ट्रक ड्राइवरी करते हुए तमाम कठिनाइयों के बावजूद अपने बच्चों को पढ़ाया और योग्य बनाया। वर्तमान में परिवार छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के दीपका स्थित कृष्णा नगर में रहता है। सुजीत की माता देवंती देवी गृहिणी हैं, जिन्होंने हमेशा पढ़ाई का सकारात्मक माहौल बनाए रखा। सुजीत ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता के त्याग और बड़े भाई अजीत कुमार, जो छत्तीसगढ़ शासकीय शिक्षक हैं, के मार्गदर्शन को दिया। सुजीत ने कहा, "पापा ने ट्रक

चलाकर हमें पढ़ाया, उनका संघर्ष देखकर मुझे कुछ बड़ा करने की प्रेरणा मिली। मेरा लक्ष्य परिवार को बेहतर जिंदगी देना था। सुजीत कुमार पंडित की इस उपलब्धि पर उनके पैतृक गांव कोयली में भी खुशी की लहर है। चाचा प्रदीप पंडित, कृष्णा प्रजापति, गोपाल पंडित, कमल शंकर पंडित, सुरेंद्र पंडित, संतोष पंडित सहित सभी परिजनों और ग्रामीणों ने बधाई दी है। प्रदीप पंडित ने कहा कि सुजीत ने साबित कर दिया कि मेहनत और लगन से कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है। कोरबा के दीपका में भी आस-पड़ोस के लोग और स्थानीय जनप्रतिनिधि घर पहुंचकर बधाई दे रहे हैं।

पुलिस अधीक्षक ने कटकमसांडी थाना का किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : जिले में अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए पुलिस अधीक्षक हजारीबाग ने शनिवार को कटकमसांडी थाना का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान थाना की कार्यप्रणाली, लंबित मामलों, वारंट निष्पादन, फरार अपराधियों की गिरफ्तारी और नशा कारोबार के खिलाफ चल रही कार्रवाई की गहन समीक्षा की गई। पुलिस अधीक्षक के थाना पहुंचते ही सभी अभिलेखों और पंजियों की जांच शुरू हुई। निरीक्षण में पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय ज्ञान रंजन, पेलावल अंचल के पुलिस निरीक्षक सपन कुमार महथा, थाना प्रभारी अनुपम प्रकाश कुमार समेत थाना के सभी पुलिस पदाधिकारी एवं जवान मौजूद रहे।
निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने लंबित कांडों पर नाराजगी जताते हुए स्पष्ट निर्देश दिया कि पुराने मामलों का जल्द निष्पादन किया जाए और किसी भी वारंट या कुर्की मामले को लंबित न रखा जाए। उन्होंने फरार

चल रहे अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाने का आदेश दिया और कहा कि अपराधियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।
बैठक में अवैध मादक पदार्थों के कारोबार को लेकर भी गंभीर चर्चा हुई। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि नशा समाज को खोखला कर रहा है, इसलिए नशा तस्करों और कारोबारियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी रखी जाए। जिन मामलों में अब तक गिरफ्तारी नहीं हुई है, उनमें तेजी लाकर आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को यह भी कहा कि केवल कार्रवाई ही नहीं, बल्कि लोगों के बीच जागरूकता फैलाना भी जरूरी है। स्कूल, कॉलेज, पंचायत और ग्रामीण क्षेत्रों में नशा विरोधी अभियान चलाकर युवाओं को इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने का निर्देश दिया गया। पुलिस अधीक्षक ने थाना क्षेत्र की विधि-व्यवस्था की भी समीक्षा की और अधिकारियों को आम जनता तथा जनप्रतिनिधियों के साथ बेहतर तालमेल बनाकर काम करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि पुलिस और जनता के बीच मजबूत विश्वास ही अपराध नियंत्रण की सबसे बड़ी ताकत है। निरीक्षण के अंत में पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट संदेश दिया कि कानून-व्यवस्था से समझौता नहीं किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

बरही में तेज रफ्तार कंटेनर ने वाहन को टक्कर मारी, दर्जनों मजदूर गंभीर रूप से घायल

बरही : थाना क्षेत्र के बरसोत जीटी के पास छत ढलाई के काम में जा रहे जीप पर सवार मजदूरों व ढलाई मिक्सचर मशीन को एक तेज रफ़्तार कंटेनर ने अपने चपेट मे ले लिया जिसके कारण दर्जनों मजदूर गंभीर रूप घायल हो गए। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही पूर्व मुखिया प्रतिनिधि सह समाजसेवी विशुनधारी महतो सहित सुनील कुशवाहा ,बबलू कुशवाहा,महेंद्र महतो,दिनेश्वर महतो, हरिलाल कुशवाहा,दामोदर महतो, पिंटू कुशवाहा एवं अन्य कई महिला पुरुष पहुचें। मौके पर पहुंच सभी लोग राहत कार्य में जुट गए। और सभी गंभीर रूप से घायलों को इलाज के लिए बरही अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाए। प्राथमिक इलाज के बाद गंभीर रूप घायलों को बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही कई सामाजिक कार्यकर्ता अस्पताल पहुंच हालचाल पूछा। प्राप्त जानकारी के अनुसार बरसोत गांव के पंकज कुशवाहा,राजा कुमार व सुनील साव अपने सहयोगी मजदूरों के साथ घर की ढलाई कार्य के लिए अपने वाहन एवं ढलाई मशीन के साथ लेकर जा रहे थे कि इसी क्रम में बरही की ओर से तेजी से आ रहा एक कंटेनर ट्रक जिसका रजिस्ट्रेशन नम्बर एमपी13जीबी 5902 ने पीछे से धक्का मार दिया जिससे जीप में बैठे कई मजदूर गंभीर रूप घायल हो गए।

रेलवे पुल के पास अज्ञात युवती का शव मिलने से सनसनी, जांच में जुटी पुलिस

हजारीबाग : कटकमदाग थाना क्षेत्र स्थित सलगांवा रेलवे पुल के समीप शनिवार को एक अज्ञात युवती का शव बरामद होने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर जुट गए। शव मिलने की खबर आग की तरह फैल गई और क्षेत्र में तरह-तरह की चचाएँ शुरू हो गईं। स्थानीय लोगों के अनुसार युवती रेलवे ट्रैक के किनारे जा रही थी। इसी दौरान वह किसी ट्रेन की चपेट में आ गई, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हालांकि प्रत्यक्षदर्शियों की बातों के बावजूद पुलिस फिलहाल किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंची है और मामले के सभी पहलुओं की गहनता से जांच कर रही है। घटना की सूचना मिलते ही कटकमदाग थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही आसपास के लोगों से पूछताछ कर मृतका की पहचान और घटना की परिस्थितियों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। खबर लिखे जाने तक मृत युवती की पहचान नहीं हो सकी थी। पुलिस आसपास के थाना क्षेत्रों से संपर्क कर रही है तथा स्थानीय लोगों से भी युवती की पहचान कराने में सहयोग की अपील की है। पहचान होने के बाद ही युवती के बारे में विस्तृत जानकारी सामने आ सकेगी। फिलहाल इस घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या यह केवल एक रेल दुर्घटना है या फिर इसके पीछे कोई और वजह छिपी हुई है पुलिस हर बिंदु पर जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। घटना के बाद क्षेत्र में शोक और चर्चा का माहौल है। लोग युवती की पहचान और घटना के पीछे की सच्चाई सामने आने का इंतजार कर रहे हैं।

राहुल दुबे गिरोह का सदस्य गिरफ्तार देशी पिस्टल बरामद

हजारीबाग : गिद्दी सी चेकपोस्ट पर दहशत फैलाने के उद्देश्य से गोली फायरिंग करने वाले राहुल दुबे गिरोह के सक्रिय सदस्य मो. वारिस को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के पास से एक देशी पिस्टल और दो कारतूस बरामद किए हैं।
पुलिस अधीक्षक कार्यालय, हजारीबाग द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, दिनांक 02.06.2026 को गिद्दी थाना अंतर्गत गिद्दी सी चेकपोस्ट पर बुलेट सवार दो अपराधियों ने फायरिंग की थी। इस संबंध में गिद्दी थाना कांड सं0- 13/26 दिनांक 03.06.2026 धारा 109(1)/3(5) बीएनएस एवं 27 आर्म्स एक्ट के तहत कांड दर्ज किया गया था। कांड की गंभीरता को देखते हुए एसपी के निर्देश पर SIT टीम का गठन किया गया। गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने राहुल दुबे गिरोह के सदस्य मो. वारिस, उम्र 22 वर्ष, पिता मो. मुस्तकिम, साकिन पुन्दोल (चंदोल), थाना बड़कागांव, जिला हजारीबाग को उसके घर से हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपी ने गोली फायरिंग की बात स्वीकार की और उसकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त 7.62 mm का एक देशी पिस्टल व दो कारतूस बरामद किए गए। पूछताछ में यह भी सामने आया कि इस कांड में मो. वारिस के अलावा अन्य दो सदस्य भी शामिल थे, जो फिलहाल फरार हैं। गिरफ्तार आरोपी का आपराधिक इतिहास रहा है। छापेमारी अभियान में अनु. पुलिस पदाधिकारी अमित आनंद, पु. नि. मो. शाहिद रजा, थाना प्रभारी गिद्दी मो. इकबाल हुसैन, पु.अ.नि. रघु उरांव, पु.अ.नि. रमेश चंद्र हजाम, पु.अ.नि. दामुराम बोयपाई, स.अ.नि. चंदन उरांव सहित गिद्दी थाना एवं उरीमारी ओपी का सशस्त्र बल शामिल रहा।

थाना परिसर में थाना दिवस कार्यक्रम का किया गया आयोजन

बड़कागांव : हजारीबाग उपायुक्त हेमंत सती के निर्देश पर बड़कागांव थाना परिसर में थाना दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
जिसमें जमीन विवाद से संबंधित मामले की निपटारे के लिए शिविर का आयोजन किया गया अंचलाधिकारी मनोज कुमार एवं थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह की उपस्थिति में कार्यक्रम किया गया।होरम शिवाडीह, हरली गांव एवं अन्य गांव के निवासी के द्वारा समस्या को रखा गया। जिसमें पदाधिकारीओं के द्वारा समाधान करने का प्रयास किया गया। इस दौरान पदाधिकारीओं ने स्थल पर पहुंचकर भौतिक सत्यापन किया। लोगों की जानकारी के लिए बता दे की माह के द्वितीय शनिवार को बड़कागांव अंचल कार्यालय में अंचल दिवस मनाया जाएगा। तीसरी शनिवार को उरीमारी थाना में थाना दिवस मनाया जाएगा वहीं महीना के अंतिम शनिवार को बड़का गांव अंचल कार्यालय में अंचल दिवस शिविर लगाया जाएगा। सभी शिविर में अंचल के अधिकारियों के अलावा पुलिस पदाधिकारी भी शामिल रहेंगे। बड़कागांव थाना परिसर में प्रथम शनिवार को शिविर में मुख्य रूप से अंचलाधिकारी मनोज कुमार, थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ,एस आई राकेश खवास, अमीन नरेंद्र प्रसाद महतो,विनोद यादव, प्रेम राणा, प्रमिला देवी समेत कई लोग उपस्थित थे।

विभावि में 6-दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम का समापन

भारतीय ज्ञान परंपरा और एआई के समन्वय से मिलेगी नई पहचान : प्रो. अंजनी कुमार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : शिक्षा में उत्कृष्टता, इक्विटी तथा विस्तार आवश्यक है परंतु 'इक्विटी' अर्थात हिस्सेदारी सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। उक्त बातें विश्वविद्यालय के पूर्व प्रतिकूलपति प्रोफेसर अंजनी कुमार श्रीवास्तव ने शनिवार को कही। वह स्वामी विवेकानंद सभागार में 6-दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम के समापन सत्र को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। भगवान बिरसा मुंडा का नारा 'अबुआ दिसुम, अबुआ राज' की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा के बिना हमारी कोई पहचान नहीं है। परंतु जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता को भारतीय ज्ञान परंपरा के साथ मिला के आगे बढ़ेंगे तो यह हमें ख्याति दिलाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विभावि के कुलपति प्रो चंद्र भूषण शर्मा ने कहा कि

भारतीय ज्ञान परंपरा केवल पूरान और उपनिषद जैसे ग्रंथ तक सीमित नहीं है। इसमें महात्मा गांधी और बाबा साहेब अंबेडकर जैसे आधुनिक चिंतकों के विचार भी समाहित हैं। कुलपति ने कहा कि वह चाहते हैं की विश्वविद्यालय के शिक्षक पश्चिम की व्यवस्था और हमारी अपनी भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित व्यवस्था, दोनों को ठीक से जाने और उसके बाद अपनी समझ बनाएं। उन्होंने 6-दिवसीय कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले प्रतिभागियों को बधाई दी। कहा कि BHU के साथ मिलकर अगले चरण में शोध पर आधारित ऐसे आयोजन किए जाएंगे। यह भी कहा कि यदि संभव हुआ तो विश्वविद्यालय के शोधार्थियों को भी उसमें शामिल किया जाएगा। विशिष्ट अतिथि बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्रो आशीष श्रीवास्तव ने कहा इस वैलिडिकटरी सत्र को एक नई शुरूआत समझे। उन्होंने 6-दिवसीय कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभागियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनमें सीखने की मानसिकता थी और वह काफी विनम्र थे।

जनसुनवाई के माध्यम से समस्याओं के समाधान की पहल, थाना दिवस में 19 नए मामले दर्ज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान तथा भूमि संबंधी विवादों के शांतिपूर्ण निपटारे के उद्देश्य से शनिवार को चौपारण थाना परिसर में थाना दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं और मामलों के निष्पक्ष एवं शीघ्र निष्पादन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। थाना दिवस में कुल 19 नए मामले प्राप्त हुए, जबकि 16 पुराने मामलों की सुनवाई की गई। अधिकारियों ने प्रत्येक आवेदन की गंभीरता से समीक्षा करते हुए संबंधित पक्षों को आवश्यक सुझाव दिए तथा लंबित मामलों के समाधान के लिए संबंधित कर्मियों को निर्देशित किया। इस अवसर पर डीएसपी राधा प्रेम किशोर, अंचल अधिकारी संजय यादव, अंचल निरीक्षक शशिकांत कुमार एवं उपस्थित रहे। अधिकारियों ने कहा

कि थाना दिवस का मुख्य उद्देश्य आम लोगों को उनकी समस्याओं के समाधान के लिए एक सुलभ मंच उपलब्ध कराना है, ताकि विशेष रूप से भूमि विवादों का निपटारा आपसी सहमति और कानूनी प्रक्रिया के तहत समयबद्ध तरीके से किया जा सके। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी प्रकार के भूमि संबंधी विवाद या अन्य समस्याओं के समाधान के लिए थाना दिवस का लाभ उठाएं और प्रशासन का सहयोग करें। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में फरियादी एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

एनएमएल बादम कोल खनन परियोजना में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : एनएमएल बादम कोल खनन परियोजना में विश्व पर्यावरण दिवस 2026 उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर परियोजना के कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली और प्रकृति तथा पर्यावरण की रक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। कार्यक्रम के अंतर्गत एनएमएल सिकरी परिसर में "एक पेड़ माँ के नाम" थीम पर वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया गया। कर्मचारियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण तथा हरित आवरण बढ़ाने का संदेश दिया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व के. चंद्रशेखर, परियोजना प्रमुख, बादम सीएमपी, सीता राम माझी, एजीएम, वाई देवाशीष, विभागाध्यक्ष तथा अन्य विभागाध्यक्षों ने किया। इस अवसर पर उपस्थित

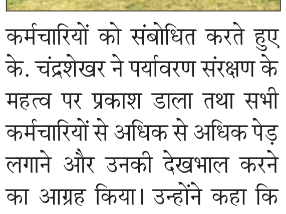

कर्मचारियों को संबोधित करते हुए के. चंद्रशेखर ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला तथा सभी कर्मचारियों से अधिक से अधिक पेड़ लगाने और उनकी देखभाल करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण की रक्षा करना हम सभी की साझा जिम्मेदारी है तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और हरित वातावरण सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। विश्व पर्यावरण दिवस का यह आयोजन एनएमएल बादम सीएमपी की पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

खाद्य प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण कमियों पर 14 दिन में सुधार का निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : उपायुक्त हेमंत सती एवं अभिहित अधिकारी-सह-अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. शशि जायसवाल के निदेर्शानुसार खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा हजारीबाग शहर के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया गया।
खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी मो. मंजर हुसैन के नेतृत्व में गठित टीम ने शहर स्थित माला इंडस्ट्रीज, आरोग्यं हॉस्पिटल कैंटीन, लॉकअप रेस्टोरेंट, न्यू फ्रंटियर बेकरी, पेपर एंड साल्ट, पिज्जा हट एवं केएफसी रेस्टोरेंट का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठानों के किचन, खाद्य सामग्री

के रख-रखाव, साफ-सफाई एवं स्वच्छता मानकों की गहन जांच की गई।
निरीक्षण के क्रम में कुछ प्रतिष्ठानों में स्वच्छता एवं खाद्य सुरक्षा मानकों से संबंधित कमियां पाई गईं। संबंधित प्रतिष्ठानों को इन कमियों को दूर करने हेतु 14 दिनों का समय दिया गया है। उन्हें निर्देशित किया गया है कि निर्धारित अवधि के भीतर आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई कर उसका अनुपालन प्रतिवेदन ऑनलाइन पोर्टल 'FoSCoS' के माध्यम से समर्पित करें।
खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने बताया कि यदि निर्धारित 14 दिनों की अवधि के भीतर निदेर्शों का अनुपालन नहीं किया जाता है, तो संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के तहत विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि आम जनता को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकता है तथा खाद्य प्रतिष्ठानों में स्वच्छता एवं खाद्य सुरक्षा मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए इस प्रकार के निरीक्षण अभियान आगे भी नियमित रूप से जारी रहेंगे।

एक नजर

कंप्यूटर की सत्रांत परीक्षा संपन्न

मुरी : झारखंड जन कल्याण संस्था रांची द्वारा संचालित ग्रामीण कंप्यूटर साक्षरता योजना के तहत बी.के. मल्टीमीडिया एंड कंप्यूटर्स के विद्यार्थियों का सत्रांत परीक्षा आर टीसी पब्लिक स्कूल सिंगपुर मुरी के परिसर में डीसीए, डीटीपी, टैली और एडीसीए, कंप्यूटर कोर्स की परीक्षा ली गई। संस्थान के निदेशक भीम कोइरी ने बताया की परीक्षा में 70 विद्यार्थियों ने भाग लिया परीक्षा कदाचार मुक्त एवं शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई। बताते चलें कि प्रत्येक सत्रांत के बाद परीक्षार्थी विभिन्न क्षेत्रों में जाकर रोजगार के साथ अपनी बेरोजगारी दूर कर रहे हैं। मौके पर स्कूल के प्रधानाध्यापक तुलसी दास महतो, धर्मेन्द्र कुमार पांडे, टेकलाल महतो, अजीत महतो संस्थान के संचालक भीम कोइरी समेत दर्जनों लोग मौजूद थे।

रिम्स-2 के लिए कृषि भूमि अधिग्रहण का विरोध

रांची : भारतीय जनता पार्टी की नेता और पूर्व विधायक सीता सोरेन ने नगड़ी क्षेत्र में प्रस्तावित रिम्स-2 अस्पताल के लिए कृषि भूमि अधिग्रहण का विरोध किया है। उन्होंने शनिवार को मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर किसानों और ग्रामीणों के हितों को ध्यान में रखते हुए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पर पुनर्विचार करने की मांग की। मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र में सीता सोरेन ने कहा कि नगड़ी क्षेत्र की उपजाऊ कृषि भूमि हजारों आदिवासी और मूलवासी किसानों की आजीविका का प्रमुख आधार है। यहां की बड़ी आबादी खेती पर निर्भर है और भूमि अधिग्रहण की स्थिति में किसानों के सामने आर्थिक एवं सामाजिक संकट उत्पन्न हो सकता है। उन्होंने कहा कि राज्य में पहले भी विभिन्न विकास परियोजनाओं और अधोसंरचना कार्यों के कारण अनेक किसान अपनी जमीन गंवा चुके हैं। ऐसे में शेष बची उपजाऊ कृषि भूमि का अधिग्रहण स्थानीय किसानों के अस्तित्व और भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। सीता सोरेन ने पत्र में मुख्यमंत्री से नगड़ी मौजा में प्रस्तावित भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया को रद्द करने का अनुरोध किया है। उन्होंने सुझाव दिया कि रिम्स-2 जैसे महत्वपूर्ण स्वास्थ्य संस्थान के निर्माण के लिए रांची और आसपास उपलब्ध बंजर अथवा गैर-कृषि योग्य सरकारी भूमि का चयन किया जाना चाहिए।

सिल्ली में जियो का नेटवर्क बेहद खराब उपभोक्ता प्रेशान

सिल्ली: सिल्ली क्षेत्र में पिछले दो महीने से जियो का नेटवर्क बेहद खराब चल रहा है। लगातार कॉल ड्रॉप, इंटरनेट स्पीड धीमी और कई बार नेटवर्क पूरी तरह गायब हो जाने से उपभोक्ता काफी परेशान हैं। सबसे ज्यादा दिक्कत छात्रों को हो रही है। आज के डिजिटल दौर में अधिकांश छात्र ऑनलाइन क्लास, कोचिंग और स्टडी मटेरियल के लिए मोबाइल नेटवर्क पर निर्भर हैं। नेटवर्क न मिलने से उनकी पढ़ाई बाधित हो रही है। वहीं वर्क फ्रॉम होम करने वाले और डिजिटल भुगतान पर निर्भर दुकानदारों को भी नुकसान झेलना पड़ रहा है। नेटवर्क में सुधार न होता देख अब कई जियो यूजर नाराज होकर अपना नंबर दूसरी टेलीकॉम कंपनियों में पोर्ट करा रहे हैं। स्थानीय लोगों ने जियो प्रबंधन से जल्द नेटवर्क सुधारने की मांग की है, ताकि आमजन को राहत मिल सके।

इटखोरी थाना में शांति समिति की बैठक

इटखोरी : एक सप्ताह पूर्व हुई गौकशी की घटना को लेकर शनिवार को इटखोरी में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता डीएसपी सुनील कुमार सिंह ने की। इस दौरान इंस्पेक्टर उमेश राम, अंचलाधिकारी सविता सिंह तथा थाना प्रभारी अभिषेक कुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में बुद्धिजीवी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं युवा उपस्थित रहे।

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने ऑड्रे हाउस में आयोजित 'ए ट्राइबल कॉन्क्लेव' कार्यक्रम को किया सम्बोधित, कहा

जनजातीय संस्कृति और परंपराएं राष्ट्र की अमूल्य धरोहर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने शनिवार को रांची स्थित ऑड्रे हाउस में आयोजित 'ए ट्राइबल कॉन्क्लेव' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड अपनी समृद्ध जनजातीय संस्कृति, सामुदायिक जीवन मूल्यों और प्रकृति के साथ गहरे संबंधों के लिए विशेष पहचान रखता है। उन्होंने कहा कि जनजातीय परंपराएं सह-अस्तित्व, सामाजिक समरसता और सामूहिक उत्तरदायित्व का संदेश देती हैं, जो न केवल झारखंड बल्कि पूरे देश की अमूल्य धरोहर हैं।

राज्यपाल ने कहा कि जनजातीय पहचान, संवैधानिक अधिकार, शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कृति, शासन व्यवस्था, स्वदेशी ज्ञान परंपरा और सतत विकास जैसे विषयों पर गंभीर विमर्श समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज का विकास तभी सार्थक माना जा सकता है, जब उसकी सांस्कृतिक अस्मिता और मूल पहचान सुरक्षित रहते हुए प्रगति का मार्ग प्रशस्त हो। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान ने अनुसूचित जनजातियों के सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक उत्थान के लिए अनेक महत्वपूर्ण प्रावधान किए हैं। विकास की प्रक्रिया में समाज के अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना और प्रत्येक नागरिक की सम्मानजनक भागीदारी सुनिश्चित करना हम सभी की जिम्मेदारी है।

राज्यपाल ने जनजातीय समाज के विकास में शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, कौशल विकास और आर्थिक सशक्तीकरण की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल देते हुए कहा कि विशेष रूप से दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार समय की सबसे बड़ी जरूरत है। इसके लिए सरकार, शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों और स्थानीय समुदायों को मिलकर कार्य करना होगा।

उन्होंने कहा कि राज्य के सुदूरवर्ती गांवों के भ्रमण के दौरान उन्हें जनजातीय समाज की प्रतिभा, परिश्रम और सामुदायिक चेतना को करीब से देखने का अवसर मिला। राज्यपाल ने विशेष रूप से जनजातीय महिलाओं की मेहनत, आत्मनिर्भरता और स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से किए जा रहे उनके योगदान की सराहना की।

विश्व पर्यावरण दिवस का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने कहा कि जनजातीय समाज सदियों से जल, जंगल और जमीन को केवल संसाधन नहीं, बल्कि जीवन और संस्कृति का आधार मानता आया है। उन्होंने कहा कि आज जब दुनिया जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना कर रही है, तब जनजातीय जीवन-दर्शन यह संदेश देता है कि विकास और प्रकृति संरक्षण एक-दूसरे के पूरक हैं।

राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जनजातीय समाज के सशक्तीकरण और समग्र विकास के लिए कई ऐतिहासिक पहल की गई हैं। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जाना, एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों का विस्तार और पीएम-जनमन जैसी योजनाएं इसकी मिसाल हैं।

झारखंड में जल्द स्थापित होगा सेंट्रल रेडियोलॉजी हब, सरकारी अस्पतालों को मिलेंगी विशेषज्ञ सेवाएं

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में जल्द ही सेंट्रल रेडियोलॉजी हब (सीआरएच) की स्थापना की जाएगी, जिसके माध्यम से राज्यभर के सरकारी अस्पतालों को विशेषज्ञ रेडियोलॉजी सेवाओं से जोड़ा जाएगा। इसकी जानकारी राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने शनिवार को दी।

स्वास्थ्य मंत्री ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि राज्य के किसी भी मरीज को विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी के कारण परेशानियों का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं हर नागरिक का अधिकार हैं और सरकार इसे उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

नई व्यवस्था के तहत सरकारी अस्पतालों में होने वाली एक्स-रे, सीटी स्कैन और एमआरआई जैसी जांचों की रिपोर्ट विशेषज्ञ रेडियोलॉजिस्ट एक केंद्रीकृत प्रणाली के माध्यम से तैयार करेंगे। इससे जांच रिपोर्ट की गुणवत्ता में सुधार होगा, रिपोर्ट मिलने में लगने वाला समय कम होगा और मरीजों को तेज व सटीक उपचार मिल सकेगा।

इसके साथ ही राज्य के सभी सरकारी अस्पतालों को डिजिटल नेटवर्क से जोड़ा जाएगा, जिससे दूरदराज क्षेत्रों के मरीजों को भी विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं का लाभ मिल सकेगा।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि इस पहल का सबसे अधिक लाभ ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों के लोगों को मिलेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि यह व्यवस्था झारखंड को डिजिटल हेल्थकेयर के क्षेत्र में अग्रणी राज्यों की श्रेणी में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

भाजपाइयो ने गर्मजोशी के साथ किया राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन शनिवार को दो दिवसीय संगठनात्मक दौरे पर झारखंड की राजधानी रांची पहुंचे। राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद उनका यह पहला झारखंड दौरा है, जिसे पार्टी संगठन के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। रांची स्थित बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर भाजपा नेताओं, पदाधिकारियों और बड़ी संख्या में कार्यकताओं ने उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया।

एयरपोर्ट पर स्वागत के बाद नितिन नवीन सीधे भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा स्थल पहुंचे, जहां उन्होंने माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद उन्होंने समाजवादी नेता जननायक कपूर्री ठाकुर तथा भाजपा के वरिष्ठ नेता और संगठन निमार्ता कैलाशपति मिश्र की प्रतिमाओं पर भी पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया।

श्रद्धांजलि कार्यक्रमों के बाद नितिन नवीन भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुंचे, जहां वे पार्टी की कोर कमेटी के सदस्यों के साथ संगठनात्मक मुद्दों पर चर्चा करने वाले हैं। बैठक में संगठन विस्तार, बूथ स्तर पर पार्टी की मजबूती, सदस्यता अभियान, जनसंपर्क कार्यक्रमों और आगामी राजनीतिक गतिविधियों को लेकर व्यापक मंथन होने की संभावना है।

रांची में मारवाड़ी सम्मेलन ने 145 मेधावी छात्रों को किया सम्मानित

रांची : रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के तत्वावधान में शनिवार को हरमू रोड स्थित मारवाड़ी भवन में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न शैक्षणिक एवं व्यावसायिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कुल 145 मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रांची विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. सरोज शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि अनुशासन, परिश्रम, विनम्रता, आत्मविश्वास, धैर्य और दृढ़ संकल्प ही सफलता की सबसे बड़ी कुंजी हैं।

जेपीएससी सिविल जज 2023 प्रारंभिक परीक्षा का संशोधित रिजल्ट जारी, 1844 अभ्यर्थी सफल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) ने सिविल जज (जूनियर डिवीजन) प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा-2023 का संशोधित परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश के आलोक में तैयार की गई संशोधित उत्तर कुंजी (रिवाइज्ड आंसर की) के आधार पर यह रिजल्ट तैयार किया गया है। आयोग द्वारा जारी आधिकारिक सूचना के अनुसार, इस परीक्षा में कुल 1,844 अभ्यर्थियों को मुख्य परीक्षा (ट्रंल्ल२) के लिए सफल घोषित किया गया है। परीक्षार्थी अपना परिणाम जेपीएससी की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर चेक कर सकते हैं।

गौरतलब है कि सिविल जज के कुल 138 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए यह प्रारंभिक परीक्षा 10 मार्च 2024 को रांची सहित राज्य के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की गई थी। परीक्षा के करीब दो साल बाद अब इसका अंतिम परिणाम जारी किया गया है। आयोग ने साफ किया है कि यह परीक्षा परिणाम झारखंड उच्च न्यायालय में लंबित विभिन्न मामलों और याचिकाओं के अंतिम निर्णय के अधीन होगा। इसके साथ ही जेपीएससी ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि परिणाम में किसी प्रकार की टंकण (टाइपिंग) संबंधी त्रुटि पाई जाती है, तो उसमें सुधार करने का अधिकार आयोग के पास सुरक्षित रहेगा।

झारखंड में जल्द आएगा मानसून, 10 जून तक गरज के साथ बारिश की संभावना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी रांची सहित पूरे राज्य में दक्षिणी पश्चिमी मानसून जल्द ही दस्तक देगा। पूरे राज्य में प्री मानसून सिस्टम सक्रिय हो गया है। राजधानी रांची सहित राज्य के विभिन्न जिलों में काले और घने बादल छाए हुए हैं। साथ ही गर्मी और उमस भी बढ़ गई है।

मौसम विभाग के अनुसार रविवार को रांची और आसपास के इलाकों में गर्जन के साथ 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से 10 जून तक तेज हवा और बारिश हो सकती है। इसे लेकर विभाग की ओर से येलो अलर्ट जारी किया गया है। विभाग के अनुसार मानसून पश्चिमी मध्य और पूर्वी मध्य अरब सागर, कर्नाटक, पूरा गोवा, महाराष्ट्र के कुछ हिस्से, आंध्र प्रदेश तमिलनाडु के अधिकांश भाग और दक्षिणी पश्चिमी बंगाल की खाड़ी में पहुंच गया है। इसके अगले तीन दिनों में पश्चिम बंगाल में पहुंचने की संभावना है। इसी प्रकार यह झारखंड की ओर भी आगे बढ़ेगा। इधर, पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान डाल्टनगंज में 41 डिग्री और सबसे कम तापमान रांची के नामकुम में रिकॉर्ड किया गया। वही इस दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश पश्चिमी सिंहभूम के चाय भाषा में 50.5 मिलीमीटर रिकॉर्ड की गई।

उषा मार्टिन फाउंडेशन की पहल

18 गांवों के एक हजार परिवारों को मिली शुद्ध पेयजल की सुविधा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उषा मार्टिन फाउंडेशन द्वारा पिछले 1 वर्ष के दौरान टाटीसिलवे एवं आसपास के 18 गांवों में विशेष पेयजल अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत 35 चापाकलों एवं 14 जलमीनारों की मरम्मत कर उन्हें पुनः चालू किया गया है, जिससे 1,000 से अधिक ग्रामीण परिवारों को सीधा लाभ मिला है। गर्मी के दिनों में इन ग्रामीण इलाकों में पेयजल की समस्या बेहद गंभीर हो जाती थी। कई स्थानों पर चापाकल और जलमीनार खराब होने के कारण ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों को दूर-दराज के जलस्रोतों से पानी ढोकर लाना पड़ता था। इस विकट समस्या को देखते हुए उषा मार्टिन फाउंडेशन ने ग्रामीणों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों से प्राप्त मांग के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए मरम्मत का कार्य शुरू कराया। डॉ. मयंक मुरारी ने कहा कि फाउंडेशन का उद्देश्य केवल पेयजल उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि ग्रामीणों को स्वच्छता एवं जल संरक्षण के प्रति जागरूक करना भी है। इस पहल का सकारात्मक प्रभाव ग्रामीणों के स्वास्थ्य पर भी देखने को मिला है। स्वच्छ पानी मिलने से जलजनित बीमारियों में भारी कमी आई है तथा लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ी है। ग्रामीण अब इन जलस्रोतों के रखरखाव में भी अपनी सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं।

डाड़ी से पानी लाने को मजबूर थे ग्रामीण

गांव की निवासी अंजनी देवी बताती हैं कि पहले महिलाओं एवं बच्चों को प्रतिदिन 1 से 2 किलोमीटर दूर डाड़ी (प्राकृतिक जलस्रोत) से पानी लाना पड़ता था, जिससे समय और श्रम दोनों की बबार्दी होती थी और दूषित पानी के कारण लोग बीमार पड़ जाते थे। वहीं महिला समूह की सदस्य रूबी देवी कहती हैं कि अब घर के पास ही साफ पानी मिलने से महिलाओं को बड़ी राहत मिली है और वे अपने परिवार पर अधिक ध्यान दे पा रही हैं। फाउंडेशन की यह पहल ग्रामीण विकास एवं सामुदायिक सहभागिता का एक सफल उदाहरण बनकर सामने आई है।

विभिन्न गांवों में बड़े पैमाने पर हुआ मरम्मत कार्य

उषा मार्टिन फाउंडेशन के सचिव डॉ. मयंक मुरारी ने आंकड़ों की जानकारी देते हुए बताया कि पिछले 1 वर्ष में टाटी पश्चिम में 4, चतरा में 1, उलातू में 7, बहेया में 4, मासू में 1, हेसलजारा में 2, हरातू में 5, चिलदाग में 1, टाटी पूर्वी में 4 तथा अनगड़ा में 6 चापाकलों की मरम्मत की गई। इसके साथ ही आरा में 2, महिलौंग में 2, हरातू में 1, चतरा में 1, हेसलजारा में 2, बहेया में 1 तथा टाटी मिडिल स्कूल परिसर में 1 जलमीनार की मरम्मत कर उन्हें सुचारू रूप से चालू किया गया।

संक्षिप्त खबरें

श्री श्याम मंदिर में 203 वां श्री श्याम भंडारा संपन्न

रांची : श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में 203 वा श्री श्याम भंडारा का भव्य आयोजन किया गया। आज का भंडारा अनिल टिबरेवाल किरण टिबरेवाल के परिवार द्वारा निवेदित किया गया था। मण्डल के निवर्तमान अध्यक्ष सुरेश सरावगी निर्वतमान महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया अध्यक्ष गोपाल मुरारका महामंत्री गौरव अग्रवाल वरिष्ठ कार्यकारणी सदस्य श्यामसुंदर शर्मा वरिष्ठ सदस्य एवं राज्यसभा के पूर्व सांसद अजय मारू एवं टिबडेवाल परिवार ने इष्ट मित्रों के साथ संयुक्त रूप से बाबा श्री श्याम का भोग भजन गाया। आओ आओ भोग लगाओ बाबा श्याम जी के भोग भजन से श्री श्याम मंदिर गूंज रहा था। सर्वप्रथम भंडारे का भोग लगाकर महाप्रसाद में मिलवाया गया । इसके बाद मंदिर के आचार्यों को यजमान परिवार के सदस्यों ने भोजन प्रसादी ग्रहण करवाया। भंडारे का भोग हर शनिवार को गौशाला में गौ माता के लिए भेजा जाता है। मंदिर के वरिष्ठ सदस्य एवं सहयोगी गौशाला में भंडारे का भोग लेकर जाते हैं। श्री श्याम मंदिर परिसर भक्तों से भर गया एवं हरमू रोड में भक्तजनों की लंबी-लंबी कतारें लग गई। खाटूनरेश की जय जयकारों से पूरा हरमू रोड गूंज रहा था। प्रथम देव श्री गणेश जी महाराज की जय जयकारों के बीच प्रसाद वितरण प्रारंभ किया गया। आज के भंडारे में वेजीटेबल पुलाव मिक्स सब्जी केसरिया जलेबी टॉफी एवं खीर चूरमा का भोग लगाया गया। श्री श्याम भंडारे में मंडल के निवर्तमान अध्यक्ष सुरेश सरावगी निर्वतमान महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया अध्यक्ष गोपाल मुरारका महामंत्री गौरव अग्रवाल उपाध्यक्ष श्रवण ढांढनिया अशोक लड़ियां वरिष्ठ कार्यकारणी सदस्य श्यामसुंदर शर्मा वरिष्ठ सदस्य एवं राज्यसभा के पूर्व सांसद अजय मारू अनुज मोदी अमित सरावगी पवन केडिया अनिल किरण राहुल प्रियंका अनिकेत तेजस्वनी त्रिथा टिबरेवाल कमलेश सावा वेद भूषण जैन संकेत चौधरी रिषभ चौरसिया हर्ष मिश्रा हिमांशु केशरी मनोज खेतावत उपेन्द्र पांडे सहित 50 से ज्यादा कार्यकताओं ने सहयोग दिया। उपरोक्त सभी जानकारी मंडल के महामंत्री गौरव अग्रवाल ने दी।

विश्व पर्यावरण दिवस पर राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन ने किया पौधरोपण

रांची : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन की जिला इकाई द्वारा कोकर क्षेत्र में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण एवं प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखने के प्रति लोगों को जागरूक करना था। इस अवसर पर रांची जिला महासचिव विजेंद्र कुमार शर्मा एवं धर्म नारायण पांडेय उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और संतुलन के लिए प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे देशहित और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए अपने आसपास कहीं भी एक पौधा लगाकर इस अभियान में सहभागी बनें। कार्यक्रम की अध्यक्षता रांची जिला महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष ललिता ने की। इस दौरान राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन की प्रमंडल सचिव नाजिया प्रवीण मुख्य रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में जिला पदाधिकारी सीमा मिश्रा, सरोज जैन, नीतू देवी, शीतल वर्मा, पूनम देवी एवं उषा देवी सहित कई सदस्यों ने भाग लिया और वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। सभी उपस्थित सदस्यों ने अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन ₹जय मानवाधिकार₹ के उद्घोष के साथ हुआ।

सीसीएल प्रबंधन के साथ राष्ट्रीय कोयला मजदूर यूनियन की कॉरपोरेट बैठक संपन्न

रांची : दरभंगा हाउस में सीसीएल प्रबंधन एवं राष्ट्रीय कोयला मजदूर यूनियन के बीच कॉर्पोरेट मीटिंग संपन्न हुई, जिसकी अध्यक्षता सीसीएल के डायरेक्टर (पर्सनल) हर्षनाथ मिश्रा ने की और बैठक में सीसीएल के सभी एरिया के राष्ट्रीय कोयला मजदूर यूनियन के क्षेत्रीय सचिव एवं क्षेत्रीय अध्यक्ष शामिल हुए जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्र की समस्याओं को प्रबंधन के समक्ष विस्तार से रखा तथा आम्रपाली-चंद्रगुप्त क्षेत्र एवं मगध-संघमित्रा क्षेत्र के क्षेत्रीय सचिव मोहम्मद जहूर, क्षेत्रीय अध्यक्ष सुबोध कुमार साहू एवं जोगेन्द्र कुमार ने दोनों एरिया की समस्याओं को पुरजोर तरीके से उठाते हुए प्रमुख रूप से मगध-संघमित्रा एवं आम्रपाली-चंद्रगुप्त के कामगारों को समय से रेगुलराइज करने, दोनों एरिया में सभी कामगारों को संडे एवं पीएचडी देने, पिछले संडे और पीएचडी में किए गए कार्य का वेतन तुरंत भुगतान करने, मगध-संघमित्रा क्षेत्र एवं आम्रपाली-चंद्रगुप्त क्षेत्र के कामगारों के लिए हजारीबाग से ड्यूटी हेतु अविलंब बस सेवा शुरू करने, सभी कामगारों को समय पर प्रमोशन देने, दोनों एरिया में महिला नर्स एवं महिला डॉक्टर की पोस्टिंग करने, सिक लीव में संडे को भी जोड़ने और कामगारों को अपनी पसंद के किसी भी अस्पताल में रेफर करने की सुविधा देने की मांग रखी जिस पर सीसीएल के सभी एरिया के यूनियन नेताओं ने अपने क्षेत्र की समस्याओं से प्रबंधन को अवगत कराया और सीसीएल प्रबंधन ने सभी मांगों पर सकारात्मक विचार कर पूरा करने का आश्वासन दिया जबकि बैठक में सीसीएल के सभी क्षेत्र के त्नf सभी विभागों के प्रमुख एवं महाप्रबंधक प्रतुल कुमार तथा यूनियन की ओर से महामंत्री राजेश कुमार सहित सीसीएल के सभी क्षेत्रों के क्षेत्रीय सचिव, क्षेत्रीय अध्यक्ष एवं सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

होमगार्ड जवान से लूटपाट करने वाले दो अपराधी गिरफ्तार, स्कूटी और चाकू बरामद

रांची : राजधानी के चुटिया थाना क्षेत्र में होमगार्ड जवान पर जानलेवा हमला कर लूटपाट करने वाले दो शातिर अपराधियों को पुलिस ने दबोच लिया है। सिटी एसपी पारस राणा ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि बीती 25 मई की देर रात पंचवटी चौक के पास स्कूटी सवार गृहरक्षक गणेश राम पर दो अज्ञात अपराधियों ने चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया था और उनकी स्कूटी लूटकर फरार हो गए थे। वारदात के समय जवान सादे लिबास में थे और उनकी वर्दी स्कूटी की डिक्की में रखी थी, जिसे अपराधियों ने बाद में सड़क पर फेंक दिया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने एक विशेष छापामारी टीम का गठन किया। तकनीकी अनुसंधान, सीसीटीवी फुटेज की जांच और गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने सुखदेव गंझू और अभिषेक मुंडा नाम के दो संदिग्धों को हिरासत में लिया।

एक नजर

आपसी विवाद में युवक की पिटाई, इलाज के दौरान मौत

मरकच्चो : मरकच्चो के मध्य पंचायत स्थित पश्चिम मुहल्ला में आपसी विवाद को लेकर शुक्रवार रात्रि कुछ लोगों द्वारा घर में घुसकर एक युवक की जमकर पिटाई कर दी गई। घटना में युवक गम्भीर रूप से घायल हो गया। परिजनों द्वारा इलाज के लिए उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मरकच्चो लाया गया जहां गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों के द्वारा कोडरमा सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार घायल युवक पश्चिम मोहल्ला निवासी अनीश कुमार सिंह पिता स्व शुरेश सिंह का इलाज कोडरमा सदर अस्पताल में किया जा रहा था इसी दौरान शनिवार सुबह अनीश की मौत हो गयी।युवक की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और गांव में शोक का माहौल व्याप्त हो गया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक की माता अनिता देवी के फर्द व्यान पर रवि सिंह, पंकज सिंह पिता महेश सिंह प्रदीप सिंह, नन्हकी सिंह पिता स्व स्व सुरेश सिंह, प्रवीण सिंह पिता बारीक सिंह, लखन सिंह पिता स्व यमुना सिंह को अभियुक्त बनाया है।

झुमरीतिलैया के वरिष्ठ दवा व्यवसायी सुनील कुमार सिन्हा का निधन, शोक की लहर

झुमरीतिलैया : नगर के प्रतिष्ठित दवा व्यवसायी, राजगढ़िया रोड स्थित सुनील मेडिकल हॉल के संचालक तथा कोडरमा केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन (केसीडीए) के सम्मानित सदस्य सुनील कुमार सिन्हा (80 वर्ष) का निधन शुक्रवार की सुबह लगभग 4:30 बजे धनबाद के एक निजी अस्पताल में हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही दवा व्यवसायी समुदाय सहित पूरे जिले में शोक की लहर दौड़ गई। स्वर्गीय सुनील कुमार सिन्हा ने अपने व्यवसायिक जीवन की शुरूआत वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. जी.पी. त्रिपाठी के क्लीनिक में सेवा कार्य से की थी। बाद में उन्होंने राजगढ़िया रोड स्थित सुनील मेडिकल हॉल की स्थापना की और कई दशकों तक जिलेवासियों को दवा एवं स्वास्थ्य संबंधी सेवाएं उपलब्ध कराईं। अपने सरल स्वभाव, ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा एवं समाजसेवा के कारण वे लोगों के बीच अत्यंत लोकप्रिय और सम्मानित थे। उनकी अंतिम यात्रा शुक्रवार दोपहर लगभग 1 बजे विद्यापुरी स्थित उनके आवास से निकाली गई। अंतिम यात्रा में परिजन, शुभचिंतक, दवा व्यवसायी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

बिष्टुपुर में संभावित वारदात से पहले युवक गिरफ्तार

पूर्वी सिंहभूम : जमशेदपुर के बिष्टुपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक युवक को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार कर संभावित आपराधिक घटना को टालने का दावा किया है। गिरफ्तार आरोपित के पास से एक लोडेड देसी पिस्तौल बरामद किया गया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, शुक्रवार सुबह गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि बेलीबोधन घाट के आसपास एक युवक हथियार लेकर घूम रहा है और किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने की फिराक में है। सूचना मिलते ही वरीय अधिकारियों के निर्देश पर बिष्टुपुर थाना प्रभारी अशोक दुबे के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया और इलाके में सघन छापेमारी अभियान शुरू किया गया। छापेमारी के दौरान पुलिस टीम को देखते ही संदिग्ध युवक भागने लगा। हालांकि पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए उसका पीछा किया और कुछ ही दूरी पर उसे पकड़ लिया।

कोडरमा में कांग्रेस की रणनीतिक बैठक, बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने और मतदाता सूची की निगरानी पर जोर

वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों में संगठन मजबूत करना जरूरी : विनोद कुशवाहा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : कोडरमा संसदीय क्षेत्र एवं जिला कांग्रेस कमेटी की एक महत्वपूर्ण बैठक शनिवार को कोडरमा परिसदन में जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश रजक की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक का संचालन जिला सचिव एवं पूर्व जिला प्रवक्ता संजय शर्मा ने किया। बैठक से पूर्व मुख्य अतिथियों का अंगवस्त्र एवं माला पहनाकर स्वागत किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष सह कोडरमा संसदीय क्षेत्र के प्रभारी मणि शंकर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी को बूथ स्तर तक मजबूत करने के लिए व्यापक अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान किसी भी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची से वंचित न हो, इसके लिए सभी नियुक्त बीएलए को अपने-अपने बूथों पर सक्रिय और सजग रहने का निर्देश दिया गया है। कोडरमा संगठन प्रभारी विजय यादव ने कहा कि प्रदेश नेतृत्व जिले में संगठन को मजबूत करने के लिए हर संभव सहयोग करेगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक माह नियमित बैठक आयोजित कर आम जनता की समस्याओं को उठाया जाएगा तथा उनके समाधान के लिए पहल की जाएगी। जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश रजक ने कहा कि पार्टी को जमीनी स्तर पर सशक्त बनाने के लिए पंचायत एवं प्रखंड स्तर पर लगातार बैठकें आयोजित की जाएंगी। साथ ही कार्यकर्ताओं के घरों पर कांग्रेस का झंडा लगाने का भी निर्णय लिया गया है, ताकि संगठन की उपस्थिति गांव-गांव तक सुनिश्चित की जा सके। संसदीय क्षेत्र के सह प्रभारी विनोद कुशवाहा ने कहा कि वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए कांग्रेस को और अधिक मजबूत बनाने की आवश्यकता है। वहीं गिरिडीह जिला कांग्रेस अध्यक्ष सतीश केडिया ने कहा कि कोडरमा संसदीय क्षेत्र में कांग्रेस का मजबूत प्रतिनिधित्व क्षेत्र के विकास और आम जनता के हित में आवश्यक है। बैठक में पूर्व अल्पसंख्यक प्रदेश अध्यक्ष शकील अख्तर, ओबीसी मोर्चा के प्रदेश सचिव मनोज सहाय पिंकू, प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र यादव, डॉ. प्रकाश निर्मल, कुमार ओझा, आशीष कुमार पांडेय, उमेश साहू, अज्जू सिंह, दशरथ पासवान, चंद्रभूषण साहू, आनंद कुमार मेहता, अनिल दास, अनिल यादव, प्रभात कुमार राम, पवन कुमार सिंह, पप्पू कुमार दास, रामेश्वर यादव, मोहम्मद कासिम, अजय कृष्णा, रफीक मियां, असगर अली, सुनील कुमार, इतवारी वर्मा, गुलाम सरवर, मोहम्मद गुलजार, सरोज मेहता, सत्येंद्र साव, फैयाज केसर, सत्येंद्र कुमार सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अनियंत्रित कोयला लदा ट्रक फास्ट फूड दुकान में घुसा, तीन घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : भदानीनगर ओपी क्षेत्र में शनिवार देर रात उस समय अफरा-तफरी मच गई जब तेज रफ्तार कोयला लदा एक ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित फास्ट फूड दुकान में घुस गया। हादसे में दुकान में बैठे तीन लोग घायल हो गए, जबकि दुकान और एक मोटरसाइकिल को भारी नुकसान पहुंचा। स्थानीय लोगों की तत्परता और पुलिस की सक्रियता से घायलों को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पतरातू से रिडक्शन कोयला लेकर जा रहा 12 चक्का ट्रक (जेएच 29बी 3365) फोरलेन सड़क से होकर गुजर रहा था। इसी दौरान भुरकुंडा स्टेशन से कुछ दूरी पहले चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा। देखते ही देखते ट्रक सड़क किनारे स्थित जितेंद्र कुमार की फास्ट फूड दुकान को रौंदते हुए अंदर जा घुसा। हादसे के वक्त दुकान में प्रकाश केशरी, राजेश साव और वसीम अंसारी भोजन कर रहे थे। ट्रक के अचानक दुकान में घुसने से तीनों उसकी चपेट में आ गए और घायल हो गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दुकान का बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं दुकान के बाहर खड़ी जितेंद्र कुमार की मोटरसाइकिल भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। दुर्घटना के तुरंत बाद चालक ट्रक छोड़कर मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही भदानीनगर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को एंबुलेंस से सदर अस्पताल रामगढ़ भेजा गया, जबकि अन्य दो घायलों का प्राथमिक उपचार निजी अस्पताल में कराया गया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को अपने कब्जे में लेकर थाना पहुंचा दिया है और फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में भारी वाहनों की बेलगाम रफ्तार को लेकर नाराजगी देखी गई। लोगों ने प्रशासन से क्षेत्र में तेज गति से चलने वाले भारी वाहनों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

ओपी जिंदल प्राइवेट आईटीआई में नामांकन प्रक्रिया शुरू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : तकनीकी शिक्षा और रोजगारपरक प्रशिक्षण के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना चुके ओपी जिंदल कम्युनिटी कॉलेज प्राइवेट आईटीआई, पतरातू में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है। संस्थान प्रबंधन के अनुसार इच्छुक छात्र-छात्राएं 30 जून तक विभिन्न ट्रेडों में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। उच्चरिंगा इंडस्ट्रियल एरिया स्थित यह संस्थान इलेक्ट्रीशियन, फिटर, वेल्डर (इंडस्ट्रियल) तथा मैकेनिक डीजल जैसे रोजगारोन्मुखी ट्रेडों में प्रशिक्षण प्रदान करता है। आधुनिक कार्यशालाओं, अनुभवी प्रशिक्षकों और व्यावहारिक शिक्षण व्यवस्था के माध्यम से विद्यार्थियों को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किया जाता है, ताकि वे रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त कर सकें। संस्थान की स्थापना वर्ष 2007 में जिंदल स्टील के अध्यक्ष नवीन जिंदल द्वारा बलकुदरा, पतरातू में की गई थी। इसका उद्देश्य उद्योगपति ओमप्रकाश जिंदल के उस सपने को साकार करना था, जिसमें तकनीकी शिक्षा को देश के विकास का मजबूत आधार माना गया था। स्थापना के बाद से संस्थान हजारों युवाओं को प्रशिक्षित कर चुका है, जिनमें से अनेक देश की प्रतिष्ठित कंपनियों में कार्यरत हैं। इलेक्ट्रीशियन एवं फिटर ट्रेड दो वर्षीय पाठ्यक्रम हैं, जिनके लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता दसवीं उत्तीर्ण निर्धारित है। वहीं वेल्डर एक वर्षीय पाठ्यक्रम है, जिसमें आठवीं पास विद्यार्थी प्रवेश ले सकते हैं। मैकेनिक डीजल ट्रेड के लिए दसवीं पास होना अनिवार्य है। सभी ट्रेडों में प्रवेश के लिए आयु सीमा 14 से 40 वर्ष निर्धारित की गई है।

पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग तेज, धरना स्थल पहुंचे सुरेन्द्र भाई मोदी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : कोडरमा जिला समाहरणालय के समक्ष 01 जून से चल रहे अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन को समर्थन देने के लिए बरकट्ठा विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी सुरेन्द्र भाई मोदी अपने समर्थकों के साथ धरना स्थल पहुंचे और आंदोलनकारियों के साथ धरने में शामिल हुए। धरना स्थल पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए सुरेन्द्र भाई मोदी ने कहा कि तिलैया थाना कांड संख्या 140/26 से जुड़े मामले में पीड़ित परिवार लगातार न्याय की मांग कर रहा है, लेकिन अब तक प्रशासन की ओर से कोई ठोस एवं सकारात्मक पहल नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि पीड़ित पक्ष द्वारा उपलब्ध कराए गए तथ्यों एवं आवेदन में कई गंभीर बिंदुओं को उठाया गया है, जिनकी निष्पक्ष जांच आवश्यक है। यदि जल्द न्यायोचित कार्रवाई नहीं होती है तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा तथा व्यापक जनसमर्थन के साथ संघर्ष जारी रहेगा। धरनार्थियों ने भी प्रशासन से मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने की मांग की। आंदोलनकारियों का कहना है कि जब तक न्याय नहीं मिलता, तब तक उनका अनिश्चितकालीन धरना जारी रहेगा। इस अवसर पर मुख्य रूप से उदित राज के माता-पिता, आंदोलनकारी अजय कृष्ण, रविशंकर कुमार, उप मुखिया चंदन कुमार, सहित बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष उपस्थित थे।

सड़कों पर उतरी पुलिस, सुरक्षा का बढ़ा भरोसा 'प्रहरी' अभियान से अपराधियों में मचा हड़कंप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने तथा आम नागरिकों में सुरक्षा की भावना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से रामगढ़ पुलिस ने शुक्रवार को प्रहरी पहल के तहत व्यापक पैदल गश्ती अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले के सभी थाना एवं ओपी क्षेत्रों में संवेदनशील स्थानों, प्रमुख चौक-चौराहों, बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर विशेष पैदल गश्ती की गई। इस दौरान पुलिस पदाधिकारियों और जवानों ने लोगों से संवाद स्थापित कर सुरक्षा संबंधी सुझाव भी प्राप्त किए। अभियान का मुख्य उद्देश्य नशाखोरी, अड्डेबाजी, छेड़खानी, अवैध पार्किंग तथा अन्य आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना था। गश्ती के दौरान पुलिस टीमों ने ऐसे स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जहां असामाजिक तत्वों के जुटने की शिकायतें मिलती रही हैं। पुलिस की सक्रिय मौजूदगी से क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा का माहौल देखने को मिला। प्रहरी अभियान के तहत पुलिसकर्मियों ने स्थानीय नागरिकों, दुकानदारों, युवाओं और राहगीरों से बातचीत कर उन्हें कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की। साथ ही किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने का आग्रह किया गया। इस पहल का उद्देश्य पुलिस और आम जनता के बीच विश्वास तथा समन्वय को और मजबूत करना है। गश्ती अभियान के दौरान भीड़भाड़ वाले इलाकों, शैक्षणिक संस्थानों के आसपास, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन मार्ग तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर विशेष निगरानी रखी गई। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जिले में शांति भंग करने वाले तत्वों के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी रहेगी। रामगढ़ पुलिस की इस पहल को लोगों ने सराहा। पुलिस का मानना है कि नियमित पैदल गश्ती और जनसंपर्क अभियान से अपराध पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के साथ-साथ नागरिकों में सुरक्षा का विश्वास और अधिक मजबूत होगा।

नन्हें हाथों ने गढ़ी हरियाली की नई मिसाल, कलात्मक झोलों से दिया प्लास्टिक मुक्त भविष्य का संदेश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने की दिशा में केंद्रीय विद्यालय भुरकुंडा द्वारा आयोजित विशेष वेबिनार प्रेरणा और नवाचार का अनूठा उदाहरण बनकर उभरा। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए पुराने कपड़ों को आकर्षक एवं उपयोगी झोलों में बदलकर पर्यावरण संरक्षण का प्रभावशाली संदेश दिया। वेबिनार की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य विजेंद्र कुमार ने की, जबकि कार्यक्रम का संचालन शिक्षक दयाल साहू के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए आकर्षक झोले रहे, जिन्हें पुरानी चादरों, बेडशीट, पैंट और अन्य अनुपयोगी कपड़ों से तैयार किया गया था। बच्चों ने इन झोलों को पेंटिंग, सिलाई और कढ़ाई के माध्यम से कलात्मक स्वरूप देकर उन्हें विशेष पहचान प्रदान की। वेबिनार के दौरान जब विद्यार्थियों द्वारा निर्मित झोलों का प्रदर्शन किया गया, तो उपस्थित सभी लोग उनकी कल्पनाशीलता, मेहनत और पर्यावरण के प्रति जागरूक सोच से प्रभावित हुए। यह पहल केवल पुनर्चक्रण तक सीमित नहीं रही, बल्कि पर्यावरण संरक्षण को रचनात्मकता और कला से जोड़ने का प्रभावशाली प्रयास भी साबित हुई। मुख्य अतिथि उपेंद्र पांडे ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों ने यह सिद्ध कर दिया है कि पर्यावरण संरक्षण केवल जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक सकारात्मक और रचनात्मक अभियान भी हो सकता है। पुराने कपड़ों को नया स्वरूप देकर उन्होंने समाज को प्रेरणादायक संदेश दिया है। प्राचार्य विजेंद्र कुमार ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में पर्यावरणीय चेतना विकसित करने के साथ-साथ उनकी छिपी प्रतिभाओं को भी सामने लाने का अवसर प्रदान करते हैं।

खाकी ने दिया हरियाली का संदेश, कुज्जू ओपी परिसर में फलदार पौधों से सजा पर्यावरण संरक्षण का अभियान

कुज्जू : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कुज्जू ओपी परिसर में पर्यावरण संरक्षण को समर्पित एक प्रेरणादायक वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुज्जू ओपी प्रभारी आशुतोष कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिसकर्मियों ने फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण कर प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य केवल पौधे लगाना नहीं, बल्कि समाज में पर्यावरण के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करना था। कार्यक्रम के दौरान थाना परिसर एवं आसपास के क्षेत्र में विभिन्न प्रजातियों के फलदार पौधे लगाए गए। पुलिस पदाधिकारियों और जवानों ने पौधों के संरक्षण एवं नियमित देखभाल का संकल्प लेते हुए लोगों से भी अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की। वृक्षारोपण के दौरान पूरे परिसर में पर्यावरण संरक्षण को लेकर उत्साह का माहौल देखने को मिला।

संक्षिप्त खबरें

राजकुमार यादव के परिजनों से मिले सुभाष यादव, हरसंभव सहयोग का दिया भरोसा

कोडरमा : कोडरमा प्रखंड के चितरपुर निवासी और कोडरमा विधायक डॉ नीरा यादव के सहायक सह चालक स्व. राजकुमार यादव जी के असामयिक निधन पर राजद नेता सुभाष प्रसाद यादव ने उनके आवास पहुंचकर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने पीड़ित परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और कहा कि दुख की इस घड़ी में वे परिवार के साथ खड़े हैं। उन्होंने घटना में घायल स्व राजकुमार यादव के पिता ईलाज संबधित जानकारी ली। वहीं घटना में अन्य घायलों से भी हालचाल लिया।उन्होंने कहा की जमीन के मामले में सामाजिक ताना बाना बिगड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जमीन के टुकड़ा के लिए हिंसा में इंसान की जान जा रही है, जान से ज्यादा कीमत जमीन की कभी नही हो सकती।उन्होंने कहा की धरातल पर सर्वधर्म-सर्वसमाज को आगे आने की जरूरत है,ताकि इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति ना हो।उन्होंने कहा की जमीन विवाद में हत्या हो जाना काफी दुखदायी व पीड़ादायक घटना है। उन्होंने चितरपुर के ग्रामीणों से घटना के बाद विधि व्यवस्था बनाए रखने व शांति कायम रखने की ग्रामीणों से अपील की।?इस दौरान उन्होंने अपने सामाजिक दायित्व का निर्वहन करते हुए पीड़ित परिवार को तात्कालिक रूप से खाद्यान्न,परिधान और आर्थिक सहायता भी प्रदान की। उन्होंने आश्वस्त किया कि भविष्य में भी परिवार को हरसंभव मदद दी जाएगी। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और परिजनों को धैर्य प्रदान करने की प्रार्थना की।

विश्व पर्यावरण दिवस पर मारवाड़ी युवा मंच ने निकाली जागरूकता रैली

झुमरीतिलैया : विश्व पर्यावरण दिवस के शुभ अवसर पर शनिवार को झुमरी तिलैया नगर परिषद और मारवाड़ी युवा मंच, झुमरीतिलैया शाखा द्वारा शहर में विशाल जागरूकता रैली निकाली गई। रैली का उद्देश्य लोगों को पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता के प्रति जागरूक करना रहा। रैली महाराणा प्रताप चौक, मेन रोड होते हुए झंडा चौक पर पहुंची हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर युवा पेड़ लगाओ, जीवन बचाओ, प्लास्टिक हटाओ, पर्यावरण बचाओ, हरियाली बचाओ, धरती बचाओ जैसे नारों के साथ चल रहे थे। नगर अध्यक्ष रमेश हर्षधर ने कहा कि जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण आज वैश्विक चुनौती बन गए हैं। केवल सरकारी प्रयासों से पर्यावरण नहीं बचेगा, इसके लिए हर नागरिक की सहभागिता जरूरी है। मंच के अध्यक्ष मोहित संघई ने कहा कि जागरूकता के साथ-साथ कार्य भी जरूरी है। इसी कड़ी में मंच द्वारा रैली के उपरांत शहर के विभिन्न स्थानों पर पौधरोपण भी किया जाएगा। उपाध्यक्ष प्रतीक संघई ने युवाओं से अपील की कि वे अपने घर और मोहल्ले में स्वच्छता का ध्यान रखें और सिंगल यूज प्लास्टिक का बहिष्कार करें और इसी कड़ी में मंच के सदस्यों के द्वारा प्लास्टिक के जगह कपड़े का थैला देकर जागरुकता अभियान चलाया गया और लोगों को कपड़े का थैला लेकर बाजार सामान खरीदारी करने के लिए प्रेरित किया गया। रैली में कोषाध्यक्ष महावीर खेतान उपाध्यक्ष शिवेश पच्चीसिया युवा सदस्य आकाश जैन, रोहित संघई, विपुल चौधरी अनुराग हिसारिया ,विनीत संघई विकास जैन, विष्णु चौधरी, अर्जुन संघई ,अजय शर्मा और स्थानीय नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। अंत में सभी ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया और सोशल मीडिया के माध्यम से सेल्फी पॉइंट पर फोटो खींच कर जागरूकता फैलाने की बात कही गई।

राख से रौशन होगा भविष्य : पीवीयूएनएल ने महिलाओं के हाथों में सौंपा आत्मनिर्भरता का नया हुनर

रामगढ़ : महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास और स्वरोजगार को नई दिशा देने की पहल के तहत पतरातू विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (पीवीयूएनएल) ने फ्लाई ऐश आधारित सतत सामग्री निर्माण पर 15 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। नेताजी सुभाष हॉल में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन पीवीयूएनएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ए.के. सहगल ने किया। इस अवसर पर अंचल अधिकारी मनोज कुमार चौरसिया भी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण कार्यक्रम में पीवीयूएनएल के आसपास स्थित कोतो, किरिगड़ा, रसदा और बालकुदरा गांवों की 24 महिलाएं भाग ले रही हैं। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को तकनीकी एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें स्वरोजगार के लिए सक्षम बनाना तथा आर्थिक रूप से सशक्त करना है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ए.के. सहगल ने कहा कि फ्लाई ऐश के रचनात्मक और उत्पादक उपयोग से जहां पर्यावरण संरक्षण को मजबूती मिलेगी, वहीं स्थानीय महिलाओं के लिए रोजगार और आय सृजन के नए रास्ते भी खुलेंगे। उन्होंने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण को गंभीरता से ग्रहण कर इसे आत्मनिर्भरता के मजबूत माध्यम में बदलने का आह्वान किया। 6 जून 2026 से प्रारंभ यह प्रशिक्षण कार्यक्रम मेसर्स अश्ट्रैक ईको प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संचालित किया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को फ्लाई ऐश एवं रसायनों के सुरक्षित उपयोग, मिश्रण तकनीक, मोल्डिंग प्रक्रिया, क्योरिंग, फिनिशिंग, गुणवत्ता नियंत्रण तथा विभिन्न उपयोगी उत्पादों के निर्माण संबंधी विस्तृत जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम के समापन पर तैयार उत्पादों की प्रदर्शनी भी आयोजित की जाएगी। यह पहल न केवल महिलाओं के कौशल विकास और स्वरोजगार को बढ़ावा देगी, बल्कि अपशिष्ट पदार्थों के उपयोग से मूल्य सृजन की अवधारणा को भी मजबूत करेगी। पीवीयूएनएल की यह पहल सीएसआर और सामुदायिक विकास कार्यक्रमों को नई ऊर्जा प्रदान करते हुए स्थानीय समुदाय की भागीदारी को और अधिक सशक्त बनाएगी।

ठगों ने बुजुर्ग महिला से उड़ाए दो लाख के गहने, जांच में जुटी पुलिस

पूर्वी सिंहभूम : शहर में पुलिसकर्मी बनकर ठगी करने वाले गिरोह का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। शनिवार को बिष्टुपुर थाना क्षेत्र में ठगों ने एक बुजुर्ग महिला को अपना शिकार बनाते हुए करीब दो लाख रुपये मूल्य के सोने के गहने ठग लिए। पीड़िता की पहचान बिष्टुपुर एम रोड निवासी प्रकाश कौर के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार प्रकाश कौर गुरुद्वारा से पैदल अपने घर लौट रही थीं। इसी दौरान एन रोड के पास दो युवकों ने उन्हें रोका। एक युवक बाइक पर बैठा था, जबकि दूसरा कुछ दूरी पर खड़ा था। बाइक सवार ने महिला से कहा कि सामने खड़ा व्यक्ति उन्हें बुला रहा है। जब वह उसके पास पहुंचीं तो उसने खुद को पुलिसकर्मी बताया और कहा कि बिष्टुपुर क्षेत्र में हत्या की घटना हुई है, इसलिए गहने पहनकर घूमना सुरक्षित नहीं है। ठग की बातों में आकर प्रकाश कौर ने अपनी सोने की चेन, अंगूठी और कंगन उतार दिए। आरोपित ने गहनों को कागज में लपेटकर वापस देने का नाटक किया, लेकिन इसी दौरान असली गहने बदल दिए। घर पहुंचकर जब महिला ने कागज खोला तो उसमें केवल चूड़ी मिली। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी।

एक नजर

चौपारण-चतरा मार्ग पर सूखे पेड़ों से दुर्घटना की आशंका, प्रशासन से कार्रवाई की गुहार

चौपारण : चौपारण-चतरा मुख्य मार्ग पर सड़क किनारे खड़े सूखे एवं जर्जर पेड़ों से संभावित दुर्घटना की आशंका को देखते हुए भाजपा मंडल अध्यक्ष मुकेश सिन्हा ने अंचल अधिकारी (सीओ) चौपारण को आवेदन सौंपकर शीघ्र कार्रवाई की मांग की है। अपने आवेदन में उन्होंने चौपारण चतरा मोड़ से दैहर मोड़ तक सड़क किनारे स्थित कई सूखे पेड़ों को तत्काल हटाने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि ये पेड़ पूरी तरह जर्जर हो चुके हैं और किसी भी समय गिरकर राहगीरों तथा वाहन चालकों के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न कर सकते हैं। मुकेश सिन्हा ने बताया कि स्थानीय ग्रामीणों एवं आम लोगों द्वारा लंबे समय से इन पेड़ों को हटाने की मांग की जा रही है। आवेदन में चतरा रोड स्थित होटल परिजात के समीप, डोमाडाड़ी से लगभग 200 मीटर आगे, बिगहा देवी मंदिर के पास, बिगहा बाजार में स्थित सूखा आम का पेड़, राजागढ़ बजरंग मंदिर के समीप तथा दैहर मोड़ क्षेत्र में खड़े सूखे पेड़ों का विशेष उल्लेख किया गया है। उन्होंने प्रशासन से जनहित एवं सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए जल्द से जल्द इन खतरनाक पेड़ों को हटाने की मांग की है, ताकि किसी संभावित दुर्घटना से बचा जा सके और लोगों की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

उपायुक्त ने किया पंचघाघ और पेरवाघाघ जलप्रपात का निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : जिले में पर्यटन विकास को बढ़ावा देने और पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उपायुक्त मो जावेद हुसैन ने शनिवार को मुरहू प्रखंड स्थित पंचघाघ जलप्रपात एवं तोरपा प्रखंड स्थित पेरवाघाघ जलप्रपात का स्थल निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने दोनों पर्यटन स्थलों पर चल रहे विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को सभी कार्यों को गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने पंचघाघ जलप्रपात में उपलब्ध पर्यटक सुविधाओं, स्वच्छता व्यवस्था और सुरक्षा उपायों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को पर्यटकों की सुविधा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने एवं आवश्यक व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए।

इसके बाद उपायुक्त ने पेरवाघाघ जलप्रपात में निमार्णाधीन विभिन्न परियोजनाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने वेलकम गेट, रेस्टोरेंट, रिसॉर्ट, बम्बू कॉटेज, चिल्ड्रन पार्क, सीढ़ियां, शौचालय, गजीबो, वॉच टावर, स्टाफ क्वार्टर और दुकानों सहित अन्य संरचनाओं का अवलोकन किया। इस अवसर पर उन्होंने कार्यपालक अभियंता (एनआरईपी) को सभी निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने पर्यटकों के लिए बैठने की व्यवस्था, वाहन पार्किंग, शौचालय सहित अन्य आधारभूत सुविधाओं के विकास पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने कहा कि जिले के पर्यटन स्थलों पर आने वाले पर्यटकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जानी चाहिए।

स्वच्छता पर जोर देते हुए उपायुक्त ने पर्यटन स्थलों को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने की अपील की। उन्होंने प्लास्टिक मुक्त वातावरण सुनिश्चित करने एवं प्रभावी कचरा प्रबंधन व्यवस्था विकसित करने के निर्देश भी दिए।

सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए उन्होंने जलप्रपातों में जलस्तर की स्पष्ट मार्किंग, संवेदनशील क्षेत्रों में बैरिकेडिंग और चेतावनी संकेतक लगाने के निर्देश दिए, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जा सके।

निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त प्रवीण कुमार प्रकाश, जिला खेल एवं पर्यटन पदाधिकारी राजेश कुमार, कार्यपालक अभियंता (एनआरईपी), संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

जुगरा माइंस की ब्लास्टिंग से दहल रहा चेपाखुर्द, शिकायतों के बावजूद नहीं हुई कार्रवाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड के चेपाखुर्द गांव में जुगरा माइंस में त्रिवेणी सैनिक एमडीओ द्वारा की जा रही भारी ब्लास्टिंग को लेकर ग्रामीणों में लगातार आक्रोश बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि माइंस क्षेत्र में प्रतिदिन होने वाली हैवी ब्लास्टिंग के कारण पूरे गांव में तेज कंपन महसूस किया जा रहा है। हालात ऐसे हैं कि ब्लास्टिंग के दौरान घरों की दीवारें, दरवाजे और यहां तक कि पलंग तक हिलने लगते हैं। इससे गांव के लोग भय और असुरक्षा के माहौल में जीवन बिताने को मजबूर हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि लगातार हो रही तेज ब्लास्टिंग से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। उनका कहना

है कि यदि भविष्य में किसी प्रकार की जान-माल की क्षति होती है तो इसकी पूरी जिम्मेदारी त्रिवेणी सैनिक कंपनी प्रबंधन की होगी। ग्रामीणों ने माइंस से निकलने वाली धूल और प्रदूषण पर भी गंभीर चिंता जताई है। उनका आरोप है कि खनन कार्य और भारी वाहनों के परिचालन से उड़ने वाली धूल के कारण गांव का वातावरण लगातार दूषित हो रहा है। इसके साथ ही जल स्रोत भी प्रभावित हो रहे हैं। दूषित पानी के सेवन से लोगों के बीमार पड़ने की शिकायतें सामने आ रही हैं। कई ग्रामीण सांस लेने में तकलीफ, खांसी और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि इस समस्या को लेकर कई बार आवाज उठाई गई है और स्थानीय समाचार पत्रों में भी लगातार खबरें प्रकाशित होती रही हैं। इसके बावजूद अब तक न तो कंपनी प्रबंधन की ओर से कोई ठोस पहल की गई है और न ही प्रशासन द्वारा प्रभावी कार्रवाई की गई है। इससे ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। चेपाखुर्द गांव के लोगों ने प्रशासन, खनन विभाग एवं प्रदूषण नियंत्रण विभाग से मामले की तत्काल जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है।

एसपी ने किया थाना का निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : पुलिस अधीक्षक हजारीबाग ने शुक्रवार 06.06.2026 को कटकमसांडी थाना का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना की विधि व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था एवं पंजियों का गहन अवलोकन किया और उपस्थित पुलिस पदाधिकारियों को कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय ज्ञान रंजन, पुलिस निरीक्षक पेलावल अंचल सपन कुमार महथा, थाना प्रभारी पु.अ.नि. अनुपम प्रकाश कुमार सहित कटकमसांडी थाना के अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

एसपी द्वारा दिए गए प्रमुख निदेर्शः पुलिस अधीक्षक ने थाना की विधि व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के बाद सभी पंजियों का अवलोकन किया। उन्होंने लंबित कांड, वारंट एवं कुर्की की समीक्षा कर उनके शीघ्र निष्पादन का निर्देश दिया। साथ ही थाना क्षेत्र में फरार चल रहे सभी अभियुक्तों की अविलंब गिरफ्तारी सुनिश्चित करने को कहा। अवैध मादक पदार्थ से जुड़े लंबित कांडों में शामिल अभियुक्तों की गिरफ्तारी पर विशेष जोर देते हुए एसपी ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को त्वरित कार्रवाई का निर्देश दिया। इसके अलावा नशे के खिलाफ लोगों के बीच व्यापक जागरूकता अभियान चलाने को कहा गया।

एसपी ने क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए आमजन और जनप्रतिनिधियों के साथ बेहतर समन्वय एवं संबंध स्थापित करने का भी निर्देश दिया।

संक्षिप्त खबरें

बोड़ाम ग्राम प्रधान संघ ने स्थाई बैठक स्थल का रखा प्रस्ताव

पटमदा : बोड़ाम प्रखंड कार्यालय में ग्राम प्रधान संघ की एक बैठक बीडीओ किकू महतो के साथ बोड़ाम ग्राम प्रधान संघ अध्यक्ष हिमांशु महतो,सचिव शिव चरण सिंह, केशरी मोहन महतो के नेतृत्व मे विभिन्न बिंदुओं पर बीडीओ के साथ चर्चा की। ग्राम प्रधान संघ ने कहा कि प्रत्येक माह 6 तारीख को होने वाले मासिक बैठक के लिए प्रखंड कार्यालय में स्थाई स्थान बीडीओ सुनिश्चित करे। ताकि सभी ग्राम प्रधान एक साथ बैठक मासिक बैठक कर सके। ग्राम प्रधान संघ ने बताया कि जिला स्तरीय पेशा सम्बंधित टेबल टॉक बैठक का हम सभी स्वागत करते हैं। इस बैठक में सभी ब्लॉक से एक दो करके ग्राम प्रधान बैठक में शामिल हुए थे। वही बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि ग्राम प्रधानों का जिस आधार पर चयन हुआ था।उसी नियमावली के आधार पर ही ये चलता रहेगा। इस नियमावली में किसी भी प्रकार का फेर बदल स्वीकार नहीं किया जाएगा। राज्य में पेशा कानून लागू होने के बाद भी ग्राम प्रधान को नहीं दिया जाता योजना की जानकारी। किसी भी विकास योजना में ग्राम प्रधान को भी सूचित करना अनिवार्य किया जाए। बैठक में बीडीओ ने आश्वासन दिया कि बैठक के एक दिन पहले सूचित करे ताकि बैठक के दिन स्थान का उचित प्रबंध किया जा सके। बैठक में ग्राम प्रधान संघ अध्यक्ष हिमांशु महतो, शिव चरण सिंह,केशरी मोहन महतो, प्रदीप कु सिंहदेव, विवेकानंद महतो,कैलाश सिंह,रघुनाथ सिंह, विनोद हांसदा बुचन सिंह, जगन्नाथ, मोहिता, आरती,शकुंतला,अधरसिंह, मीडिया प्रभारीबिंदु भूषण सिंह सहित सभी ग्राम के ग्राम प्रधान उपस्थित थे।

बेलडीह पंचायत के बंगोई गांव में नालियों की गंदगी से ग्रामीण परेशान

पटमदा: स्वच्छ भारत अभियान को मुंह चिढ़ाता नजर आ रहा हैं। हम बात करते हैं बोड़ाम प्रखंड के बेलडीह पंचायत के बंगोई गांव में बनी सभी नालिया गंदगी से भर गई हैं। जो वर्तमान में बजबजा रही हैं।इस कारण नाली का पानी मुख्य सड़क पर बह रहा हैं। जिससे ग्रामीणों को चलने में काफी समस्या उत्पन्न हो रही है। सड़क में गंदा पानी बहने से जहां गांव की महिलाओं को मंदिर जाने,बच्चों को स्कूल जाने,वाहनों के चलने से सड़क किनारे गंदा पानी का छीटा लगने से काफी दिक्कत होती हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि इस समस्या का समाधान जल्द से जल्द नाली की सफाई और चापाकल के पास सोखता गड्ढा बनवाने की मांग कि है। इस संबंध में पेयजल विभागबके जेई डीके रजक ने बताया कि वर्तमान में जल सहिया के पास किसी प्रकार का फंड नहीं आने से नालियों की सफाई नहीं हो पा रही हैं।वही सोखता गड्ढा भी फंड के अभाव निर्माण नहीं करवाया जा सकता हैं। वही इस मामले में बीडीओ किकू महतो से पूछने पर कहा कि मामले से अवगत होने के बाद पीएचईडी विभाग के जेई को समस्या समाधान का आदेश दिया गया हैं।

पलामू-गढ़वा के मोबाइल टावर वंचित क्षेत्रों में 2027 तक लगेंगे 14 नए टावर : सांसद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : सांसद पलामू विष्णु दयाल राम के प्रयासों से पलामू और गढ़वा के विभिन्न गांव में भारत सरकार के दूरसंचार विभाग (डीओटी) के अंतर्गत डिजिटल भारत निधि (डीबीएन) से बीएसएनएल की ओर से मोबाइल नेटवर्क से वंचित गांवों में 4 जी मोबाइल सेवाओं के विस्तार का कार्य तेजी से किया जा रहा है। इस संबंध में भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) के मुख्य महाप्रबंधक की ओर से जानकारी दी गयी। सांसद ने शनिवार को बताया कि इन परियोजनाओं का उद्देश्य उन गांवों तक आधुनिक दूरसंचार सुविधाएं पहुंचाना है, जहां निजी दूरसंचार कंपनियों के लिए व्यावसायिक कारणों से नेटवर्क विस्तार संभव नहीं हो पाया था। 4 जी मोबाइल नेटवर्क की उपलब्धता से ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, डिजिटल सेवाओं, ई-गवर्नेंस, ऑनलाइन बैंकिंग और रोजगार के

नए अवसरों को बढ़ावा मिलेगा। वर्तमान में 66 मोबाइल टावरों का संचालन शुरू किया जा चुका है, जिनके माध्यम से 106 गांवों को 4 जी मोबाइल नेटवर्क कवरेज उपलब्ध कराया गया है। शेष नेटवर्क से वंचित इलाकों को भी जल्द 4 जी सेवा से जोड़ने के लिए 14 अतिरिक्त मोबाइल टावर स्थापित किए जाने की योजना है। इन टावरों के लिए भूमि आवंटन सहित अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं को पूरा करने के लिए बीएसएनएल और राज्य सरकार के संबंधित विभागों के बीच समन्वय किया जा रहा है। भूमि उपलब्ध होते ही टावर निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा।

रेलवे विकास परियोजनाओं में तेजी लाने के लिए सांसद ने दिया निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : रेलवे विकास परियोजनाओं को गति देने और राज्य सरकार के सहयोग एवं समन्वय से लंबित मामलों के समाधान के उद्देश्य से शनिवार को चक्रधरपुर रेल मंडल के डीआरएम कॉन्फ्रेंस हॉल में एक उच्चस्तरीय समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में सिंहभूम की सांसद जोबा मांझी, चक्रधरपुर मंडल रेल प्रबंधक , पश्चिमी सिंहभूम के उपायुक्त मनीष कुमार, चक्रधरपुर रेल मंडल के वरिष्ठ अधिकारी, राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के पदाधिकारी और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक में सिंहभूम संसदीय क्षेत्र के विभिन्न रेलवे लेवल क्रॉसिंगों पर प्रस्तावित, स्वीकृत और निमार्णाधीन रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) परियोजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। विशेष रूप से

मनोहरपुर रेलवे यार्ड, सिंहपोखरिया-झिंकपानी खंड, झिंकपानी-तलाबुरू खंड, तलाबुरू-केंदपोसी खंड सहित अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर बनने वाले आरओबी परियोजनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। समीक्षा के दौरान भूमि अधिग्रहण, वन स्वीकृतियां, विभिन्न उपयोगिता सेवाओं के स्थानांतरण, पहुंच मार्गों के निर्माण और अन्य प्रशासनिक बाधाओं की वर्तमान स्थिति पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में राष्ट्रीय राजमार्गों और अन्य प्रमुख सड़कों पर स्थित रेलवे फाटकों से संबंधित मुद्दों पर भी चर्चा हुई। रेलवे ओवरब्रिज और अंडरब्रिज निर्माण, सड़क संपर्क व्यवस्था में सुधार, यातायात बाधाओं को दूर करने तथा रेलवे क्रॉसिंगों पर सुरक्षा बढ़ाने के उपायों पर विस्तार से विचार किया गया। सांसद जोबा माझी ने बैठक के दौरान स्थानीय निवासियों, जनप्रतिनिधियों, व्यापारियों, विद्यार्थियों, किसानों और दैनिक यात्रियों की ओर से उठाई जा रही समस्याओं को प्रमुखता से रखा। उन्होंने कहा कि आरओबी परियोजनाओं में हो रही देरी से लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

मनरेगा कर्मचारी संघ बोड़ाम ने बीडीओ को सौंपा ज्ञापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : बोड़ाम प्रखंड मनरेगा कर्मचारी संघ ने शनिवार को बीडीओ किकू महतो को एक ज्ञापन सौंपकर आंदोलन में सहानुभूतिपूर्वक समर्थन करने की अपील की हैं। ज्ञात हो कि मनरेगा कर्मियों को 6 जून को विभागीय आदेश के आलोक में योगदान देने का आदेश दिया गया था।लेकिन

मनरेगा कर्मचारी संघ झारखंड प्रदेश के आदेश पर सभी कर्मियों ने योगदान ना देते हुए बीडीओ को आंदोलन में सहानुभूतिपूर्वक समर्थन करने की मांग की है। इस दौरान बीडीओ को ज्ञापन सौंपने वालो में बोड़ाम रोजगार सेवक में सहदेव बेहरा, सहदेव महतो, मनोज मिश्रा, बाक सिंह माहली, अनिरुद्ध नायक, संजीत महतो, विजय कुमार दास, सुधीर हांसदा, गणेश सिंह, राखाल गोराई आदि उपस्थित थे।

झारखण्ड सरकार

कार्यालय, राज्य-कर संयुक्त आयुक्त, गुमला अंचल, गुमला

प्रेस विज्ञप्ति

वाणिज्य-कर विभाग के गुमला अंचल, गुमला के क्षेत्राधिकार के करदाताओं को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि झारखण्ड माल एवं सेवा कर अधिनियम-2017 तथा झारखण्ड पेशाकर अधिनियम-2011 के अंतर्गत निबंधन हेतु, निबंधन कैम्प का आयोजन निम्नवत् किया जाता है :-

क्र.सं.	कैम्प आयोजन स्थल	तिथि एवं समय
1.	होटल सिद्धि विनायक, चेम्बर कार्यालय, बस स्टैण्ड, गुमला।	दिनांक - 08.06.2026 पूर्वाहन्-11:30 बजे से अपराह्न 3:30 बजे तक

सभी अहर्त्ताधारी करदाताओं से अनुरोध है कि निम्नलिखित दस्तावेजों के साथ निबंधन हेतु आयोजन कैम्प में भाग लें, ताकि अधिकाधिक निबंधन आवेदनों का त्वरित निश्पादन किया जा सकें :-

आव यक दस्तावेज :-

1. PAN Card
2. Aadhar Card
3. Email Id
4. Mobile No
5. Address Proof (Lease Agreement/Rent Agreement/Consent Letter/Electricity Bill etc.)
6. Photograph (Proprietor, Partners/Directors/Karta in case HUF)
7. Bank A/C Details

ह०/-

राज्य-कर संयुक्त आयुक्त,
गुमला अंचल, गुमला।

PR.NO.381735 Commercial Taxes(26-27):D

Deputy Commissioner-cum-District Magistrate, Ramgarh

(District Planning Section.)

1st Floor, Block "B", Collectorate Ramgarh, Chatarmandu, Ramgarh- 825101, Jharkhand

REQUEST FOR PROPOSAL

RFP/DPO/RMG/LIB/2026-27/002

Renovation,Furnishing and Infrastructural Development of District Library, Ramgarh onTurnkey Basis

Name of RFP	Request for Proposal for Renovation, Furnishing and Infrastructural Development of District Library, Ramgarh. Terms and condition and other related information can be seen on the office information board or Website www.ramgarh.nic.in.
RFP Reference No.	RFP/DPO/RMG/LIB/2026-27/002
Issuing Authority	District Planning Officer, Ramgarh, Jharkhand
Tender/Document Fee	Rs.5,000/-(Demand Draft in favour of District Planning Officer, Ramgarh)
Bid Validity Period	90 days from date of submission
Pre-Bid Meeting	Date: 09/06/2026 Time:12:00 PM Venue: DPO Office, Ramgarh
Last Date & Time for Receipt	Date:15/06/2026 Time :05:00PM
Date & Time of Technical Bid Opening	Date:16/06/2026 Time:11:00AM
Submission Address	District Planning Office,"B"Block,1st Floor,Collectorate Ramgarh, Chhattarmandu, Ramgarh — 825101
Email	dporamgarh@gmail.com
Contact Person	Santosh Kumar Bhagat, District Planning Officer, Ramgarh

DISCLAIMER:The District Planning Office, Ramgarh shall not be liable for any omission,mistake,or error in respect of this RFP. The Office reserves the right to amend any provision before the date of bid submission. Prospective bidders shall not claim any right against the authorities on account of such changes.

ह0/-

PR 381724 District(26-27)D

जिला योजना पदाधिकारी, रामगढ़।

बोकारो जिला दुकानदार संघ की नई कमेटी गठित, लालबाबू सिंह बने अध्यक्ष

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : जिला दुकानदार संघ की आमसभा की बैठक शनिवार को बोकारो स्टील सिटी स्थित 4 /जी मोड़ के पास आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संघ के पूर्व उपाध्यक्ष लालबाबू सिंह उर्फ लालू सिंह कुशवाहा ने की। बैठक में संघ के कार्यकारिणी सदस्यों एवं दुकानदार प्रतिनिधियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि वर्ष 2015 के बाद संघ का चुनाव नहीं होने के कारण संगठन की गतिविधियां प्रभावित हो रही थीं। इसे ध्यान में रखते हुए पुरानी कमेटी को भंग कर नई कार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया पूरी की गई। आमसभा में

विभिन्न पदों के लिए नामांकन प्राप्त होने के बाद सदस्यों की सहमति से नई कमेटी का चयन किया गया। नई कमेटी में लालबाबू सिंह उर्फ लालू सिंह कुशवाहा को अध्यक्ष, नागेंद्र गुप्ता को उपाध्यक्ष, किशोर कुमार उर्फ निक्कू सिंह को महासचिव, एप्रूल हक को कोषाध्यक्ष, स्वामी नाथ वर्मा को उप कोषाध्यक्ष तथा नौशाद आलम को सचिव चुना गया। इसके अलावा निजाम अंसारी को पूर्व जिलाध्यक्ष सह सदस्य, अमित पाठक को पूर्व कोषाध्यक्ष सह सदस्य तथा मधेश्वर यादव और जनार्दन सिंह को सदस्य बनाया गया है। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि नवगठित कमेटी की सूची एवं आवश्यक दस्तावेज तैयार कर निबंधन विभाग, झारखंड सरकार को भेजे जाएंगे, ताकि संगठन का अद्यतन विवरण सरकारी अभिलेखों में दर्ज हो सके। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने दुकानदारों के हितों की रक्षा, व्यापारिक समस्याओं के समाधान तथा संगठन को मजबूत बनाने के लिए सामूहिक रूप से कार्य करने का संकल्प लिया। बैठक के अंत में उपस्थित सदस्यों ने नई कमेटी को शुभकामनाएं देते हुए संगठन को और अधिक सशक्त बनाने की उम्मीद जताई।

ग्रेट निकोबार पर राजनीति बनाम राष्ट्रनीति

भारत आज ऐसे दौर से गुजर रहा है, जहां आर्थिक शक्ति, समुद्री सुरक्षा और ऊर्जा आत्मनिर्भरता भविष्य की वैश्विक प्रतिस्पर्धा के प्रमुख आधार बन चुके हैं। ऐसे समय में ग्रेट निकोबार परियोजना भारत के हित में महत्वपूर्ण हिस्सा बनकर उभरी है। बावजूद इसके, कांग्रेस नेतृत्व इस परियोजना का लगातार विरोध कर रहा है, जिससे विकास और राजनीति के बीच एक नई बहस खड़ी हो गई है। करीब 90 हजार करोड़ रुपये की लागत वाली ग्रेट निकोबार परियोजना में अंतरराष्ट्रीय कंटेनर ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल, ग्रीनफील्ड अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, आधुनिक टाउनशिप और ऊर्जा अवसंरचना का निर्माण प्रस्तावित है, जिसमें कि इसकी सबसे बड़ी विशेषता इसका भू-राजनीतिक महत्व है। इस योजना की आलोचना करनेवालों को यह भी ध्यान रखना चाहए कि ग्रेट निकोबार द्वीप मलक्का जलडमरूमध्य के बेहद निकट स्थित है, जहां से विश्व व्यापार का बड़ा हिस्सा गुजरता है। वर्तमान में भारत को अपने अधिकांश कंटेनर ट्रांसशिपमेंट के लिए सिंगापुर, कोलंबो और अन्य विदेशी बंदरगाहों पर निर्भर रहना पड़ता है। यह परियोजना भारत को इस निर्भरता से बाहर निकालने और हिंद महासागर क्षेत्र में अपनी रणनीतिक स्थिति मजबूत करने का अवसर प्रदान कर सकती है। राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे और जयराम रमेश लगातार यह आरोप लगा रहे हैं कि परियोजना पर्यावरण को नुकसान पहुंचाएगी और कुछ बड़े कारोबारी हितों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से बनाई गई है। राहुल गांधी ने इसे ₹ग्रीन बनाम ग्रीडर₹ की लड़ाई के रूप में प्रस्तुत करने की कोशिश की है, किंतु इन आरोपों के बीच यह प्रश्न भी उठता है कि यदि परियोजना का उद्देश्य सिर्फ निजी लाभ होता, तो इसमें राष्ट्रीय सुरक्षा, समुद्री व्यापार, बंदरगाह विकास, हवाई संपर्क और ऊर्जा अवसंरचना जैसे व्यापक आयाम क्यों शामिल किए जाते? यह सच है कि आलोचना लोकतंत्र का हिस्सा है, पर क्या इस का अर्थ यह माना जाए कि आलोचना तथ्यों के आधार पर न होकर सिर्फ कल्पना या जो मन में आ गया अथवा सत्ता पक्ष पर आरोप ही लगाना है, इसलिए कुछ भी बोल दिया जाएगा? आरोप लगा दो, बाद में सामने वाला अपनी सफाई देता रहे! वह भी आरोप सिर्फ राजनीतिक धारणा पर केंद्रित होकर लगा दिए जाएं, यह कहां तक सही है? कांग्रेस का कहना है कि परियोजना से बड़े पैमाने पर वन क्षेत्र प्रभावित होगा और जैव विविधता को नुकसान पहुंचेगा। यह चिंता निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है। किसी भी विकास परियोजना में पर्यावरणीय प्रभावों का गंभीर मूल्यांकन आवश्यक होता है। यहां कांग्रेस स्वयं यह भूल रही है या देखना ही नहीं चाहती कि इस परियोजना से जुड़ा तथ्य यह है कि इसे भी विस्तृत पर्यावरण प्रभाव आकलन प्रक्रिया से गुजरना पड़ा है। विभिन्न विशेषज्ञ संस्थानों द्वारा अध्ययन किए गए हैं और अनेक पर्यावरणीय शर्तों के साथ मंजूरी दी गई है। सरकार का दावा है कि सीमित क्षेत्र का उपयोग होगा, क्षतिपूरक वनीकरण किया जाएगा और संवेदनशील क्षेत्रों को संरक्षित रखा जाएगा। सरकार तो केंद्र में पहले कांग्रेस की भी रही है, उसने भी कई परियोजनाओं पर काम किया, आज के तर्कों के आधार पर तो कांग्रेस के लिए फिर यही कहा जाएगा कि उसे भी वह सब कुछ नहीं करना चाहिए था, जिसे वह कभी भारत के विकास के लिए आवश्यक मानती रही है, इसलिए वास्तविक बहस का विषय यह होना चाहिए कि इन शर्तों का कठोरता से पालन कैसे सुनिश्चित किया जाए, न कि परियोजना को रोक दिया जाए। कांग्रेस का एक प्रमुख तर्क शोंपेन और निकोबारी जनजातियों के अधिकारों को लेकर है। निश्चित रूप से आदिवासी समुदायों की संस्कृति, परंपरा और जीवनशैली की रक्षा राष्ट्रीय दायित्व है, किंतु आधिकारिक दस्तावेजों के अनुसार किसी भी जनजातीय समुदाय के व्यापक विस्थापन का प्रस्ताव नहीं है। निगरानी तंत्र, जनजातीय कल्याण उपाय और संरक्षित क्षेत्रों की व्यवस्था भी की गई है। यदि कहीं कमियां हैं, तो उन्हें दूर करने की आवश्यकता है। लेकिन पूरी परियोजना को जनजातीय हितों के खिलाफ बताना वास्तविक मुद्दों की गंभीरता को कमजोर कर सकता है।

मिलावट-मुक्त भारत से ही विकसित भारत संभव

ललित गर्ग

हर वर्ष 7 जून को मनाया जाने वाला विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस केवल सुरक्षित भोजन की आवश्यकता का स्मरण कराने वाला दिवस नहीं है, बल्कि यह मानव स्वास्थ्य, सामाजिक कल्याण, आर्थिक समृद्धि और सतत विकास के लिए एक वैश्विक संकल्प का अवसर भी है। वर्ष 2026 की थीम "खाद्य सुरक्षाः विज्ञान की सक्रिय भूमिका" इस बात पर बल देती है कि विज्ञान, अनुसंधान, तकनीक और प्रभावी निगरानी प्रणालियों के माध्यम से ही सुरक्षित खाद्य व्यवस्था सुनिश्चित की जा सकती है। लेकिन विडम्बना यह है कि भारत जैसे विशाल कृषि प्रधान देश में खाद्य पदार्थों, दवाइयों और दैनिक उपभोग की वस्तुओं में बढ़ती मिलावट इस लक्ष्य को गंभीर चुनौती दे रही है। मिलावट केवल खाद्य सुरक्षा का प्रश्न नहीं है, यह राष्ट्र के स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था, नैतिकता और वैश्विक प्रतिष्ठा से जुड़ा हुआ विषय है। जिस देश को विश्वगुरु और विकसित भारत बनने का सपना है, वहां यदि दूध, घी, मावा, मसाले, अनाज, मिठाइयां, फल-सब्जियां और यहां तक कि जीवनरक्षक दवाइयां भी मिलावट की शिकार हों, तो यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। यह केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि मानवता के विरुद्ध अपराध है। भारत में मिलावट का कारोबार आज एक संगठित आर्थिक अपराध का रूप ले चुका है। दूध में डिटर्जेंट, यूरिया और सिंथेटिक रसायनों का प्रयोग, मावे में स्टार्च और रासायनिक पदार्थों की मिलावट, मसालों में रंग और धूल, शहद में चीनी सिरप, खाद्य तेलों में सस्ते तेलों का मिश्रण तथा फलों और सब्जियों को कृत्रिम रसायनों से पकाना आम बात हो गई है। बाजार में बिकने वाले अनेक उत्पाद देखने में आकर्षक होते हैं, लेकिन भीतर से विषैले सिद्ध होते हैं। स्थिति तब और भयावह हो जाती है जब दवाइयों में मिलावट या नकली दवाओं का मामला सामने आता है। पिछले वर्षों में विभिन्न राज्यों में नकली अथवा घटिया दवाओं के सेवन से अनेक लोगों की मृत्यु और गंभीर स्वास्थ्य संकट की घटनाएं सामने आईं। राजस्थान के कोटा सहित कई स्थानों पर ऐसी खबरों ने पूरे देश को झकझोर दिया। जब जीवन बचाने वाली दवा ही मौत का कारण बनने लगे, तब यह केवल स्वास्थ्य व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है।

मिलावट का सबसे बड़ा दुष्प्रभाव मानव स्वास्थ्य पर पड़ता है। कैंसर, किडनी रोग, हृदय रोग, यकृत संबंधी विकार, हार्मोन असंतुलन, बच्चों में कुपोषण, महिलाओं में स्वास्थ्य समस्याएं तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी जैसी अनेक गंभीर समस्याओं का संबंध दूषित एवं मिलावटी खाद्य पदार्थों से जुड़ता जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार असुरक्षित भोजन के कारण हर वर्ष करोड़ों लोग बीमार पड़ते हैं। भारत में भी स्वास्थ्य पर पड़ने वाला यह बोझ लगातार बढ़ रहा है। किन्तु मिलावट का संकट केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह देश की अर्थव्यवस्था पर भी गहरा प्रहार करता है। जब किसी देश के खाद्य उत्पादों की गुणवत्ता संदिग्ध हो जाती है, तब अंतरराष्ट्रीय बाजार में उसकी विश्वसनीयता प्रभावित होती है। निर्यात घटता है, विदेशी निवेश प्रभावित होता है और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में देश पिछड़ जाता है। भारत कृषि उत्पादों और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग का एक बड़ा केंद्र बन सकता है, लेकिन मिलावट की समस्या उसकी संभावनाओं पर ग्रहण लगा रही है। इससे भी अधिक चिंता का विषय यह है कि मिलावट सामाजिक मूल्यों के क्षरण का प्रतीक बनती जा रही है। कुछ लोग त्वरित लाभ और अधिक मुनाफे की लालसा में दूसरों के जीवन से खिलवाड़ कर रहे हैं। यह केवल आर्थिक भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि नैतिक पतन का भी संकेत है। जब समाज में ईमानदारी और उत्तरदायित्व की भावना कमजोर पड़ती है, तब ऐसे अपराध फलने-फूलने लगते हैं। सरकारों ने समय-समय पर खाद्य सुरक्षा और मानक कानून बनाए हैं। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) सहित अनेक संस्थाएं निगरानी और परीक्षण का कार्य करती हैं। फिर भी जमीनी स्तर पर भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, निरीक्षण तंत्र की कमजोरी और कानूनी प्रक्रियाओं की धीमी गति मिलावट के विरुद्ध अभियान को प्रभावी नहीं बनने देती। अनेक मामलों में दोषियों को दंड मिलने में वर्षों लग जाते हैं, जिससे अपराधियों के हौसले बढ़ते हैं।

आज आवश्यकता केवल कानून बनाने की नहीं, बल्कि उन्हें कठोरता और पारदर्शिता के साथ लागू करने की है। खाद्य पदार्थों की नियमित जांच, आधुनिक प्रयोगशालाओं का विस्तार, डिजिटल ट्रैकिंग प्रणाली, त्वरित न्याय व्यवस्था और दोषियों के लिए कठोर दंड आवश्यक हैं। मिलावट को सामान्य आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य के विरुद्ध गंभीर अपराध माना जाना चाहिए। विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस 2026 की थीम विज्ञान की भूमिका पर जोर देती है। विज्ञान और तकनीक मिलावट के विरुद्ध सबसे प्रभावी हथियार बन सकते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), ब्लॉकचेन आधारित आपूर्ति श्रृंखला, आधुनिक परीक्षण तकनीक, मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब तथा उपभोक्ता जागरूकता एप्लिकेशन खाद्य सुरक्षा को नई दिशा दे सकते हैं। वैज्ञानिक निगरानी से उत्पादन से लेकर उपभोग तक हर चरण में गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सकती है। लेकिन केवल सरकार या विज्ञान ही इस समस्या का समाधान नहीं कर सकते। समाज और उपभोक्ताओं की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। जागरूक नागरिकों को संदिग्ध उत्पादों की शिकायत करनी चाहिए, प्रमाणित उत्पादों का उपयोग करना चाहिए तथा स्थानीय स्तर पर खाद्य सुरक्षा के प्रति जनजागरण अभियान चलाने चाहिए। विद्यालयों, महाविद्यालयों, सामाजिक संस्थाओं और धार्मिक संगठनों को भी इस विषय को सामाजिक आंदोलन का रूप देना होगा।

भारत आज विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। वर्ष 2047 में स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने पर यदि हम वास्तव में एक विकसित, स्वस्थ और सम्मानित भारत का निर्माण करना चाहते हैं, तो "मिलावट-मुक्त भारत" को राष्ट्रीय अभियान बनाना होगा। जिस प्रकार स्वच्छ भारत अभियान ने जनभागीदारी से व्यापक परिवर्तन लाया, उसी प्रकार मिलावट के विरुद्ध भी राष्ट्रीय चेतना का निर्माण आवश्यक है। भारत की पहचान योग, आयुर्वेद, शुद्ध आहार, नैतिक जीवन-मूल्यों और "सर्वे भवन्तु सुखिनः" की संस्कृति से रही है। यह पहचान तभी सार्थक होगी जब हमारे भोजन, दवाइयों और उपभोग की वस्तुओं में शुद्धता और विश्वसनीयता सुनिश्चित हो। एक ऐसा भारत, जहां भोजन विश्वास का प्रतीक हो, जहां दवा जीवन का संरक्षण करे, जहां व्यापार नैतिकता पर आधारित हो और जहां उपभोक्ता निश्चिंत होकर बाजार से वस्तुएं खरीद सके-वही विकसित भारत का वास्तविक स्वरूप होगा। विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस हमें यह संदेश देता है कि सुरक्षित भोजन केवल स्वास्थ्य का अधिकार नहीं, बल्कि मानव गरिमा और राष्ट्रीय विकास की आधारशिला है। यदि हम आज मिलावट के विरुद्ध निर्णायक संघर्ष का संकल्प लें, तो आने वाली पीढ़ियों को एक स्वस्थ, सुरक्षित और समृद्ध भारत दे सकते हैं। "शुद्ध आहार, स्वस्थ परिवार, मिलावट-मुक्त भारत, विकसित भारत का आधार", यही 2047 के विकसित भारत की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण कदम होगा और यही विश्व समुदाय के समक्ष भारत को एक आदर्श राष्ट्र के रूप में स्थापित करेगा।

परिवर्तन के 12 वर्ष : संकल्प, सेवा और सिद्धि

डॉ. शिवानी कटारा

पिछले 12 वर्षों में भारत ने राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और प्रशासनिक परिवर्तनों का एक नया युग देखा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकास ने केवल गति ही नहीं, बल्कि नई दिशा और नई चेतना भी प्राप्त की। आर्थिक सुधारों से लेकर डिजिटल क्रांति, राष्ट्रीय सुरक्षा से सामाजिक समावेशन और सांस्कृतिक पुनर्जागरण तक भारत ने आत्मनिर्भरता, सुशासन और वैश्विक प्रतिष्ठा की ओर उल्लेखनीय यात्रा तय की है। "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास" के मंत्र के साथ प्रारंभ हुई यह यात्रा आज "विकसित भारत 2047" के व्यापक राष्ट्रीय संकल्प में रूपांतरित होती दिखाई देती है।

आर्थिक सुधार और वित्तीय समावेशन

मोदी सरकार की शुरूआती और सबसे महत्वाकांक्षी पहलों में वर्ष 2014 का "मेक इन इंडिया" अभियान प्रमुख रहा, जिसने भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने की दिशा प्रदान की। घरेलू उत्पादन, विदेशी निवेश और सरल नियमों के कारण इलेक्ट्रॉनिक्स, रक्षा निर्माण और मोबाइल उत्पादन जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। इससे रोजगार और औद्योगिक विकास को नई गति मिली।

इसी दौरान "अंत्योदय" के संकल्प के तहत आर्थिक समावेशन पर विशेष ध्यान दिया गया। वर्ष 2015 में शुरू हुई प्रधानमंत्री मुद्रा योजना ने छोटे उद्यमियों, महिलाओं और युवाओं को बिना गारंटी ऋण उपलब्ध कराकर स्वरोजगार और ग्रामीण उद्यमिता को नई पहचान दी। 6.3 करोड़ से अधिक टरटए उद्यमों को सहायता मिली। वहीं, जन धन योजना के तहत 55 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले गए, जिनमें 30.80 करोड़ खाते महिलाओं के नाम हैं। 36.73 करोड़ ग्रामीण खातों के साथ यह दुनिया का सबसे बड़ा वित्तीय समावेशन अभियान बना।

वर्ष 2017 में लागू GST को स्वतंत्र भारत के सबसे बड़े कर सुधारों में माना जाता है। अनेक अप्रत्यक्ष करों को हटाकर "एक राष्ट्र, एक कर" की अवधारणा को मजबूत किया गया, जिससे पारदर्शिता बढ़ी, कर आधार विस्तृत हुआ और राजस्व संग्रह अधिक व्यवस्थित बना। IMF के अनुसार भारत का GDP वर्ष 2014 के लगभग 2 ट्रिलियन डॉलर से बढ़कर 2025 में 4.18 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो गया है। भारत जापान को पीछे छोड़ विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है, जबकि Economic Survey 2025-26 ने FY26 में 7.4 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान जताया है।

कोविड के बाद "आत्मनिर्भर भारत" अभियान आर्थिक रणनीति का केंद्र बना। Production Linked Incentive (PLI) योजना के तहत इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा, टेलीकॉम और ऑटोमोबाइल सहित 14 रणनीतिक क्षेत्रों को बढ़ावा मिला, जिससे 5.31 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निर्यात हुआ। Ease of Doing Business, GST सुधार और डिजिटल पारदर्शिता के कारण 2025-26 में रिकॉर्ड 94.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्राप्त हुआ। वहीं, नोटबंदी ने अल्पकालिक चुनौतियों के बावजूद डिजिटल भुगतान, औपचारिक अर्थव्यवस्था तथा काले धन, नकली मुद्रा और आतंक वित्तपोषण पर रोक लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रभाव डाला।

वहीं, योजना आयोग के स्थान पर नीति आयोग की स्थापना ने सहकारी संघवाद, तकनीक-आधारित शासन और प्रशासनिक दक्षता को नई मजबूती प्रदान की।

डिजिटल इंडिया, सामाजिक सशक्तिकरण और आधारभूत विकास

डिजिटल इंडिया अभियान ने पिछले दशक में भारत की आर्थिक और तकनीकी तस्वीर को व्यापक रूप से बदल दिया। भीम ऐप, आधार और वढकजैसी पहलों ने भारत को डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व दिलाया, जहाँ आज विश्व के लगभग 49 प्रतिशत रियल-टाइम डिजिटल ट्रांजैक्शन भारत में होते हैं। वढककई देशों में सक्रिय है, जबकि IMPS और FASTag ने डिजिटल अर्थव्यवस्था को और गति दी। DBT, ऑनलाइन सेवाओं और डिजिटल पारदर्शिता ने सरकारी योजनाओं में लीकेज कम किए तथा लाभार्थियों तक सहायता सीधे पहुँचाने का मार्ग प्रशस्त किया।

स्टार्टअप इंडिया और स्टैंड-अप इंडिया जैसी पहलों ने उद्यमिता को नई ऊर्जा प्रदान की। इन योजनाओं ने युवाओं, महिलाओं और वंचित वर्गों को रोजगार खोजने वालों से रोजगार सृजित करने वालों में बदलने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना ने पारंपरिक कारीगरों को प्रशिक्षण, आधुनिक उपकरण और डिजिटल बाजार से जोड़कर नई पहचान प्रदान की।

सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में "स्वच्छ भारत अभियान" के तहत 11 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण हुआ, जबकि आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से 50 करोड़ से अधिक लोगों को स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध हुई। "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" अभियान ने बालिका शिक्षा, सुरक्षा और जागरूकता को राष्ट्रीय आंदोलन का स्वरूप दिया। वहीं, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना ने करोड़ों गरीब महिलाओं को धुएँ से मुक्ति दिलाकर स्वच्छ ईंधन, बेहतर स्वास्थ्य और सम्मानजनक जीवन की नई दिशा दी। "तीन तलाक" प्रथा पर रोक लगाकर मुस्लिम महिलाओं को समानता, सम्मान और संवैधानिक अधिकारों की नई सुरक्षा प्रदान की गई।

कृषि क्षेत्र में PM-KISAN योजना के माध्यम से 11 करोड़ किसानों को प्रतिवर्ष 6,000 रुपये की प्रत्यक्ष सहायता दी गई। आधारभूत संरचना के क्षेत्र में पीएम गति शक्ति योजना के तहत 100 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश का लक्ष्य निर्धारित किया गया। 3.5 लाख किलोमीटर से अधिक ग्रामीण सड़कें तथा तीव्र गति से विस्तारित राष्ट्रीय राजमार्गों ने देश की कनेक्टिविटी को नई ऊँचाइयाँ प्रदान कीं। नए हवाई अड्डों के निर्माण और "उड़ान" योजना ने देश की हवाई कनेक्टिविटी का अभूतपूर्व विस्तार किया, जबकि वंदे भारत और तेजस जैसी आधुनिक ट्रेनों ने भारतीय रेल के आधुनिकीकरण को नई गति दी।

शिक्षा क्षेत्र में 2014 के बाद 1,200 से अधिक नए विश्वविद्यालय, 10 नए क्क्ळ तथा 7 नए IIM स्थापित किए गए। वहीं, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को 10 प्रतिशत आरक्षण प्रदान कर सामाजिक न्याय के दायरे का विस्तार किया गया, जिससे आर्थिक रूप से वंचित वर्गों को शिक्षा और रोजगार में नए अवसर प्राप्त हुए।

नई शिक्षा नीति 2020 ने शिक्षा को अधिक व्यावहारिक, कौशल-आधारित और आधुनिक स्वरूप प्रदान किया। "स्किल इंडिया मिशन" और "प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना" के माध्यम से युवाओं को उद्योग आधारित प्रशिक्षण उपलब्ध कराया गया। वर्ष 2025 तक 2.27 करोड़ से अधिक युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया जा चुका है। एआई, 5जी, ड्रोन, साइबर सुरक्षा और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे क्षेत्रों में 400 से अधिक आधुनिक पाठ्यक्रम प्रारंभ किए गए। इंडिया अक मिशन और सेमीकंडक्टर मिशन ने भारत को भविष्य की प्रौद्योगिकियों का वैश्विक केंद्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण आधार तैयार किया। नई दिल्ली में आयोजित AI Impact Summit ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में भारत की वैश्विक नेतृत्वकारी भूमिका को और सुदृढ़ किया।

वहीं, "खेलो इंडिया" अभियान ने युवाओं में खेल संस्कृति को नई ऊर्जा दी। 2025 के खेलो इंडिया यूथ गेम्स में 10,000 से अधिक खिलाड़ियों की भागीदारी ने भारत की उभरती खेल प्रतिभा और "फिट इंडिया" विजन को और मजबूत किया।

सुरक्षा, सांस्कृतिक और वैश्विक नेतृत्व

राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में मोदी सरकार ने अधिक स्पष्ट, आक्रामक और निर्णायक नीति अपनाई। उरी और पुलवामा आतंकी हमलों के बाद सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट एयर स्ट्राइक ने आतंकवाद के प्रति भारत की कठोर रणनीति को विश्व के सामने स्थापित किया। "ऑपरेशन सिंदूर" में भारतीय वायुसेना द्वारा आतंकी ठिकानों पर की गई सटीक कार्रवाई ने भारत की सामरिक क्षमता का परिचय दिया। "अग्निपथ योजना" ने युवाओं को सेना से जोड़ते हुए सशस्त्र बलों को अधिक युवा और तकनीक-सक्षम बनाने की दिशा में पहल की। वहीं, वर्ष 2019 में अनुच्छेद 370 हटाकर जम्मू-कश्मीर के पूर्ण राष्ट्रीय एकीकरण और विकास की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया गया।

नक्सली हिंसा का खात्मा और "रेड कॉरिडोर" के सिमटने से नक्सल-मुक्त भारत के लक्ष्य की प्राप्ति हुई। सुरक्षा और विकास की समन्वित रणनीति ने प्रभावित क्षेत्रों में प्रशासनिक पहुँच, आधारभूत सुविधाओं और जनविश्वास को मजबूत किया। इसी अवधि में भारत की सांस्कृतिक और सभ्यतागत विरासत के पुनर्जागरण को नई ऊर्जा मिली। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, महाकाल लोक, गौतम बुद्ध सर्किट, केदारनाथ पुनर्विकास और सोमनाथ मंदिर परिसर के आधुनिकीकरण ने आध्यात्मिक पर्यटन और सांस्कृतिक चेतना को सशक्त बनाया।

सूडोकु नवताल- 7818

★☆☆☆☆ सरल

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7817 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

ग्रेट निकोबार: भारत की समुद्री शक्ति का नया केंद्र

वरुण कुमार

भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक प्रगति और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ते प्रभाव के संदर्भ में ग्रेट निकोबार द्वीप का विकास अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यह परियोजना केवल एक अवसंरचना विकास योजना नहीं है, बल्कि भारत की समुद्री रणनीति को नई दिशा देने वाला एक ऐतिहासिक कदम है।स्वतंत्रता के बाद लंबे समय तक भारत की सुरक्षा और रणनीतिक सोच मुख्यतः स्थल-आधारित रही। किंतु 21वीं सदी में वैश्विक व्यापार, ऊर्जा आपूर्ति और सामरिक प्रतिस्पर्धा का केंद्र महासागर बन चुके हैं। ऐसे समय में ग्रेट निकोबार भारत के लिए एक ऐसी भौगोलिक संपत्ति है, जिसे सामरिक शक्ति में बदलने की आवश्यकता है।

ग्रेट निकोबार अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह का सबसे बड़ा द्वीप है, जिसका क्षेत्रफल लगभग 910 वर्ग किलोमीटर है। प्रस्तावित विकास परियोजना का क्षेत्रफल लगभग 166 वर्ग किलोमीटर है, जो पूरे द्वीप समूह के कुल क्षेत्रफल का मात्र दो प्रतिशत है। इसके बावजूद इसका महत्व अत्यंत व्यापक है। यह द्वीप विश्व के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों के निकट स्थित है। विशेष रूप से यह मलक्का जलडमरूमध्य के बेहद करीब है, जो हिंद महासागर और प्रशांत महासागर को जोड़ने वाला प्रमुख समुद्री मार्ग है। विश्व व्यापार का एक बड़ा हिस्सा तथा ऊर्जा संसाधनों का विशाल प्रवाह इसी मार्ग से होकर गुजरता है। ग्रेट निकोबार की गलाथिया खाड़ी मलक्का चैनल से लगभग 45 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, जिससे इसकी सामरिक उपयोगिता और बढ़ जाती है। विशेषज्ञों के अनुसार ग्रेट निकोबार को मलक्का, सुंडा और लोम्बोक जैसे महत्वपूर्ण समुद्री चोक पॉइंट्स की निगरानी करने वाली अग्रिम चौकी के रूप में विकसित किया जा सकता है। इससे भारत को हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपनी उपस्थिति और प्रभाव बढ़ाने में सहायता मिलेगी।

परियोजना के अंतर्गत एक अंतरराष्ट्रीय ट्रांसशिपमेंट पोर्ट, आधुनिक हवाई अड्डा, ऊर्जा अवसंरचना, टाउनशिप और अन्य सुविधाओं का निर्माण प्रस्तावित है। इन सुविधाओं से न केवल द्वीप समूह का आर्थिक विकास होगा बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा को भी मजबूती मिलेगी। हाल के वर्षों में हिंद-प्रशांत क्षेत्र वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था का प्रमुख केंद्र बनकर उभरा है। चीन की बढ़ती समुद्री गतिविधियों, क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धा और समुद्री व्यापार मार्गों की सुरक्षा की आवश्यकता को देखते हुए भारत के लिए अपनी समुद्री क्षमताओं का विस्तार करना अनिवार्य हो गया है। ग्रेट निकोबार इस दिशा में एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है।

एक अन्य महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि थाईलैंड में प्रस्तावित क्रा नहर परियोजना के स्थान पर अब एक बहु-माध्यमीय भूमि संपर्क परियोजना पर विचार किया जा रहा है, जो अंडमान सागर और थाईलैंड की खाड़ी को जोड़ सकती है। इससे क्षेत्रीय व्यापार और संपर्क के नए अवसर उत्पन्न होंगे तथा अंडमान सागर का महत्व और बढ़ेगा।पर्यावरणीय चिंताओं को लेकर भी व्यापक चर्चा हुई है। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने विभिन्न आपत्तियों और विशेषज्ञ रिपोर्टों की समीक्षा के बाद परियोजना को आवश्यक शर्तों के साथ स्वीकृति प्रदान की है। साथ ही यह भी माना गया है कि परियोजना का सामरिक और आर्थिक महत्व अत्यधिक है। इतिहास बताता है कि केवल अनुकूल भूगोल किसी राष्ट्र को शक्तिशाली नहीं बनाता। वास्तविक शक्ति तब उत्पन्न होती है जब कोई देश अपनी भौगोलिक स्थिति का प्रभावी उपयोग करने की क्षमता विकसित करता है। ग्रेट निकोबार भारत को यही अवसर प्रदान करता है। आज जब वैश्विक शक्ति संतुलन समुद्रों की ओर स्थानांतरित हो रहा है, तब ग्रेट निकोबार का विकास भारत की समुद्री सोच, राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक महत्वाकांक्षाओं की एक महत्वपूर्ण परीक्षा है। यदि इस अवसर का समुचित उपयोग किया गया, तो यह द्वीप भविष्य में भारत की समुद्री शक्ति का प्रमुख आधार बन सकता है और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में उसकी भूमिका को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकता है।

ग्रेट निकोबार में पोर्ट बनने से निम्नलिखित आर्थिक लाभ होंगे है।

भारत अपने स्वयं के ट्रांसशिपमेंट हब के माध्यम से करोड़ों डॉलर की विदेशी मुद्रा बचा सकेगा और वैश्विक जहाजों को सेवाएं देकर राजस्व कमाएगा।

प्राकृतिक गहराई गलाथिया खाड़ी की प्राकृतिक गहराई लगभग 20 मीटर है, जो दुनिया के सबसे बड़े कार्गो जहाजों को आकर्षित करने के लिए आदर्श है।

इस बंदरगाह और इसके आसपास बनने वाले विशेष आर्थिक क्षेत्र से हजारों की संख्या में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा होंगे, जो भारत के ब्लू इकोनॉमी के सपने को साकार करेंगे। हाल के वर्षों में हिंद महासागर और व्यापक हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की 'स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स' रणनीति और उसकी नौसेना की बढ़ती सक्रियता ने भारत की चिंताएं बढ़ा दी हैं। चीन म्यांमार के क्यौकप्यू, श्रीलंका के हम्बनटोटा और पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाहों के माध्यम से भारत को घेरने की कोशिश कर रहा है।

ऐसे में ग्रेट निकोबार का विकास भारत की ओर से एक मजबूत रणनीतिक उत्तर है। चीन अपनी ऊर्जा आपूर्ति के लिए मलक्का जलडमरूमध्य पर अत्यधिक निर्भर है। ग्रेट निकोबार में भारत की मजबूत सैन्य उपस्थिति चीन की इस कमजोरी को और बढ़ा देती है, जिससे किसी भी संघर्ष की स्थिति में भारत को एक बड़ा रणनीतिक लाभ मिलता है।भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के रणनीतिक समूह 'क्वाड' के संदर्भ में भी यह द्वीप महत्वपूर्ण है।

दैनिक पंचांग

7 जून 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

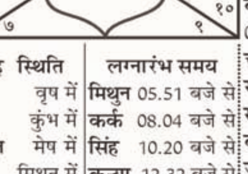

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	05.51 बजे से
चंद्र	कुंभ में	कर्क	08.04 बजे से
मंगल	मेष में	सिंह	10.20 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	12.32 बजे से
गुरु	कर्क में	तुला	14.43 बजे से
शुक्र	मिथुन में	वृश्चिक	16.58 ब.से
शनि	मीन में	धनु	19.14 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	21.19 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	23.05 बजे से
राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक		मीन	00.38 बजे से
		मेष	02.08 बजे से
		वृष	03.49 बजे से

रविवार 2026 वर्ष का 158 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास ज्येष्ठ **पक्ष** कृष्ण
तिथि सप्तमी 03.25 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र धनिष्ठा 07.56 बजे को समाप्त।
योग वैधृति 10.02 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 15.09 बजे तदनन्तर बव 03.25 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 21.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 22° 44'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872733
जूलियन दिन 2461198.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्हेज
तारीख 21
विशेष अधिक भानु सप्तमी।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक
चर	07.23 से 08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक	चर	08.41 से 10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक	रोग	10.14 से 11.46 बजे तक
काल	11.46 से 01.14 बजे तक	काल	11.46 से 01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

कुएं से महिला का शव मिलने से सनसनी पति पर हत्या का आरोप

पाकुड़ : जिले के नगर थाना क्षेत्र के बड़ी अलीगंज में एक महिला का शव कुएं से मिलने के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। मृतका की पहचान अकीबा के रूप में हुई है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कुएं से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका के परिजनों ने पति इरफान अंसारी पर हत्या का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि चार वर्ष पूर्व दोनों ने प्रेम विवाह किया था, लेकिन विवाह के बाद से ही अकीबा को दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित किया जाता था। परिजनों के अनुसार लगातार हो रही प्रताड़ना से परेशान होकर अकीबा कुछ समय से मायके में रह रही थी। करीब एक माह पहले इरफान उसे अपने साथ वापस घर ले गया था। परिजनों का आरोप है कि इरफान ने अकीबा की गला दबाकर हत्या कर दी और साक्ष्य छिपाने की नीयत से शव को कुएं में फेंक दिया। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं इलाके में भी काफी आक्रोश व्याप्त है। वहीं नगर थाना प्रभारी अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि मामला हत्या का है या आत्महत्या का। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच में जुटी हुई है।

चलती टेंपो से गिरकर महिला घायल, रेफर

साहिबगंज: बोरियो तीन मुहानी मोड़ के पास टेंपो से गिर कर एक महिला घायल हो गयी। मिली जानकारी के अनुसार सरायविंधा गांव की होपनमय मुर्मू (30) जेटके कुम्हारजोरी पंचायत के सरायविंधा से बोरियो आने के क्रम में झपकी लगने से बोरियो तीन मुहानी मोड़ के पास टेंपो से गिर कर घायल हो गयी। घायल महिला को इलाज के लिए बोरियो सीएचसी में भर्ती कराया गया है। मौके पर उपस्थित डॉ. सुदामा साह ने प्राथमिक उपचार किया। डॉ. सुदामा ने बताया कि घायल महिला के सर व छाती में गंभीर चोट है। मुंह व कान के पास भी चोट लगी है। सर में चोट के कारण सीटी स्केन के लिए लिखा गया है। स्थिति में सुधार नहीं होने पर बेहतर इलाज के लिए सदर अस्तपताल साहिबगंज रेफर कर दिया गया है। घायल महिला पत्ता बेचने के लिए बोरियो आ रही थी।

साउथ कॉलोनी में अवैध कब्जों पर चला सर्च अभियान, कई क्वार्टरों की हुई जांच

साहिबगंज: जिले के जीरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत साउथ कॉलोनी स्थित वसंत क्वार्टर में रेलवे प्रशासन ने अवैध रूप से रह रहे लोगों के खिलाफ विशेष सर्च अभियान चलाया। इस कार्रवाई के दौरान रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), रेलवे पुलिस एवं संबंधित विभागों की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची और क्वार्टरों की गहन जांच की। मिली जानकारी के अनुसार रेलवे को लंबे समय से शिकायत मिल रही थी कि कुछ लोग रेलवे के आवासीय क्वार्टरों में बिना वैध अनुमति के निवास कर रहे हैं। शिकायतों के सत्यापन एवं अवैध कब्जाधारियों की पहचान के लिए यह अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान टीम ने क्वार्टरों में रह रहे लोगों से आवश्यक दस्तावेजों की मांग की तथा आवास आवंटन से संबंधित जानकारी जुटाई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि रेलवे संपत्ति पर अवैध कब्जा किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी तथा अवैध रूप से रह रहे लोगों को चिन्हित कर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया अपनाई जाएगी। अभियान के दौरान क्षेत्र में काफी देर तक हलचल बनी रही और स्थानीय लोगों की भीड़ जुटी रही। वही रेलवे प्रशासन ने आम लोगों से अपील की है कि रेलवे की संपत्तियों का अनधिकृत उपयोग न करें।

सरकारी बैठक में बीडीओ की कुर्सी पर बैठे नेता जी चुनाव आयोग ने की कार्रवाई, दो अधिकारी निलंबित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड के साहिबगंज जिले के उधवा प्रखंड में सामने आए चर्चित ह्यकुर्सी कांडह्न का असर अब प्रशासनिक स्तर पर दिखने लगा है। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एस आई आर) प्रक्रिया के दौरान नियमों की अनदेखी और प्रशासनिक प्रोटोकॉल के उल्लंघन के मामले में दो सरकारी अधिकारियों पर कार्रवाई की गई है। राज्य निर्वाचन आयोग ने मामले को गंभीर मानते हुए दोनों अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार, उधवा प्रखंड में आयोजित एक सरकारी बैठक के दौरान झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के प्रखंड अध्यक्ष

अयूब अली खान कथित रूप से बीडीओ की कुर्सी पर बैठकर बैठक में शामिल हुए थे। इस दौरान की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गईं, जिसके बाद मामला चर्चा का विषय बन गया। मामले की जानकारी राज्य निर्वाचन आयोग तक पहुंचने पर इसकी जांच कराई गई। जांच में यह पाया गया कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान निर्धारित नियमों और प्रशासनिक प्रोटोकॉल का पूरी तरह पालन नहीं किया गया। आरोप है कि एक राजनीतिक दल के पदाधिकारी को सरकारी बैठक में विशेष महत्व दिया गया, जिससे चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता और पारदर्शिता पर सवाल खड़े हुए। जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा कराई गई जांच में कई अनियमितताओं के संकेत मिले। जांच रिपोर्ट के आधार पर राज्य निर्वाचन आयोग ने दो अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। साथ ही पूरे मामले में आरोप पत्र गठित कर विस्तृत विभागीय जांच के आदेश भी जारी किए गए हैं। निर्वाचन आयोग का मानना है कि अधिकारियों ने अपने कर्तव्यों के निर्वहन में लापरवाही बरती और निर्वाचन संबंधी नियमों का उल्लंघन किया। इसी आधार पर उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। इस घटना के बाद प्रशासनिक व्यवस्था में राजनीतिक हस्तक्षेप को लेकर नई बहस शुरू हो गई है। विपक्षी दलों ने भी मामले को लेकर राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन पर निशाना साधा है। भाजपा नेताओं ने इसे प्रशासनिक निष्पक्षता पर सवाल खड़ा करने वाला मामला बताते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल पूरे मामले पर राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों की नजर बनी हुई है। विस्तृत जांच रिपोर्ट आने के बाद और भी अधिकारियों या संबंधित लोगों पर कार्रवाई की संभावना से इनकार नहीं किया जा रहा है।

सरकार की योजना के तहत धोती साड़ी एवं लुंगी वितरण की तैयारी पूरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : वित्तीय वर्ष 2025-26 की प्रथम छमाही के अंतर्गत राज्य सरकार की योजना के तहत पात्र लाभुकों के बीच धोती,साड़ी एवं लुंगी वितरण की तैयारी पूरी कर ली गई है। इस संबंध में जानकारी देते हुए साहिबगंज सदर प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी राहुल रौशन मरांडी ने बताया कि शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के सभी जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) दुकानदारों के माध्यम से सभी लाभुकों को वस्त्र उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने बताया कि शहरी क्षेत्र के 28 वार्डों में कुल 63 जन वितरण प्रणाली विक्रेता (डीलर) कार्यरत हैं, जबकि ग्रामीण क्षेत्र की 11 पंचायतों में 47 डीलर योजना के क्रियान्वयन में शामिल किए गए हैं। सभी डीलरों को लाभुकों के बीच धोती,साड़ी एवं लुंगी का वितरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी ने बताया कि योजना के तहत प्रत्येक लाभुक को निर्धारित दर पर वस्त्र उपलब्ध कराए जाएंगे।इसके लिए धोती,साड़ी एवं लुंगी के लिए सभी लाभुकों से 10-10 रुपये की राशि ली जाएगी। उन्होंने सभी पात्र लाभुकों से अपील की है कि वे अपने नजदीकी जन वितरण प्रणाली दुकान पर जाकर योजना का लाभ उठाएं तथा वितरण प्रक्रिया में सहयोग करें। प्रशासन द्वारा वितरण कार्य की नियमित निगरानी भी की जाएगी ताकि योजना का लाभ पारदर्शी एवं सुचारु रूप से पात्र लोगों तक पहुंच सके।

गांजा पीने के लिए की थी 10 मोबाइल और पर्स की चोरी, दो आरोपी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के बरहेट थाना क्षेत्र के धनजोड़ी गांव में बीते 28 मई की रात विभिन्न घरों से दस मोबाइल चोरी कर लेने के मामले का बरहेट थाना पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में हिरासत में लिये गये दोनों युवक को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। दोनों के पास से चुराये गये 10 मोबाइल फोन व चांदी का चेन बरामद हुआ है। उपरोक्त जानकारी बरहेट थाना प्रभारी चंदन कुमार भैया ने शनिवार को थाना में पत्रकारों को दी है। उन्होंने बताया कि सोनाजोरी कुम्हारटोला (धनजोड़ी) गांव के अलग-अलग घरों से घटना की रात को दस अलग-अलग कंपनी के मोबाइल की चोरी कर लेने के मामले में बरहेट थाना में केस दर्ज होने के बाद तकनीकी सेल की मदद से जांच शुरू की गई। इस मामले में तकनीकी सेल से इनपुट मिलते ही सबसे पहले बरहेट संताली के सज्जाद अंसारी उर्फ वायरस उर्फ

वारेस को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में पता चला कि सज्जाद अंसारी दिन में लेबर का काम करता है। रात को अपने साथी के साथ मिलकर छिटपुट चोरी की घटना को अंजाम देता था। गांजा पीने के लिए पैसा खत्म हो जाने पर व और उसका साथी योजना बनाकर धनजोड़ी गांव जाकर बारी-बारी से सात घरों में घुसकर 10 पीस मोबाइल के अलावा एक लेडिज पर्स चुराया है। पर्स में चांदी का माला व छह हजार रुपये नकद था। उसकी निशानदेही पर वसीम अंसारी को भी हिरासत में लिया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस ने दोनों की निशानदेही पर 10 मोबाइल व चांदी के माला को बरामद कर लिया है। हालांकि उनलोगों ने बताया है कि चुराये गये पर्स से चांदी का माला व नकदी निकाल लेने के बाद धनजोरी व सोनाजोड़ी के बीच स्थित पुल के पास उसे (पर्स को) पानी में फेंक दिया था। घटना के बाद मोबाइल व पर्स में मिले नकद छह हजार रुपये दोनों आपस में आधा-आधा बांट लिया। उनलोगों ने इतने दिनों में रुपये खर्च कर दिया है। मोबाइल व चेन बरामद कर लिया गया है। मौके पर एसआइ असीम कुजूर, अरविंद कुमार दास, प्रमोद कुमार गुप्ता, अनुसंधानकर्ता रघुवीर राम आदि मौजूद थे।

पेयजल योजना की पोल खोलने हाईकोर्ट पहुंचीं वार्ड पार्षद

साहिबगंज में अधूरी जलापूर्ति और कथित अनियमितताओं पर निष्पक्ष जांच की मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : साहिबगंज नगर परिषद क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति योजना की कथित अनियमितताओं और अधूरे कार्यों को लेकर वार्ड संख्या-07 की पार्षद सुनिता सिन्हा ने झारखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को पत्र भेजकर मामले की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। अपने पत्र में वार्ड पार्षद ने बताया है कि नगर परिषद क्षेत्र के कई इलाकों में पेयजल आपूर्ति योजना का कार्य अब तक पूर्ण नहीं हो पाया है। विशेष रूप से वार्ड संख्या-07 में आज भी 25 से 50 घर ऐसे हैं, जिन्हें जलापूर्ति कनेक्शन नहीं मिल सका है। इसके अलावा कई स्थानों पर पाइपलाइन क्षतिग्रस्त

अवस्था में पड़ी हुई है तथा पाइप बिछाने के बाद सड़कों की मरम्मत और पुनर्स्थापन का कार्य भी अधूरा छोड़ दिया गया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कई क्षेत्रों में जलापूर्ति नियमित नहीं हो रही है।

कहीं पानी का दबाव बेहद कम है तो कहीं लोगों तक पानी पहुंच ही नहीं रहा है। इसके बावजूद संबंधित विभाग द्वारा योजना को पूर्ण बताने अथवा पूर्णता रिपोर्ट प्रस्तुत करने की सूचना मिल रही है, जो जमीनी हकीकत से बिल्कुल अलग है। वार्ड पार्षद सुनिता सिन्हा ने मुख्य न्यायाधीश से आग्रह किया है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए योजना की वास्तविक स्थिति का भौतिक सत्यापन कराया जाए तथा जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध आवश्यक विधिक एवं प्रशासनिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इस मांग के सामने आने के बाद नगर परिषद क्षेत्र में पेयजल योजना की गुणवत्ता और कार्यान्वयन को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों को अब जांच और कार्रवाई के माध्यम से समस्याओं के समाधान की उम्मीद जगी है।

राधानगर पुलिस को बड़ी सफलता नामजद मुख्य अभियुक्त गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के राधानगर थाना पुलिस ने एक महत्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए थाना कांड संख्या 171/26 के नामजद प्राथमिक अभियुक्त बुढ़वा शेख उर्फ अनवर शेख को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद माननीय न्यायालय राजमहल में प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार, राधानगर थाना कांड संख्या 171/26 दिनांक 21/05/2026 को भारतीय न्याय संहिता की धारा 316(2) एवं 318(2) के तहत दर्ज किया गया था। इस मामले में पुलिस लगातार अभियुक्त की तलाश कर रही थी। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान बुढ़वा शेख उर्फ अनवर शेख (45 वर्ष), पिता माताब शेख उर्फ हबू शेख, निवासी बाबू टोला, फुदकीपुर, थाना राधानगर, जिला साहिबगंज के रूप में हुई है। पुलिस

द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत दिनांक 06 जून 2026 को अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के उपरांत आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए उसे माननीय न्यायालय राजमहल में पेश किया गया, जहां से न्यायालय के आदेश पर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। राधानगर थाना पुलिस ने बताया कि मामले में आगे की अनुसंधान प्रक्रिया जारी है तथा अन्य आवश्यक बिंदुओं पर भी जांच की जा रही है। पुलिस ने अपराध नियंत्रण एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए ऐसे अभियानों को लगातार जारी रखने की बात कही है।

विशेष गहन पुनरीक्षण -2026 को लेकर बीएलओ एवं बीएलओ पर्यवेक्षकों का व्यापक प्रशिक्षण संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले में विशेष गहन पुनरीक्षण -2026 के सफल क्रियान्वयन को लेकर शनिवार को रविंद्र भवन टाउन हॉल, पाकुड़ में बीएलओ एवं बीएलओ पर्यवेक्षकों का एक दिवसीय प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मेघा भारद्वाज, पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र के निवार्ची पदाधिकारी सह अपर समाहर्ता, लिट्टीपाड़ा विधानसभा क्षेत्र के निवार्ची पदाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी, महेशपुर विधानसभा क्षेत्र के निवार्ची पदाधिकारी सह भूमि

सुधार उप समाहर्ता तथा सभी विधानसभा क्षेत्रों के सहायक निवार्ची पदाधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण -2026 निर्वाचन प्रक्रिया की अत्यंत महत्वपूर्ण गतिविधि है, जिसका उद्देश्य त्रुटिरहित, अद्यतन एवं शुद्ध मतदाता सूची तैयार करना है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में केवल पात्र मतदाताओं के नाम शामिल हों तथा अपात्र व्यक्तियों के नाम सूची से हटाए जाएं, यह सुनिश्चित करना बीएलओ एवं बीएलओ पर्यवेक्षकों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उपायुक्त ने कहा कि मतदाता सूची किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला है और उसकी शुद्धता एवं विश्वसनीयता ही लोकतंत्र की मजबूती की पहचान है। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे सभी कर्मियों से कहा कि वे मास्टर ट्रेनरों द्वारा दी जा रही जानकारी को गंभीरता से समझें तथा किसी भी प्रकार की शंका या जिज्ञासा का समाधान प्रशिक्षण के दौरान ही प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य केवल जानकारी देना नहीं, बल्कि सभी कर्मियों को आत्मविश्वास, दक्षता एवं जवाबदेही के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए सक्षम बनाना है। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप पात्रता संबंधी मानकों, आवश्यक दस्तावेजों तथा विभिन्न प्रपत्रों की जानकारी का सही अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही उन मतदान केंद्रों पर विशेष ध्यान दिया जाए, जहां मतदाता सूची में त्रुटियों अथवा विसंगतियों की संभावना अधिक है। उपायुक्त ने कहा कि एसआईआर कार्य को पूरी गंभीरता, निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के साथ संपादित किया जाना चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

डीबीएल-पीएसपीसीएल ने लिया हरित विकास का संकल्प, 25 हजार पौधे लगाने की घोषणा

अमड़ापाड़ा : पाकुड़ जिले के अमड़ापाड़ा प्रखण्ड में पर्यावरण संरक्षण, सतत आजीविका, हरित विकास को बढ़ावा देने तथा प्रदूषण कम करने के संकल्प के साथ डीबीएल-पीएसपीसीएल कोयला कंपनी द्वारा आलूबाड़ा स्थित कैंप कार्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डीबीएल कंपनी के स्थानीय परियोजना प्रमुख बृजेश कुमार, वरीय महाप्रबंधक मनोज कुमार सिन्हा, वरीय मुख्य समन्वयक संजीव कुमार सिंह एवं कथालडीह के वरिष्ठ नागरिक सोनाराम सोरेन ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद कार्यालय परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर कथालडीह गांव में संचालित विद्यालय के बच्चों के बीच पेंटिंग, वाद-विवाद एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। वहीं छोटे बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को कंपनी की ओर से मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन सीएसआर प्रबंधक उमेश कुमार ने किया, जबकि अध्यक्षता मुख्य समन्वयक संजीव कुमार सिंह ने की। मौके पर कंपनी के पदाधिकारियों ने कर्मचारियों से पर्यावरण संरक्षण के लिए वर्ष में कम से कम 10 पौधे लगाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पौधे कार्यालय, घर या आसपास किसी भी उपयुक्त स्थान पर लगाए जा सकते हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए परियोजना प्रमुख बृजेश कुमार ने बताया कि डीबीएल कंपनी पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के तहत आगामी तीन महीनों के भीतर 25 हजार से अधिक पौधे लगाएगी। इसके लिए उपयुक्त स्थलों का चयन भी कर लिया गया है। कार्यक्रम में डीबीएल कंपनी के संजय दास, एचआर अधिकारी रबिंदर यादव, विद्युत विभाग के प्रबंधक मो. निसाद, सर्वे प्रबंधक देवाशीष गुइं, मनोज कुमार मोदक, जे.पी. राय, डॉ. संगम सहित पीएसपीसीएल के पदाधिकारी, बीपीआर कंपनी के जीएम श्रीनिवास रेड्डी तथा क्षेत्र के सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

गर्भवती महिला के साथ मारपीट करने का आरोप

साहिबगंज: नगर थाना क्षेत्र के हबीबपुर में शुक्रवार की शाम दो पक्षों में मारपीट हुई। एक पक्ष से गर्भवती महिला गंभीर रूप से घायल है। घायल महिला को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। महिला मो. फकरूद्दीन अली की पुत्री सितारा खातून है। महिला के भाई राजू अंसारी ने बताया कि बीते 31 मई को किराना दुकान में उसकी छोटी बहन इसरत परवीन बैठी थी। इस दौरान दूसरे पक्ष के लोग दुकान पर आकर किसी बात को लेकर गाली गलौज करने लगे। इसबीच बीच बचाव करने आई सितारा खातून के साथ कुछ लोगों ने मारपीट की। इसमें सितारा खातून गंभीर रूप से घायल हो गई। इस पर जब नगर थाना में शिकायत की गई तो उनलोगों ने बीते पांच जून को पुनः उसके साथ मारपीट की है। इसमें सितारा खातून के पेट में गंभीर चोट लगी है। उसे अस्पताल के प्रसूता वार्ड में भर्ती लिया गया है। इसबीच एक पुलिस पदाधिकारी ने बताया कि पुलिस मामले की गहरायी से जांच कर रही है।

थाना दिवस में जमीन विवादों की सुनवाई, कई मामलों के समाधान की दिशा में बढ़े कदम

साहिबगंज: जीरवाबाड़ी थाना परिसर में आयोजित थाना दिवस के अवसर पर भूमि एवं राजस्व से जुड़े मामलों की सुनवाई की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता संबंधित अंचलाधिकारी (सीओ) एवं थाना प्रभारी ने संयुक्त रूप से की। इस दौरान साहिबगंज, तालझारी तथा बोरियो अंचल क्षेत्र से आए जमीन विवाद से संबंधित मामलों पर विस्तार से सुनवाई की गई। सुनवाई के दौरान कई जमीन मालिक, आवेदक एवं पीड़ित पक्ष उपस्थित हुए और अपने-अपने मामलों से जुड़े दस्तावेज एवं पक्ष अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किए। अधिकारियों ने दोनों पक्षों की बात गंभीरता से सुनी तथा विवादों के निष्पक्ष एवं त्वरित समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।थाना दिवस में विशेष रूप से भूमि सीमांकन, कब्जा विवाद, दाखिल-खारिज एवं अन्य राजस्व संबंधी मामलों पर चर्चा हुई। अधिकारियों ने संबंधित कर्मियों को मामलों की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।अधिकारियों ने कहा कि थाना दिवस का मुख्य उद्देश्य आम लोगों की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर समाधान करना तथा भूमि विवादों को समय रहते सुलझाकर विधि-व्यवस्था बनाए रखना है। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी प्रकार के जमीन संबंधी विवाद को लेकर कानून का सहारा लें और आपसी सौहार्द बनाए रखें। इस दौरान राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और फरियादी उपस्थित रहे।

माहवारी स्वच्छता दिवस सह शपथ पत्र का हुआ आयोजन

सिल्ली : सिल्ली प्रखंड मुख्यालय में शनिवार के दिन माहवारी स्वच्छता दिवस सह शपथ पत्र का आयोजन किया गया। आयोजन में मुख्य रूप से रांची जिला परिषद उपाध्यक्ष बिना चौधरी, प्रखंड प्रमुख जितेंद्र बड़ाईक, सिल्ली अंचलाधिकारी अरुणिमा एक्का एवं उप प्रमुख आरती देवी मौजूद रहें। उपस्थित लोगों ने सभी किशोरियों एवं महिलाओं के स्वास्थ्य और कुशल जीवन शैली को प्रभावित बनाने के लिए माहवारी स्वच्छता प्रबंधन के प्रति जागरूकता,ज्ञान और सुविधाओं तक उनके पहुंच को महत्वपूर्ण माना। उन्होंने स्वच्छता दिवस पर अपनी सक्रिय भूमिका और भागीदारी सुनिश्चित करते हुए शपथ लिया कि सभी किशोरियों और महिलाओं को हर संभव प्रयास से जागरूक करेंगे। हम माहवारी के दौरान सभी किशोरियों और महिलाओं में नियमित तौर से साबुन के द्वारा हाथ धुलाई एवं स्वच्छ प्रथा अपनाने को प्राथमिकता देंगे। हम माहवारी में सही खान-पान तथा पोषण को महत्व देंगे। हम सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर माहवारी संबंधी सेवा एवं सुविधा सुनिश्चित कर स्वच्छ तथा स्वास्थ्यवर्धक वातावरण निर्माण के सपने को साकार करने के लिए तन मन से योगदान देंगे। हम अपने जिले की सभी किशोरियो और महिलाओं को सशक्त बनाने के प्रति समर्पित हैं।इस मौके पर सरस्वती देवी, शिवराम, मृत्युंजय साहू, प्रकाश, बिंदु रजक समेत प्रखंड के कई कर्मी एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

एक नजर

सौंदर्य करण के नाम पर यात्री हो रहे परेशान : संजय बैद

बोकारो : चैंबर ऑफ कॉमर्स ने मंडलीय रेल प्रबंधक एवं क्षेत्रीय रेल प्रबंधक को पत्र लिखकर बोकारो रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के लिए ड्रॉपिंग एरिया बंद होने से बुजुर्ग और दिव्यांग यात्रियों को हो रही परेशानी से अवगत कराया। चेंबर के संरक्षक एवं जोनल रेलवे उपभोक्ता सलाहकार समिति के पूर्व सदस्य संजय बैद ने पत्र के माध्यम से मंडलीय रेल प्रबंधक को अवगत कराया की लगभग 16-17 महीने से बोकारो रेलवे स्टेशन के नवीनीकरण के नाम पर ड्रॉपिंग एरिया बंद कर दिया गया है जिससे बुजुर्गों, बीमार एवं दिव्यांग यात्रियों को बेहद परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्हें काफी पैदल चल कर प्लेटफार्म तक आना पड़ता है। संजय बैद ने कहा कि सौंदर्यीकरण के नाम पर इतने लंबे समय तक यात्रियों को परेशान करना उचित नहीं है। उन्होंने मांग की थी जनहित में और यात्रियों की सुविधा को देखते हुए इसे अविलंब चालू करवाया जाए।

करंट लगने से पत्रकार की मौत

पूर्वी सिंहभूम : पूर्वी सिंहभूम जिले के मुसाबनी में शनिवार सुबह एक दुखद हादसे में दैनिक अखबार के पत्रकार मृत्युंजय सिंह की करंट लगने से मौत हो गई। इस आकस्मिक घटना ने न केवल उनके परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है, बल्कि पूरे पत्रकार जगत और स्थानीय क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। मृत्युंजय सिंह मुसाबनी स्थित एचसीएल कंपनी के क्वार्टर में अपनी पत्नी और पुत्री के साथ रहते थे। शनिवार सुबह वे अपनी पत्नी और बेटी को बिहार के जमुई स्थित पैतृक गांव भेजने के लिए घाटशिला रेलवे स्टेशन तक छोड़ने गए थे। स्टेशन पर दोनों को ट्रेन में बैठाने के बाद वे वापस अपने आवास लौट आए। घर पहुंचने के बाद वे क्वार्टर के पीछे स्थित खटाल की ओर गए। इसी दौरान किसी कारणवश वे बिजली के संपर्क में आ गए, जिससे उन्हें जोरदार करंट लगा और वे मौके पर ही गिर पड़े। आसपास मौजूद लोगों को जब घटना की जानकारी मिली तो तत्काल मदद के प्रयास शुरू किए गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पत्रकार रणधीर कुमार सबसे पहले मौके पर पहुंचे और आसपास के लोगों को इसकी जानकारी दी। देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग वहां जुट गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत बिजली आपूर्ति बंद कराई और गंभीर अवस्था में मृत्युंजय सिंह को उपचार के लिए चिकित्सक के पास ले जाया गया। हालांकि जांच के बाद चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया।

चाईबासा सहित विभिन्न रूटों पर आज से बढ़ेगा बस किराया

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम जिले में बस यात्रियों को 7 जून से अधिक किराया चुकाना होगा। सिंहभूम बस ऑनर एसोसिएशन ने डीजल, ग्रीस, यूरिया, टायर, मोटर पार्ट्स, टोल टैक्स, बीमा प्रीमियम, मोटर वाहन कर और अन्य परिचालन खर्चों में लगातार हो रही बढ़ोतरी का हवाला देते हुए बस किराए में संशोधन करने का फैसला लिया है। एसोसिएशन के जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार नई दरों के तहत विभिन्न रूटों पर किराए में लगभग 18 से 20 प्रतिशत तक वृद्धि की गई है। एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रदीप कुमार अग्रवाल ने शनिवार को बताया कि परिवहन व्यवसाय से जुड़े खर्चों में लगातार वृद्धि के कारण पुराने किराए पर बसों का संचालन आर्थिक रूप से कठिन होता जा रहा था। वहीं सचिव दिलीप कुमार अग्रवाल ने कहा कि संशोधित किराया 7 जून 2026 से सभी संबंधित मार्गों पर प्रभावी हो जाएगा। नई दरों के अनुसार चाईबासा से किरीबुरू का किराया 160 रुपये से बढ़ाकर 180 रुपये, गुवा का 150 से 170 रुपये, बड़ाजामदा का 130 से 150 रुपये, नोवामुंडी का 110 से 130 रुपये और कोटगढ़ का 90 से 110 रुपये कर दिया गया है।

नीति के साथ अपराध पर सख्ती, अधिकारी जनता की समस्याओं का त्वरित निवारण सुनिश्चित करें : आईजी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : जिले में अपराध नियंत्रण और नागरिक समस्याओं के शीघ्र समाधान को लेकर आज प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक की अध्यक्षता में बोकारो उपायुक्त कार्यालय के सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के तमाम पुलिस पदाधिकारियों और थाना प्रभारी मौजूद रहे।

आईजी ने बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए कि संगठित अपराध पर हर हाल में रोक लगाई जाए और नागरिकों की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनता अक्सर विकट परिस्थिति में पुलिस के पास मदद के लिए आती है, इसलिए उनके मामलों को गंभीरता से सुनकर शीघ्र निवारण किया जाना चाहिए। यह निर्देश सभी थाना प्रभारी और अन्य पुलिस अधिकारियों को अनुपालन के लिए जारी किए गए हैं।

गैंगस्टर प्रिंस खान के संबंध में पूछे जाने पर आईजी ने कहा कि अपराधियों का साम्राज्य धीरे-धीरे टूट रहा है और उनके साथी अब सलाखों के पीछे पहुंच रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रिंस खान का नेटवर्क भी जल्द ही समाप्त हो जाएगा।

बैठक में पिंडरा जोड़ा थाना क्षेत्र में हुई एक लापता व्यक्ति (पुष्पा) से जुड़ी घटना का जिक्र करते हुए आईजी ने गंभीर चिंता व्यक्त की। इस घटना के चलते झारखंड के डीजीपी और बोकारो एसपी को उच्च न्यायालय तक जाना पड़ा था। ऐसे मामलों की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सभी थाना प्रभारियों को सतर्क रहने और आवश्यक कार्रवाई तेज करने के निर्देश दिए गए।

इसके अलावा आईजी ने बताया कि हाल ही में जिले में डीएसपी के अधिकारियों के पूर्ण रूप से ट्रांसफर होने के बाद नई टीम ने पदभार ग्रहण किया है। उन्होंने कहा कि यह पहली बैठक नई टीम के साथ हुई है, जिसमें क्राइम कंट्रोल की रूपरेखा एवं कार्ययोजना तैयार की जा रही है।

बैठक के समापन पर पुलिस अधिकारियों को अपराध नियंत्रण, रैपिड रिस्पॉन्स एवं समुदाय-आधारित पुलिसिंग गतिविधियों पर खास ध्यान देने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने भी जनता के सहयोग से कानून-व्यवस्था और सुरक्षा सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया।

गरगा डैम के पास अज्ञात व्यक्ति का क्षत-विक्षत शव बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बालीडीह : बालीडीह थाना क्षेत्र के गरगा डैम के पास शनिवार दोपहर पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद किया। शव के अत्यधिक सड़-गल जाने के कारण उसकी पहचान करना मुश्किल हो गया है। पुलिस के अनुसार, मृतक की उम्र लगभग 26 से 30 वर्ष के बीच बताई जा रही है।

स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची बालीडीह थाना की टीम ने जांच कर शव को गरगा डैम के किनारे से बरामद किया। घटनास्थल पर पहुंचे सब-इंस्पेक्टर व फॉरेंसिक टीम ने शव की स्थिति का प्राथमिक निरीक्षण किया। प्रारंभिक नजारा बेहद खराब था और शरीर पर कई जगह सड़न के के निशान दिखाई दे रहे थे।

थाना प्रभारी ने बताया कि शव को भारी सड़-गल के कारण पहचान योग्य हालत में नहीं पाया गया। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फिंगरप्रिंट/डीएनए जांच के बाद ही मृतक की पहचान का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हत्या की आशंका पर भी हर पहलू से जांच की जा रही है।

पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल कॉल रिकॉर्ड और स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों से पूछताछ शुरू कर दी है। साथ ही, किसी भी व्यक्ति की गुमशुदगी की रिपोर्ट के साथ मिलान किया जाएगा। जनता से अपील की गई है कि यदि किसी को पिछले कुछ दिनों में कोई युवक/युवती लापता दिखे या किसी के पहचान संबंधी जानकारी हो तो थाना में सूचित करें।

बीएसएल में विश्व पर्यावरण दिवस पर ईको-इनोवेशन अवार्ड

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बोकारो इस्पात संयंत्र के पर्यावरण संरक्षण एवं सततता (ईसीएस) विभाग द्वारा पर्यावरण जागरूकता एवं संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विविध कार्यक्रमों एवं अभियानों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों के विजेताओं को बोकारो इस्पात संयंत्र तथा इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स, बोकारो सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में सम्मानित किया गया।

समारोह के दौरान दांतू गांव के चार विद्यार्थियों को सौर ड्रायर (सोलर ड्रायर) के उपयोग पर आधारित उनके अभिनव प्रोजेक्ट के लिए 'ईको-इनोवेशन अवार्ड' से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, संयंत्र, टाउनशिप एवं अस्पतालों से संबंधित विभिन्न नवाचारी परियोजनाओं को भी इस सम्मान के लिए चयनित किया गया। विशेष रूप से ऊर्जा प्रबंधन विभाग द्वारा ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन में कमी लाने हेतु किए गए उल्लेखनीय प्रयासों, अभिनव डिजाइनों तथा सतत विकास आधारित परियोजनाओं की सराहना की गई।

कार्यक्रम के दौरान "जलवायु परिवर्तन एवं प्रकृति-आधारित समाधान" विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन भी किया गया। वक्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण के लिए "लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट (मिशन लाइफ)" की आवश्यकता एवं प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए इस क्षेत्र में संचालित विभिन्न पहलों एवं प्रयासों की विस्तृत जानकारी साझा की। साथ ही, एक टिकाऊ, पर्यावरण-अनुकूल एवं संतुलित समाज के निर्माण में अभियंताओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी विस्तार से चर्चा की गई। इस आयोजन के माध्यम से प्रतिभागियों को पर्यावरण संरक्षण, संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग, नवीकरणीय प्रौद्योगिकियों तथा सतत विकास की अवधारणाओं के प्रति जागरूक एवं प्रेरित किया गया।

26वीं सब-जूनियर झारखंड राज्य बास्केटबॉल चैंपियनशिप में बोकारो की शानदार शुरूआत

बालक क्वार्टर फाइनल और बालिका टीम सेमीफाइनल में पहुंची

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : झारखंड बास्केटबॉल एसोसिएशन के तत्वावधान में पाकुड़ में आयोजित 26वीं सब-जूनियर झारखंड राज्य बास्केटबॉल चैंपियनशिप में बोकारो जिला बास्केटबॉल एसोसिएशन की बालक एवं बालिका दोनों टीमों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम रोशन किया है।

बालक वर्ग में बोकारो की टीम ने अपने पहले लीग मुकाबले में धनबाद को 48-06 के बड़े अंतर से पराजित कर शानदार शुरूआत की। मैच में बोकारो के खिलाड़ियों ने शुरूआत से ही दबदबा बनाए रखा और बेहतरीन टीमवर्क का प्रदर्शन किया। दूसरे लीग मुकाबले में बोकारो ने दुमका के खिलाफ भी प्रभावशाली खेल दिखाया और अपने पूल में शानदार प्रदर्शन के दम पर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। वहीं बालिका वर्ग में बोकारो की टीम ने अपने पहले मुकाबले में जामताड़ा को 27-03 से हराया। इसके बाद दूसरे मैच में मेजबान पाकुड़ को 11-05 से शिकस्त देकर अपने पूल में शीर्ष स्थान हासिल किया और क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

क्वार्टर फाइनल में बोकारो की बालिका टीम का मुकाबला पूर्वी सिंहभूम की मजबूत टीम से हुआ। रोमांचक मुकाबले में बोकारो की खिलाड़ियों ने अनुशासित और प्रभावी खेल का प्रदर्शन करते हुए 23-14 से जीत दर्ज की तथा सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अब 7 जून को सेमीफाइनल में बोकारो का मुकाबला टाटा स्टील की टीम से होगा। टीमों के शानदार प्रदर्शन से बोकारो जिला बास्केटबॉल एसोसिएशन के पदाधिकारियों और खेल प्रेमियों में खुशी का माहौल है। सभी ने खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को बधाई देते हुए आगामी मुकाबलों के लिए शुभकामनाएं दी हैं। गौरतलब है कि 1 जून को बोकारो पब्लिक स्कूल के बास्केटबॉल कोर्ट में जिला टीम चयन ट्रायल का आयोजन किया गया था, जिसके आधार पर दोनों टीमों का चयन किया गया।

बोकारो जिला बास्केटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष सतेन्द्र नारायण सिंह एवं सचिव कन्हैया प्रसाद ने बोकारो पब्लिक स्कूल प्रबंधन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय द्वारा उपलब्ध कराई गई उत्कृष्ट खेल सुविधाओं का खिलाड़ियों को भरपूर लाभ मिला है। उन्होंने दोनों टीमों को शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई देते हुए आगामी मुकाबलों में सफलता की शुभकामनाएं दीं।

सत्संग के बिना मनुष्य की सद्गति संभव नहीं : स्वामी प्रमोद

खूंटी : मुरहू प्रखंड स्थित महर्षि मेंही आश्रम शबरी कुटिया, शांतिपुरी में आयोजित दो दिवसीय सत्संग कार्यक्रम का शुभारंभ शनिवार को श्रद्धा और भक्ति के माहौल में हुआ। कार्यक्रम के प्रथम दिन कुप्पाघाट भागलपुर सहित विभिन्न स्थानों से पहुंचे संत-महात्माओं का पारंपरिक तरीके से अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत ईश स्तुति, गुरु वंदना और रामचरितमानस पाठ से हुई। इसके बाद आयोजित प्रवचन सभा में संतों ने सत्संग के महत्व और मानव जीवन में उसके प्रभाव पर प्रकाश डाला। प्रवचन के दौरान स्वामी प्रमोद जी महाराज ने कहा कि सत्संग के बिना मनुष्य की सद्गति संभव नहीं है। संतों का संग बड़े सौभाग्य से प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि मनुष्य के जीवन पर संगति का गहरा प्रभाव पड़ता है। जैसे स्वच्छ जल कीचड़ में गिरकर दूषित हो जाता है, वहीं गंदा पानी भी गंगा में मिलकर पवित्र हो जाता है।

ईएसएल स्किल स्कूल में प्रमाण पत्र वितरण समारोह आयोजित, प्रशिक्षुओं को मिला रोजगार का अवसर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : ईएसएल स्किल स्कूल में 4 जून 2026 को एसपीवीआई एवं एफटीओएचए बैचों के प्रशिक्षुओं के लिए प्रमाण पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ईएसएल स्टील लिमिटेड के निदेशक-इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट, सुनील कुमार एन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए। प्रशिक्षण पूरा करने के साथ-साथ इन युवाओं ने प्रतिष्ठित संस्थानों में रोजगार भी प्राप्त किया है, जो उनके उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। कार्यक्रम के दौरान चयनित एवं नियोजित प्रशिक्षुओं ने अपने अनुभव भी साझा किए। उन्होंने बताया कि स्किल स्कूल में प्राप्त प्रशिक्षण और मार्गदर्शन ने उन्हें रोजगार प्राप्त करने तथा आत्मविश्वास के साथ पेशेवर जीवन में आगे बढ़ने में मदद की। उनके अनुभवों ने अन्य प्रशिक्षुओं को भी प्रेरित किया। मुख्य अतिथि सुनील कुमार एन ने सभी प्रशिक्षुओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा उन्हें निरंतर सीखने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर ईएसएल स्टील लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं पूर्णकालिक निदेशक रवीश शर्मा ने कहा, ईएसएल स्टील में हमारा मानना है कि कौशल विकास युवाओं को सशक्त बनाने और उन्हें सम्मानजनक आजीविका के अवसर प्रदान करने का सबसे प्रभावी माध्यम है। ईएसएल स्किल स्कूल के माध्यम से हम युवाओं को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें रोजगार से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमें खुशी है कि ये प्रशिक्षु अपने व्यावसायिक जीवन की सफल शुरूआत कर रहे हैं और हम उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

यह समारोह स्थानीय युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ाने और उन्हें सम्मानजनक आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में ईएसएल स्किल स्कूल की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। संस्थान भविष्य में भी कौशल विकास एवं उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाने के लिए कार्य करता रहेगा।

संक्षिप्त खबरें

पुरुषोत्तम मास में श्री गोपालेश्वर महादेव मंदिर में भागवत कथा का हुआ शुभारंभ

बोकारो : चास प्रखंड अंतर्गत चीरा चास स्थित पांडेपुर के समीप अवस्थित श्री गोपालेश्वर महादेव मंदिर में शुक्रवार से पवित्र पुरुषोत्तम मास (अधिक मास) के अवसर पर श्रीमद्भागवत कथा का भव्य आयोजन शुरू हो गया है, जो आगामी गुरुवार तक चलेगा। इस आध्यात्मिक आयोजन को लेकर क्षेत्र में श्रद्धा और उत्साह का माहौल बना हुआ है। हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार पुरुषोत्तम मास भगवान विष्णु को समर्पित होता है। इस पावन महीने में भगवान की आराधना, कथा-श्रवण और भक्ति-भाव से किए गए कार्यों का विशेष महत्व माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस दौरान भागवत कथा सुनने से जीवन के कष्ट, दुख और विपत्तियां दूर होती हैं तथा मन को शांति और सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त होती है। इसी कड़ी में मंदिर परिसर में प्रसिद्ध कथावाचक आचार्य व्यास पांडे के मुखारविंद से श्रीमद्भागवत कथा का रसपान कराया जाएगा। आचार्य पांडे अपने मधुर वाणी और भावपूर्ण प्रस्तुति के लिए जाने जाते हैं, जिनकी कथा श्रद्धालुओं के मन को भक्ति में सराबोर कर देती है। आयोजन समिति के तत्वावधान में हो रहे इस धार्मिक अनुष्ठान में क्षेत्र के श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कथा श्रवण करने और धर्म लाभ अर्जित करने की अपील की गई है। मंदिर के मुख्य पुजारी का कहना है कि यह आयोजन न केवल आध्यात्मिक उन्नति का माध्यम है, बल्कि समाज में सकारात्मकता और सद्भाव का संदेश भी देता है।

कार्यकर्ता सम्मेलन को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प

बोकारो : झारखंड मुक्ति मोर्चा बोकारो जिला समिति द्वारा आज बोकारो परिसदन में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष रतनलाल मांझी ने की। जिला अध्यक्ष रतनलाल मांझी ने कहा कि 10 जून को होने वाले बोकारो जिला कार्यकर्ता सम्मेलन को ऐतिहासिक बनाना है। उन्होंने सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को अभी से इसकी तैयारियों में पूरी ताकत से जुट जाने का निर्देश दिया। रतनलाल मांझी ने जोर देकर कहा कि पार्टी को बूथ स्तर तक मजबूत बनाना मुख्य लक्ष्य है। इसके लिए बोकारो जिले में लगातार विभिन्न सांगठनिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। बैठक को संबोधित करते हुए झामुमो बोकारो महानगर अध्यक्ष मंटू यादव ने कहा कि इस बूथ स्तरीय सम्मेलन में हजारों की संख्या में कार्यकर्ता भाग लेंगे, जिसकी तैयारियां जोरों पर हैं। इस आगामी कार्यक्रम को सफल बनाने में महिला मोर्चा की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रहेगी। मंटू यादव ने सभी नगर पदाधिकारियों को विशेष निर्देश देते हुए कहा कि शहरी क्षेत्र से ज्यादा से ज्यादा संख्या में कार्यकताओं का जुटना सुनिश्चित होना चाहिए। इसके लिए नगर के सभी नेता अपने-अपने क्षेत्रों में तैयारी तेज कर दें। बैठक में मुख्य रूप से केंद्रीय सदस्य अशोक मुर्मू, केंद्रीय सदस्य अखिलेश महतो, विजय रजवार, इकबाल अंसारी, घुनु हांसदा, मोहन मुर्मू ,फिरदौस अंसारी, फैयाज आलम, मदन कुमार महतो, भोलू खान, नैयर जमाल, मिथुन मंडल, सदानंद गोप, राकेश सिन्हा, अमित सोरेन, आजाद अंसारी, मुक्तेश्वर महतो, रामदयाल सिंह, किरन बाउरी, शान्ति सोरेन, कुसुम भारती, एकता देवी, प्रमोद तापड़िया, सुभाष महतो, कालीपद महतो, सोनाराम हेंब्रम, दीपक महतो, कृष्णा महतो, महताब खान, गणेश श्रीवास्तव, सुखविंदर सिंह, ज्योति प्रकाश द्विवेदी, सोमनाथ घोष, समीर अंसारी, अकबर अंसारी, कन्हैया सिंह, सुमित राबानी, अजीत मुर्मू, बम पांडे, पवन बाबू केवट,अशोक हेंब्रम, भागीरथ शर्मा, फिरोज अंसारी, अशोक मांझी, प्रथम हसदा, लालमोहन हेंब्रम,सोहन मुर्मू, अर्जुन महतो, विनोद महतो, मस्तान अंसारी, ओम प्रकाश गुप्ता, जयमाल देवी, टीकू महतो, बेबी देवी, संजय मुर्मू,भीम सोरेन, पूरन महतो, दीपक यादव, भारत यादव, राजेंद्र नाथ मांझी, श्रेष्ठ ठाकुर, दीपक बंसल इत्यादि उपस्थित थे।

जिला बाल संरक्षण इकाई बोकारो द्वारा गैर-सरकारी संगठनों के साथ समन्वय बैठक आयोजित

बोकारो : जिला बाल संरक्षण इकाई , बोकारो द्वारा जिले में बच्चों एवं सामुदायिक विकास के क्षेत्र में कार्यरत विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों के साथ एक महत्वपूर्ण समन्वय बैठक नीति आयोग के डेवलपमेंट पार्टनर के सभागार में आयोजित किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी अनीता झा ने की। बैठक का मुख्य उद्देश्य जिला प्रशासन एवं समुदाय के मध्य समन्वय को सुदृढ़ करना, बच्चों से संबंधित योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में गैर-सरकारी संगठनों की सहभागिता सुनिश्चित करना तथा बाल संरक्षण तंत्र को मजबूत बनाना था। बैठक में बोकारो जिले में कार्यरत विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें बै सहयोगिनी, एसोसिएशन फॉर वॉलंटरी एक्शन, अनमोल दृष्टि, पंचसूत्रा फाउंडेशन, आशा किरण सेवा संस्थान, यूनिसेफ -सीसीआर - एयुएसआरएल, पिरामल फाउंडेशन तथा सेंटर फॉर कैटलाइजिंग चेंज सहित विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सहित अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक में जिन विषयों पर चर्चा की गई उसमें बोकारो जिले में कार्यरत गैर-सरकारी संगठनों की जानकारी संकलित कर अनुमंडल पदाधिकारी एवं उपायुक्त, बोकारो के साथ साझा करना, ताकि जिला प्रशासन एवं समुदाय के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जा सके,फोस्टर केयर योजना के संबंध में व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाना, जिससे ऐसे बच्चों की पहचान की जा सके जिन्हें पारिवारिक वातावरण में देखभाल एवं संरक्षण की आवश्यकता है,फ्टरकेयर योजना के अंतर्गत संस्थागत देखरेख से बाहर आने वाले युवाओं को सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए सामुदायिक एवं संस्थागत समर्थन विकसित करना,प्रखंड स्तर पर गठित बाल संरक्षण समितियों को सशक्त एवं सक्रिय बनाने हेतु गैर-सरकारी संगठनों की भूमिका सुनिश्चित करना, बाल विवाह, बाल श्रम, बाल तस्करी, शिक्षा से वंचित बच्चों की पहचान, बच्चों के विरुद्ध हिंसा एवं अन्य बाल संरक्षण से जुड़े मुद्दों शामिल थे जिसपर जिला प्रशासन के साथ मिलकर कार्य करना। बैठक के दौरान अनीता झा, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी द्वारा सभी विषयों पर विस्तार से चर्चा करते हुए गैर-सरकारी संगठनों से अपेक्षित सहयोग एवं उनकी जिम्मेदारियों को स्पष्ट किया गया। उन्होंने कहा कि बच्चों के सर्वोत्तम हित में सरकारी विभागों एवं नागरिक समाज संगठनों के बीच मजबूत साझेदारी अत्यंत आवश्यक है।

संक्षिप्त डायरी

अयोध्या राम मंदिर में लगे पत्थरों से बनेगा बिहार का यह मंदिर, राजस्थान के सैंड स्टोन से होगा भव्य निर्माण

पटना (एजेंसी) गोपालगंज में 100 साल पुराने राम जानकी मंदिर का भव्य पुनर्निर्माण शुरू हो गया है. खास बात यह है कि मंदिर निर्माण में राजस्थान के प्रसिद्ध सैंड स्टोन (बलुआ पत्थर) का इस्तेमाल किया जाएगा, जिनका उपयोग अयोध्या के राम मंदिर में भी हुआ है. गोपालगंज शहर के हजियापुर कैथवलिया गांव में स्थित करीब 100 साल पुराने राम जानकी मंदिर के पुनर्निर्माण का कार्य शुरू हो गया है. समय के साथ मंदिर भवन काफी जर्जर हो गया था, जिसके बाद ग्रामीणों और श्रद्धालुओं ने मिलकर पुराने ढांचे को हटाकर नए और भव्य मंदिर के निर्माण का फैसला लिया. गांव के लोगों और श्रद्धालुओं के सहयोग से अब मंदिर निर्माण का काम शुरू कर दिया गया है. निर्माण को लेकर पूरे गांव में उत्साह का माहौल है. राजस्थान के सैंड स्टोन से बनेगा मंदिर श्रीराम जानकी जनकल्याण ट्रस्ट के सदस्यों के अनुसार मंदिर का निर्माण राजस्थान के प्रसिद्ध सैंड स्टोन (बलुआ पत्थर) से किया जाएगा. यह पत्थर मजबूती, सुंदर नक्काशी और लंबे समय तक टिकाऊ रहने के लिए जाना जाता है. खास बात यह है कि इसी तरह के पत्थरों का उपयोग अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण में भी किया गया है. मंदिर को पारंपरिक भारतीय स्थापत्य शैली में तैयार किया जाएगा.

1.75 करोड़ रुपये होगी निर्माण लागत निर्माण समिति के अनुसार मंदिर निर्माण पर करीब 1 करोड़ 75 लाख रुपये खर्च होने का अनुमान है. इसके लिए गांव के लोगों के साथ-साथ बाहर रहने वाले ग्रामीणों और श्रद्धालुओं से भी सहयोग लिया जा रहा है. समिति का लक्ष्य मंदिर को शहर के सबसे भव्य राम जानकी मंदिरों में शामिल करना है. राजस्थान से आएंगे कारीगर मंदिर को आकर्षक स्वरूप देने के लिए राजस्थान से अनुभवी कारीगर बुलाए जाएंगे. ये कारीगर मंदिर के स्तंभों, दीवारों और शिखर पर सुंदर नक्काशी और कलाकृतियां तैयार करेंगे. समिति का कहना है कि मंदिर केवल पूजा का स्थान नहीं, बल्कि गांव की आस्था और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक भी है. वर्षों से आस्था का केंद्र रहा है मंदिर

गांव के लोगों के लिए राम जानकी मंदिर विशेष महत्व रखता है. यहां हर साल रामनवमी, दीपावली और कई अन्य धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होते रहे हैं. ग्रामीणों का मानना है कि नए मंदिर के निर्माण से धार्मिक गतिविधियों को और बढ़ावा मिलेगा तथा श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी. मंदिर परिसर में लगेगा भव्य घंटा

निर्माण पूरा होने के बाद मंदिर परिसर में एक बड़ा और भव्य घंटा लगाया जाएगा. मंदिर समिति का कहना है कि भगवान को भोग लगाए जाने और आरती के समय घंटा बजाया जाएगा, जिससे पूरे गांव को इसकी जानकारी मिल सके. हर दिन होगी भव्य आरती और पूजा नए मंदिर में प्रतिदिन नियमित पूजा-पाठ और भव्य आरती का आयोजन किया जाएगा. मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के बैठने, भजन-कीर्तन और धार्मिक कार्यक्रमों के लिए भी विशेष व्यवस्था की जाएगी. पुरानी परंपरा को फिर से जीवित करने की तैयारी गांव के युवाओं का कहना है कि करीब 20 साल पहले तक गांव में एक परंपरा थी. भगवान को भोग लगाए जाने के बाद ही गांव के लोग अपने घरों में भोजन करते थे. अब मंदिर के पुनर्निर्माण के साथ इस धार्मिक परंपरा को फिर से जीवित करने की चर्चा भी शुरू हो गई है. वरिष्ठ नागरिकों के लिए लगेगा मेडिकल कैंप मंदिर समिति केवल धार्मिक गतिविधियों तक सीमित नहीं रहना चाहती. समिति ने मंदिर परिसर में हर सप्ताह मेडिकल कैंप लगाने की योजना भी बनाई है. इन शिविरों में लोगों की स्वास्थ्य जांच की जाएगी और विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों को चिकित्सा संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी. धार्मिक और सांस्कृतिक केंद्र बनेगा मंदिर

ग्रामीणों को उम्मीद है कि मंदिर बनने के बाद यह केवल पूजा-अर्चना का स्थान नहीं रहेगा, बल्कि पूरे क्षेत्र का धार्मिक और सांस्कृतिक केंद्र बन जाएगा. साथ ही आसपास के क्षेत्रों से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए भी यह आकर्षण का प्रमुख केंद्र होगा. मंदिर निर्माण शुरू होने के साथ ही हजियापुर कैथवलिया गांव में उत्साह और आस्था का माहौल देखने को मिल रहा है.

सीवान में सफाई सुपरवाइजरों के अपहरण और पिटाई का आरोप, 60 हजार रुपये लूटने की शिकायत

पटना (एजेंसी) सीवान के आंदर नगर पंचायत में दो सफाई सुपरवाइजरों के साथ मारपीट,अपहरण और 60 हजार रुपये लूटने का मामला सामने आया है. पूर्व टछउ के परिजनों समेत 8-10 लोगों पर गंभीर आरोप लगा है. वहीं अब पुलिस इस मामले में जांच में जुटी है. सीवान से अरविंद कुमार सिंह की रिपोर्ट सीवान जिले के आंदर नगर पंचायत में सफाई कार्य की निगरानी कर रहे दो सुपरवाइजरों के साथ कथित तौर पर मारपीट, अपहरण और लूटपाट का सनसनीखेज मामला सामने आया है. पीड़ितों ने पूर्व एमएलसी के परिजनों समेत 8 से 10 लोगों पर पिस्टल की बट, रॉड और अन्य हथियारों से हमला करने का आरोप लगाया है. घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है. सफाई कार्य के दौरान शुरू हुआ विवाद पीड़ित अमृत कुमार ने आंदर थाने में दिए आवेदन में बताया कि वह और शुभम कुमार पाठक नगर पंचायत में सफाई सुपरवाइजर के रूप में कार्यरत हैं. 5 जून को वार्ड संख्या-06 में सफाई कार्य का निरीक्षण कर रहे थे. इसी दौरान पूर्व एमएलसी परमात्मा राम के परिजन वहां पहुंचे और कथित रूप से गाली-गलौज करने लगे. जब उनसे शिकायत लिखित रूप में देने को कहा गया तो वे वहां से चले गए. पिस्टल की बट से हमला करने का आरोप आरोप है कि कुछ देर बाद अंकुश कुमार, निकेश कुमार, सागर कुमार समेत 8-10 लोग रॉड, चाकू और पिस्टल लेकर उनके कमरे में घुस आए. सभी ने दोनों सुपरवाइजरों पर हमला कर दिया. पिस्टल की बट से चेहरे पर कई वार किए गए, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़े. अपहरण कर घर ले गए आवेदन के अनुसार हमलावर दोनों को जबरन उठाकर वार्ड-06 स्थित पूर्व एमएलसी के घर ले गए, जहां फिर से मारपीट की गई. पीड़ितों का आरोप है कि कमरे में रखे सफाई कर्मियों के भुगतान के लिए रखे गए 60 हजार रुपये नकद भी लूट लिए गए. घटना के दौरान जान से मारने की धमकी भी दी गई. मारपीट की सूचना मिलने पर स्थानीय लोगों ने दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आंदर पहुंचाया. गंभीर रूप से घायल शुभम कुमार पाठक को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल सीवान रेफर कर दिया गया, जबकि अमृत कुमार का इलाज स्थानीय स्तर पर जारी है. नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी और सुरक्षा की मांग पीड़ित ने अंकुश कुमार, निकेश कुमार, सागर कुमार समेत अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ जानलेवा हमला, अपहरण, लूटपाट, सरकारी कार्य में बाधा और आपराधिक धमकी की धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है. साथ ही परिवार की सुरक्षा के लिए पुलिस संरक्षण देने की भी मांग की गई है. आंदर थानाध्यक्ष ने बताया कि आवेदन प्राप्त हो गया है. मामले की जांच की जा रही है. जांच में जो तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

बिहार में महिलाओं की नाइट शिफ्ट पर सम्राट सरकार सख्त, कैबिनेट की मंजूरी मिलते ही लागू हो जाएंगे ये नए नियम

पटना (एजेंसी) बिहार में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सरकार बड़ा बदलाव करने जा रही है. नाइट शिफ्ट में काम करने वाली महिला कर्मचारियों के लिए लिखित सहमति, सीसीटीवी निगरानी, सुरक्षित वाहन और अन्य सुविधाएं अनिवार्य करने का प्रस्ताव तैयार हो गया है.बिहार सरकार ने नौकरी करने वाली महिलाओं की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए बड़ा कदम उठाया है. राज्य में रात की शिफ्ट में महिलाओं से काम कराने के लिए नए नियमों का ड्राफ्ट तैयार कर लिया गया है. श्रम विभाग द्वारा बनाए गए इस प्रस्ताव को वित्त विभाग की मंजूरी भी मिल चुकी है. अब इसे अंतिम स्वीकृति के लिए जल्द ही बिहार कैबिनेट के पास भेजा जाएगा. कैबिनेट की मंजूरी मिलने के बाद राज्य की सभी कंपनियों, कार्यालयों और फैक्ट्रियों को इन नियमों का पालन करना अनिवार्य होगा. शाम 7 बजे से सुबह 6 बजे तक लागू होंगे नियम नए ड्राफ्ट के मुताबिक, यदि किसी महिला कर्मचारी से शाम 7 बजे से सुबह 6 बजे के बीच काम कराया

जाता है तो कंपनी को पहले उसकी लिखित सहमति लेनी होगी. बिना महिला की मंजूरी के उसे नाइट शिफ्ट में नहीं लगाया जा सकेगा. और रोशनी की होगी अनिवार्य व्यवस्था महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कार्यस्थल और उसके आसपास पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था करनी होगी. साथ ही पूरे परिसर को सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में रखना अनिवार्य होगा. सरकार ने यह भी तय किया है कि सीसीटीवी फुटेज को कम से कम 45 दिनों तक सुरक्षित रखना होगा, ताकि किसी भी शिकायत या जांच की स्थिति में रिकॉर्ड उपलब्ध हो सके. रात में अकेली महिला से नहीं लिया जाएगा काम नए नियमों के अनुसार रात की शिफ्ट में कम से कम दो महिला कर्मचारियों की मौजूदगी जरूरी होगी. यानी किसी महिला से अकेले नाइट शिफ्ट में काम नहीं कराया जा सकेगा. प्रेग्नेंट महिलाओं को मिलेगी विशेष राहत महिला कर्मचारियों की सेहत को ध्यान में रखते हुए सरकार ने गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष प्रावधान किया है. नियम लागू होने के बाद प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं से रात की शिफ्ट में काम नहीं लिया जा सकेगा. घर आने-जाने के लिए मिलेगी सुरक्षित गाड़ी नाइट शिफ्ट में काम करने वाली महिलाओं को घर से कार्यालय और कार्यालय से घर तक सुरक्षित परिवहन सुविधा उपलब्ध करानी होगी. इसके लिए सीसीटीवी कैमरों से लैस वाहन उपलब्ध कराने का प्रावधान किया गया है. टॉयलेट, पीने का पानी और चेंजिंग रूम जरूरी कंपनियों को महिला कर्मचारियों के लिए अलग शौचालय, साफ पीने का पानी, वॉशरूम और जरूरत पड़ने पर सुरक्षित चेंजिंग रूम की व्यवस्था भी करनी होगी. खतरनाक कामों के लिए अलग सुरक्षा मानक सरकार ने स्पष्ट किया है कि जोखिम भरे और खतरनाक कार्यों में महिलाओं की सुरक्षा के लिए अलग से सुरक्षा मानक तय किए जाएंगे. साथ ही महिला कर्मचारियों को वेतन और अन्य सुविधाएं भी श्रम कानूनों के अनुसार देनी होंगी. कैबिनेट की मंजूरी का इंतजार फिलहाल यह प्रस्ताव अंतिम मंजूरी के लिए बिहार कैबिनेट के पास भेजा जाना है. कैबिनेट की स्वीकृति मिलते ही राज्यभर में महिलाओं की नाइट शिफ्ट को लेकर नए सुरक्षा नियम लागू हो जाएंगे.

बिहार के 27 जिलों में लगेंगे ट्रैफिक सिग्नल, बनेंगे 40 नए ट्रैफिक पोस्ट

पटना (एजेंसी) बिहार में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं और हिट एंड रन मामलों को रोकने के लिए सरकार ने बड़ा कदम उठाया है. 27 जिलों में ट्रैफिक सिग्नल लगाए जाएंगे, 40 ट्रैफिक पोस्ट बनाए जाएंगे और 500 से अधिक कैमरे लगाए जाएंगे. प्रह्लाद कुमारः बिहार में लगातार सड़कों का विस्तार हो रहा है. ऐसे में लोगों के गाड़ियों की रफ्तार भी बढ़ी है. सड़कों पर दुर्घटनाएं भी बढ़ी है. इन्हीं दुर्घटनाओं को रोकने के लिए 27 जिलों में ट्रैफिक सिग्नल और 40 ट्रैफिक पोस्ट बनेंगे, ताकि रोड एक्सीडेंट में कमी आए. विभाग का मानना है कि सिग्नल रहने से गाड़ियों की गति पर अंकुश लगा रहता है. इस कारण से उन सभी जगहों पर सिग्नल लगाए जायेंगे. जहां सड़क दुर्घटनाएं अधिक होती है. उन जगहों पर ट्रैफिक पोस्ट बनाने के पीछे विभाग का मकसद है कि हिट एंड रन मामले में वाहन चालकों को पकड़ने में सुविधा हो सकें. अब एनएच,एसएच पर भी दुर्घटना वाले जगहों पर बनेंगे पोस्ट लगेगा सिग्नल विभाग के मुताबिक अब एनएच और एचएच पर भी वैसे जगहों पर ट्रैफिक सिग्नल और पोस्ट की संख्या बढ़ेगी. जहां पर सड़क दुर्घटनाएं अधिक होती है. शहरों के आस-पास के इलाकों में यातायात व्यवस्था बेहतर करने के लिए सभी जगहों 500 से अधिक कैमरा भी लगाये जायेंगे, ताकि यातायात नियम तोड़ने वालों पर सख्ती हो सकें. विभाग के मुताबिक 27 जिलों में ट्रफिक सिंग्नल सिस्टम की स्थापना की जायेगी. इसके लिए 152.45 करोड़ की राशि का प्राकलन तैयार किया गया है. टैफिक इंजीनियरिंग सेंटर की स्थापना के लिए तीन करोड़ की जरूरत पड़ेगी और 40 ट्रैफिक पोस्ट बनाने के लिए दो करोड़ खर्च होंगे. बिहार की ताजा खबरों के लिए क्लिक करें पटना में सबसे अधिक हिट एंड रन के मामले बिहार में एक जनवरी 2022 से 12 मई 2026 तक कुल 50 हजार 663 सड़क दुर्घटनाएं हुई है. जिसमें हिट एंड रन के मामले सबसे अधिक पटना में रिपोर्ट हुए हैं. परिवहन विभाग के मुताबिक पटना में 5093, गयाजी में 2437, रोहतास में 1781, मुजफ्फरपुर में 2691 , नालंदा में 188, भभुआ में 1079, बेगूसराय में 1598, भोजपुर में 1745, सिवान में 1274, सीतामढ़ी में 1108, औरंगाबाद में 1714, बेतिया में 2263, नवादा में 1231, पूर्णिया में 1350, गोपालगंज में 1198, वैशाली में 1769, समस्तीपुर में 1788, दरभंगा में 1377, अररिया में 988, जमुई में 896 मामले रिपोर्ट हुए हैं.

बिहार के हजारों रेल यात्रियों को बड़ा झटका, 100 दिनों तक नहीं चलेगी यह

पटना (एजेंसी) आरा से बनारस के बीच रोजाना सफर करने वाले हजारों यात्रियों के लिए बड़ी परेशानी वाली खबर है. रेलवे ने विकास कार्यों के चलते आरा-बनारस मेमू ट्रेन को करीब 100 दिनों के लिए रद्द कर दिया है. इस फैसले से छात्रों, नौकरीपेशा लोगों और दैनिक यात्रियों को वैकल्पिक साधनों पर निर्भर होना पड़ेगा. रेल यात्रियों के लिए एक बड़ी खबर है. आरा और बनारस के बीच चलने वाली मेमू ट्रेन को रेलवे ने करीब 100 दिनों के लिए रद्द कर दिया है. यह फैसला डीडीयू (पंडित दीनदयाल उपाध्याय) रेल मंडल में चल रहे विकास और तकनीकी कार्यों को देखते हुए लिया गया है. रेलवे की ओर से जारी सूचना के अनुसार गाड़ी संख्या 63229 आरा-बनारस मेमू और गाड़ी संख्या 63230 बनारस-आरा मेमू निर्धारित अवधि तक नहीं चलेगी. हजारों यात्रियों पर पड़ेगा असर आरा-बनारस मेमू ट्रेन इस रूट के हजारों लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा है. बड़ी संख्या में छात्र, नौकरीपेशा लोग, छोटे व्यापारी और यात्री इसी ट्रेन से सफर करते हैं. ऐसे में ट्रेन के लंबे समय तक बंद रहने से यात्रियों की चिंता बढ़ गई है. कई लोगों का कहना है कि यह उनके लिए सबसे सस्ता और सुविधाजनक सफर का साधन था. वैकल्पिक साधनों की बढ़ी चिंता ट्रेन रद्द होने के बाद यात्रियों को अब दूसरी ट्रेनों या सड़क मार्ग का सहारा लेना पड़ सकता है. हालांकि इस रूट की अन्य ट्रेनों में पहले से ही काफी भीड़ रहती है. यात्रियों का कहना है कि उन्हें अब अतिरिक्त खर्च और समय दोनों का सामना करना पड़ेगा. खासकर छात्रों और नौकरी करने वाले लोगों के लिए यह स्थिति मुश्किल पैदा कर सकती है. रेलवे ने यात्रियों को दी सलाह रेल प्रशासन ने यात्रियों से यात्रा से पहले ट्रेन संचालन की ताजा जानकारी लेने की अपील की है. इसके लिए रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट, एनटीईएस ऐप और हेल्पलाइन की मदद लेने को कहा गया है. साथ ही यात्रियों को अन्य उपलब्ध ट्रेनों के अनुसार अपनी यात्रा की योजना बनाने की सलाह दी गई है. भविष्य में मिलेगी बेहतर सुविधा रेलवे अधिकारियों का कहना है कि यह फैसला यात्रियों की सुरक्षा और बेहतर रेल सुविधाओं को ध्यान में रखकर लिया गया

खान सर और रोशन सर कोचिंग विवाद मामले में पप्पू यादव की एंट्री, प्रशासन और यूट्यूबर्स पर उठाए सवाल

पटना (एजेंसी) पटना में कोचिंग संस्थानों को लेकर चल रहे विवाद और फैसल खान उर्फ खान सर पर दर्ज त्रक्षक्र के बीच पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने कई सवाल उठाए. उन्होंने खान सर और रोशन आनंद दोनों का समर्थन करते हुए निष्पक्ष जांच की भी मांग की है. बिहार के पटना में दो बड़े कोचिंग संचालकों के बीच चल रहे विवाद और खान सर पर दर्ज हुई एफआईआर (त्रक्षक्र) के मामले में पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव की प्रतिक्रिया सामने आई है. उन्होंने आरोप लगाया है कि राजस्थान के कोटा के बड़े कोचिंग संस्थानों, कुछ स्थानीय यूट्यूबर्स और खुद पटना के प्रशासनिक अधिकारियों की मिलीभगत से इस मामूली विवाद को इतना बड़ा तूल दिया जा रहा है. पप्पू यादव ने बताया कि इस पूरे मामले में पटना का जिला प्रशासन न्याय करने के बजाय आग में घी डालने का काम कर रहा है. सांसद पप्पू यादव ने इस विवाद पर कहा कि पटना के बड़े

और सफल शिक्षण संस्थानों को प्लान्ड तरीके से बदनाम करने की एक साजिश रची जा रही है. सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाले छोटे-बड़े यूट्यूबर्स ने इस मुद्दे को पूरी तरह से भटका दिया है. कल तक देश-दुनिया में खान सर की एक ग्लोबल रिस्पेक्ट रही है और ठीक उसी तरह ज्ञान बिंदु के रौशन आनंद सर की भी बिहार और झारखंड के गरीब और होनहार बच्चों के बीच एक बेहद सम्मानजनक छवि बनी हुई है. रौशन आनंद को जेल भेजने पर उठाए सवाल पप्पू यादव ने दोनों शिक्षकों का बचाव करते हुए कहा कि प्रशासन और यूट्यूबर्स पर उठाए सवाल. उन्होंने कहा कि खान सर और रौशन आनंद दोनों ही बिहार के बेहद सम्मानित व्यक्ति हैं. कोचिंग के बच्चों के बीच सोशल मीडिया पर गाली-गलौज और नफरत की शुरूआत कैसे और किसने की, इसकी जांच होनी चाहिए. अगर खान सर के किसी सुरक्षा गार्ड या किसी अन्य कर्मचारी ने कोई गलती की है, तो कानूनी तौर पर सिर्फ उस गार्ड की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए. पुलिस को यह सोचना चाहिए कि इसमें खुद खान सर की व्यक्तिगत भागीदारी कितनी है. ठीक इसी तरह रौशन सर की भी इस हिंसक झड़प में कोई सीधी भूमिका सामने नहीं आई है. अगर रौशन आनंद के किसी छात्र, समर्थक या रिश्तेदार ने आवेश में आकर कोई गलती कर दी, तो उसके लिए सीधे रौशन सर को कैसे गुनहगार मान लिया गया और उन्हें आनन-फानन में जेल क्यों भेज दिया गया. अगर किसी सुरक्षाकर्मी ने बदमाशी की है, तो खान सर को आरोपी बनाना भी पूरी तरह गलत है. पप्पू यादव ने आरोप लगाया कि खान सर का असली नाम फैसल खान उछालकर इस पूरे आपराधिक मामले को सांप्रदायिक या किसी दूसरी दिशा में मोड़ने की जानबूझकर गंदी कोशिश की जा रही है.

बिहार में 3 नए रिवरफ्रंट एक्सप्रेस-वे की टेंडर प्रक्रिया शुरू, गंगा और गंडक किनारे फर्राटा भरेंगी हाईस्पीड गाड़ियां,

पटना (एजेंसी) बिहार में गंगा और गंडक नदी के किनारे 220 किलोमीटर लंबे तीन नए फोरलेन रिवरफ्रंट एक्सप्रेस-वे बनाने की तैयारी शुरू हो गई है. विश्वामित्र पथ, अंबिका पथ और नारायणी पथ नाम की ये सड़कें राज्य में यातायात, व्यापार और निवेश को नई रफ्तार देंगी. : बिहार में सड़क कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए राज्य सरकार ने एक बड़ी योजना पर काम शुरू कर दिया है. गंगा और गंडक नदी के किनारे करीब 220 किलोमीटर लंबे तीन नए फोरलेन रिवरफ्रंट एक्सप्रेस-वे बनाए जाएंगे. माना जा रहा है कि इन सड़कों के बनने से राज्य में यातायात, व्यापार और निवेश को नई रफ्तार मिलेगी. इस महत्वाकांक्षी परियोजना को बिहार राज्य पथ विकास निगम विकसित करेगा. इसके लिए टेंडर प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है. पहले बनेगी विस्तृत रिपोर्टपथ निर्माण विभाग के अनुसार, परियोजना के लिए विशेषज्ञ एजेंसियों का चयन किया जाएगा. ये एजेंसियां सड़क का डिजाइन, भूमि अधिग्रहण, पर्यावरणीय मंजूरी और अन्य तकनीकी पहलुओं का अध्ययन करेंगी. अगले 12 महीनों में विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार होने के बाद निर्माण लागत तय की जाएगी और फिर निर्माण कार्य शुरू होगा मॉडल पर बनेगी परियोजना सरकार इन तीनों एक्सप्रेस-वे को पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप) मॉडल पर विकसित करेगी. इससे सरकार पर वित्तीय बोझ कम पड़ेगा और निजी निवेश भी आकर्षित होगा. इन तीनों परियोजनाओं का नाम विश्वामित्र पथ, अंबिका पथ और नारायणी पथ रखा गया है. विश्वामित्र पथः मनेर से बक्सर तक विश्वामित्र पथ करीब 90 किलोमीटर लंबा होगा. यह मनेर से शुरू होकर आरा होते हुए बक्सर तक जाएगा. बक्सर में इस सड़क को उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे और जनेश्वर मिश्र पुल से जोड़ा जाएगा. इससे बिहार से लखनऊ और दिल्ली तक की यात्रा आसान और तेज हो जाएगी. अंबिका पथः पटना के ट्रैफिक को मिलेगी राहत अंबिका पथ लगभग 56 किलोमीटर लंबा होगा. यह बिदुपुर, सोनपुर और दिघवारा को जोड़ेगा. यह सड़क जेपी सेतु, महात्मा गांधी सेतु और कच्ची दरगाह-बिदुपुर पुल से भी जुड़ेगी. इसके बनने से पटना में ट्रैफिक का दबाव कम होगा और प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तक पहुंचना आसान हो जाएगा. नारायणी पथः व्यापार को मिलेगी नई रफ्तार नारायणी पथ 74 किलोमीटर लंबा फोरलेन एक्सप्रेस-वे होगा. यह सोनपुर के दरिहारा से गोपालगंज के डुमरिया तक गंडक नदी के किनारे बनाया जाएगा. यह मार्ग पटना को ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर से जोड़ेगा. साथ ही माल ढुलाई, व्यापार और औद्योगिक गतिविधियों को भी बढ़ावा देगा. सारण और गोपालगंज के दियारा क्षेत्रों के विकास में भी यह सड़क महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी. रोजगार और निवेश के बढ़ेंगे अवसर पथ निर्माण मंत्री ई. शैलेन्द्र ने कहा कि विकसित बिहार के लक्ष्य को हासिल करने के लिए आधुनिक सड़क नेटवर्क जरूरी है. उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं के पूरा होने से सड़क परिवहन बेहतर होगा, निवेश बढ़ेगा, उद्योगों को फायदा मिलेगा और पर्यटन को भी नई पहचान मिलेगी. इसके साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे. सरकार का मानना है कि ये तीनों रिवरफ्रंट एक्सप्रेस-वे बिहार को राष्ट्रीय राजमार्ग और एक्सप्रेस-वे नेटवर्क से बेहतर तरीके से जोड़ेंगे और राज्य की अर्थव्यवस्था को नई दिशा देंगे.

7 जून से 11 जून तक बिहार के इन जिलों में जारी रहेगा आंधी-तूफान और बारिश का दौर, IMD ने जारी किया डबल अलर्ट

पटना (एजेंसी) बिहार में 7 से 11 जून तक मौसम का मिजाज बिगड़ा रहेगा. मौसम विज्ञान केंद्र पटना ने आंधी, वज्रपात और भारी बारिश को लेकर ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया है. बिहार में अगले चार दिनों तक मौसम का मिजाज बदला हुआ रहने वाला है. मौसम विज्ञान केंद्र पटना ने 7 जून से 11 जून तक के लिए चेतावनी जारी की है. इसमें राज्य के कई जिलों में गरज-चमक, वज्रपात, तेज हवा और कुछ जगहों पर भारी बारिश की संभावना जताई गई है. मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है. बिहार के इन जिलों में खराब रहेगा मौसम मौसम विज्ञान केंद्र पटना ने 7 जून से 9 जून तक बिहार के अधिकांश जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है. इन जिलों में वज्रपात, गरज के साथ बारिश और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चल सकती है. जिन जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है उनमें पटना, वैशाली, मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी, शिवहर, मधुबनी, दरभंगा, समस्तीपुर, बेगूसराय, खगड़िया, सहरसा, सुपौल, मधेपुरा, पूर्णिया, कटिहार, किशनगंज, अररिया, भागलपुर, बांका, मुंगेर, लखीसराय, शेखपुरा, नालंदा, नवादा, जहानाबाद, गया और जमुई जिले शामिल हैं. कई जिलों में ऑरेंज अलर्ट मौसम विज्ञान केंद्र पटना ने 9 जून से 10 जून तक कई जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है. इस दौरान पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सीवान, सारण, मुजफ्फरपुर, वैशाली, सीतामढ़ी, शिवहर, मधुबनी, दरभंगा, समस्तीपुर, बेगूसराय, खगड़िया, सहरसा, सुपौल, मधेपुरा, पूर्णिया, कटिहार, किशनगंज, अररिया, भागलपुर, मुंगेर, बांका और जमुई में गरज के साथ बारिश, वज्रपात और 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने

की आशंका है. कुछ इलाकों में भारी बारिश भी हो सकती है. इन जिलों में येलो अलर्ट रहेगा बक्सर, भोजपुर, कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, गया, अरवल, जहानाबाद, पटना, नालंदा, शेखपुरा, लखीसराय और नवादा जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है. यहां भी बारिश, वज्रपात और तेज हवा का असर देखने को मिल सकता है, लेकिन खतरा ऑरेंज अलर्ट वाले जिलों की तुलना में कम रहेगा. बिहार की ताजा खबरों के लिए क्लिक करें 11 जून को दिखेगा मौसम का विकराल रूप मौसम विज्ञान केंद्र पटना ने बताया कि 11 जून को बक्सर, भोजपुर, कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, नवादा, जमुई, बांका, भागलपुर, मुंगेर, खगड़िया, सहरसा, मधेपुरा, पूर्णिया, अररिया, किशनगंज और कटिहार में भारी बारिश, वज्रपात और 50-60 किमी की रफ्तार से आंधी चलने का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है. पटना, गया, जहानाबाद, अरवल, नालंदा, शेखपुरा, लखीसराय, बेगुसराय, समस्तीपुर, वैशाली, सारण, सीवान, गोपालगंज, मुजफ्फरपुर, शिवहर, सीतामढ़ी, पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, दरभंगा, मधुबनी और सुपौल में येलो अलर्ट जारी किया गया है.

पटना में गैस उपभोक्ताओं का फूटा गुस्साः मोबाइल पर आया डिलीवरी का मैसेज, पर घर नहीं पहुंचा सिलेंडर; एजेंसी के बाहर बवाल!

पटना (एजेंसी) फुलवारी शरीफ के नोहसा स्थित सुलभ गैस एजेंसी के बाहर उपभोक्ताओं ने लगातार दूसरे दिन जोरदार प्रदर्शन किया. होम डिलीवरी ठप होने और फर्जी मैसेज आने का आरोप. पढ़ें ग्राउंड रिपोर्ट. बिहार की राजधानी पटना के फुलवारी शरीफ इलाके से आम जनता की परेशानी और प्रशासनिक दावों की पोल खोलती एक बड़ी खबर सामने आ रही है. फुलवारी शरीफ के नोहसा स्थित सुलभ गैस एजेंसी की मनमानी और लचर व्यवस्था के खिलाफ स्थानीय उपभोक्ताओं का आक्रोश सातवें आसमान पर पहुंच गया है. गुरुवार को लगातार दूसरे दिन भारी संख्या में पीड़ित महिलाओं, बुजुर्गों और युवाओं ने गैस एजेंसी कार्यालय का घेराव कर जोरदार प्रदर्शन किया. उग्र उपभोक्ताओं ने एजेंसी प्रबंधन पर सीधा मनमानी का आरोप लगाते हुए पटना जिलाधिकारी से तुरंत दखल देने की गुहार लगाई है. गैस मिली नहीं और मोबाइल पर आ गया ह्यसक्सेसफुल डिलीवरी का फर्जी मैसेज! प्रदर्शन कर रहे लोगों ने गैस एजेंसी के एक बड़े खेल का खुलासा करते हुए बताया कि डिजिटल व्यवस्था के नाम पर उपभोक्ताओं के साथ मजाक हो रहा है. गैस बुकिंग कराने के बाद ग्राहकों को बाकायदा डीएनए नंबर जारी कर दिया जाता है. इसके बाद उपभोक्ताओं के मोबाइल पर बकायदा सिलेंडर डिलीवर होने का मैसेज भी आ जाता है, जबकि हकीकत में उनके घर तक गैस सिलेंडर पहुंचता ही नहीं है. इस फर्जी मैसेजिंग के कारण लोगों को भीषण गर्मी में गैस गोदाम और दफ्तर के चक्कर काटने पड़ रहे हैं. ठप होम डिलीवरी घर-घर सिलेंडर पहुंचाने की व्यवस्था पूरी तरह बंद है, लोग खुद ढोने को मजबूर हैं. कामकाज का नुकसानलोगों ने कहा- हम अपनी नौकरी पर जाएं, कमाएं-खाएं या यहाँ घंटों लाइन में खड़े रहें? पुलिसिया खौफ महिलाओं ने रुआंसे होकर कहा-आवाज उठाओ तो पुलिस लाठी और केस की धमकी देती है.ह्व प्रदर्शन में शामिल उपेंद्र शर्मा ने आरोप लगाया कि उपभोक्ताओं को नियमित और पारदर्शी तरीके से गैस उपलब्ध कराने के बजाय एजेंसी अपनी मनमानी पर अड़ी है. उन्होंने चेतावनी दी कि यदि 24 घंटे के भीतर होम डिलीवरी व्यवस्था सुचारू नहीं की गई, तो इस आंदोलन को और उग्र किया जाएगा. प्रोप्राइटर का दावा सब ठीक ह पर जनता बोली दिखावा है इस पूरे बवाल और हंगामे पर अपना पक्ष रखते हुए सुलभ गैस एजेंसी की प्रोप्राइटर ने जनता के सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया. उन्होंने दावा किया कि जिला प्रशासन के कड़े निदेर्शानुसार हर घर तक गैस की होम डिलीवरी सुरक्षित तरीके से

पहुंचाई जा रही है और किसी भी उपभोक्ता को परेशान होने की जरूरत नहीं है. हालांकि, प्रोप्राइटर के इस दावे के उलट जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है. दफ्तर के बाहर लगी लंबी कतारें साफ बता रही हैं कि व्यवस्था पूरी तरह पटरी से उतर चुकी है. प्रदर्शनकारियों ने आक्रोश जताते हुए सीधे पटना के जिलाधिकारी से इस पूरी धांधली की उच्च स्तरीय जांच कराने और उपभोक्ताओं को इस कतार प्रणाली से मुक्ति दिलाने की मांग की है.

अपने बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य का ख्याल रखें

हम सभी अपने बच्चों के लिए सर्वोत्तम चाहते हैं, लेकिन माता-पिता बनना हमेशा आसान नहीं होता। हमारा मानसिक स्वास्थ्य हमारे समग्र स्वास्थ्य और कल्याण का एक मूलभूत हिस्सा है। एक अभिभावक के रूप में, आप अपने बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य का समर्थन करने में एक बड़ी भूमिका निभाते हैं। पोषण और प्यार भरी देखभाल एक मजबूत नींव का निर्माण करती है, जिससे आपके बच्चे को एक खुशहाल, स्वस्थ और पूर्ण जीवन जीने के लिए आवश्यक सामाजिक और भावनात्मक कौशल विकसित करने में मदद मिलती है।

यहाँ आपके बच्चे और आपके खुद के मानसिक स्वास्थ्य का समर्थन करने में आपकी मदद करने के लिए विशेषज्ञ सुझाव और संसाधन दिए गए हैं। ये सुझाव आपको शरीर की छवि, साथियों के दबाव और बदमाशों से जुड़े संवेदनशील मुद्दों को बेहतर ढंग से समझाने में मदद करेंगे। अपने बच्चे को समझाएं कि मानव शरीर कैसे काम करता है और यौवन एक प्राकृतिक प्रक्रिया है जिसका अनुभव हर कोई करता है। उनके शरीर में भी बदलाव आएगा।

सकारात्मक प्रेरणा

दूसरों में नकारात्मक शारीरिक विशेषताओं की ओर इशारा करके या किसी को अपमानजनक उपनाम देकर उदाहरण न पेश करें। बच्चे इसे समझ लेते हैं और ऐसा कर सकते हैं या अपने शरीर को लेकर असहज महसूस कर सकते हैं। इसके बजाय, अपने बच्चे और दूसरों में जो अच्छे गुण आप देखते हैं, उनकी प्रशंसा करें।

एक अच्छा उदाहरण स्थापित करें

आप अपने और दूसरों के शरीर को किस तरह महत्व देते हैं, यह आपके बच्चे के दिमाग में अंकित हो सकता है। उन्हें बताएं कि सक्रिय रहने और स्वस्थ आहार लेने का उद्देश्य सिर्फ़ बेहतर दिखना नहीं है, इसके और भी कई फायदे हैं।

सोशल मीडिया पर मौजूदगी सीमित रखें

इसमें कोई संदेह नहीं है कि बच्चे सोशल मीडिया पर जो कुछ भी देखते हैं, उससे प्रभावित हो रहे हैं। ट्रेंडी बनने की कोशिश में, बच्चे असुरक्षित और असुरक्षित हो जाते हैं, और उन्हें बॉडी शेमिंग का सामना करना पड़ सकता है। अपने बच्चे के लिए नियम निर्धारित करें और बताएं कि वह सोशल मीडिया का किस प्रकार उपयोग करता है तथा वह किस प्रकार की सामग्री पोस्ट करता है।

साथियों के दबाव से निपटना

माता–पिता के तौर पर, यह जानना अच्छा है कि आपका बच्चा किसके साथ दोस्त है। अपने बच्चे को अपने दोस्तों को घर पर कुछ समय बिताने के लिए लाने के लिए प्रोत्साहित करें। इस तरह, आप जान पाएंगे कि वे आपके बच्चे पर अच्छा या बुरा प्रभाव डाल रहे हैं या नहीं।

उन्हें सिखाएं कि नहीं कहना ठीक है

आपके बच्चे को यह जानना जरूरी है कि कुछ स्थितियों में नही कहना बिल्कुल ठीक है। और आप अपने निर्णयों में स्पष्ट और दृढ़ होकर उनके लिए एक उदाहरण स्थापित कर सकते हैं। यह उन्हें अपने साथियों के साथ उसी भाषा का उपयोग करने की अनुमति देता है, अगर वे किसी चीज के बारे में असहज या अनिश्चित हैं।

उन्हें अपने मुद्दों पर बात करने का समय दें

शांत रहें और उनकी बात सुनें। उन्हें इन मुद्दों पर बात करने में सहज महसूस कराएँ। उनके नजरिए से इसे समझें और जो कुछ हो रहा है उसके लिए उन्हें दोष न दें।

हर बच्चे को थोड़ी आजादी मिलनी चाहिए

बच्चे अपने आस–पास की दुनिया को जानने के लिए स्वतंत्र और स्वतंत्र होना चाहते हैं। माता–पिता के रूप में, आप परिभाषित कर सकते हैं कि कितना स्वीकार्य है। उनसे उन दोस्तों के बारे में बात करें जो उनके निर्णयों को प्रभावित कर रहे हैं और क्या यह सब इसके लायक है?

क्या मित्र सच्चा मित्र होता है?

अपने बच्चे को यह समझने में मदद करें कि सच्चा दोस्त क्या होता है। अगर यह दोस्त आपके बच्चे को कुछ ऐसा करने के लिए मजबूर कर रहा है जिसका उसे पछतावा हो या वह ऐसा बनने के लिए मजबूर कर रहा है जो वह नहीं है, तो क्या वह व्यक्ति वास्तव में दोस्ती के लायक है? अपने बच्चे के नजरिए से मुद्दों को समझें और जो कुछ हो रहा है उसके लिए अपने बच्चों को दोष न दें।

अपने बच्चे को सुनिए

आपको अपने बच्चे की बात ध्यान से सुननी चाहिए कि वह बदमाशी के बारे में क्या कहता है। उसे गंभीरता से लें और शांति से सहानुभूति रखें। अपने बच्चे को यह भरोसा दिलाकर उसका समर्थन करें कि जो हो रहा है वह गलत है; आप उसे समस्या से निपटने में कुछ मदद दिलवाएंगे।

उनके साथ स्पष्ट और खुली चर्चा करें

अपने बच्चे से अपने अनुभवों के बारे में बात करें। उन्हें अपने जीवन में अन्य वयस्कों से बात करने के लिए प्रोत्साहित करें जिनके साथ वे करीब हो सकते हैं। इस तरह के रिश्ते को बनाए रखने की पूरी कोशिश करें जहाँ आप संचार के रास्ते खुले रखें।

समस्या का समाधान मिलकर करें

आप अपने बच्चे की मदद कर सकते हैं, बदमाशी के बारे में समस्या–समाधान बातचीत करके और साथ मिलकर इससे निपटने की रणनीति बनाकर। सक्रिय बातचीत करना और नियमित रूप से रणनीति पर चर्चा करना डर या गुस्से में प्रतिक्रिया करने से कहीं बेहतर है।

उन्हें सिखाएं कि बदमाशों से कैसे निपटें

ऐसे हालात से निपटने के लिए दूर चले जाना और धमकाने वाले से उलझना नहीं, सबसे बढ़िया तरीका है। गुस्सा या डर न दिखाने के लिए आप रोल–प्लेइंग का अभ्यास कर सकते हैं।

जानें कि बदमाशी के खिलाफ कैसे खड़ा होना है

जब आपके बच्चे को धमकाया जा रहा हो तो फ्रबंद करोफ्र या बंद करो या फ्रयह मजाक नहीं हैफ्र जैसे एक सरल वाक्यांश बहुत प्रभावी हो सकते हैं। उन्हें ऐसा कुछ कहने का तरीका खोजने के लिए प्रोत्साहित करें जो उन्हें सही लगे। उन्हें दूसरे व्यक्ति का अपमान करने की जरूरत नहीं है लेकिन बोलना शक्तिशाली है।

आम का मजा, ठंडक का एहसास जानिए आम पर्ना बनाने की रेसिपी

आम पर्ना एक स्वादिष्ट और हेल्दी ड्रिंक है, जिसे गर्मियों में खासतौर पर पीने का आनंद लिया जाता है। यह एक स्वादिष्ट आम का शरबत है, जो ना केवल स्वाद में लाजवाब होता है, बल्कि शरीर को ठंडक भी देता है। खासकर जब आम का मौसम होता है, तो इसका स्वाद और भी बढ़ जाता है। तो आइए, जानते हैं आम पर्ना बनाने की आसान सी रेसिपी:

सामग्री

1 पका हुआ आम (अल्फांसो या कोई भी मीठा आम)
1 कप ठंडा पानी
2–3 चम्मच चीनी (स्वादानुसार)
1/2 चम्मच भुना जीरा पाउडर
1/4 चम्मच काला नमक
1/4 चम्मच सादा नमक
1/2 चम्मच नींबू का रस
पुदीने की पत्तियां
बर्फ के टुकड़े

विधि

1. सबसे पहले, अच्छे से पका हुआ आम लें। आम को छीलकर उसका गूदा निकाल लें। ध्यान रखें कि आम पूरी तरह से पका हुआ हो ताकि उसका स्वाद मीठा और गाढ़ा हो।
2. अब आम के गूदे को एक मिक्सर जार में डालें। साथ ही उसमें ठंडा पानी डालें। अगर आप इसे थोड़ा पतला रखना चाहते हैं तो पानी की मात्रा बढ़ा सकते हैं।
3. मिक्सर में स्वादानुसार चीनी, भुना जीरा पाउडर, काला नमक और सादा नमक डालें। यह मसाले आम पन्ना को एक अलग ही स्वाद देंगे।
4. अगर आपको थोड़ा खट्टापन पसंद है तो नींबू का रस भी डाल सकते हैं। यह आम पन्ना को और भी ताजगी और स्वाद देगा।
5. अब सभी चीजों को अच्छे से मिक्स करें, ताकि आम का गूदा और मसाले एकदम अच्छे से मिल जाएं। मिक्सर को 1–2 मिनट तक चलाएं, ताकि एक स्मूथ और गाढ़ा पेस्ट तैयार हो जाए।
6. अगर मिश्रण बहुत गाढ़ा हो, तो इसमें थोड़ा और ठंडा पानी डालें और अच्छे से मिक्स करें। अब आपका आम पन्ना तैयार है।

आम पन्ना को गिलास में डालें और ऊपर से पुदीने की पत्तियां डालकर सजाएं। आप इसे बर्फ के टुकड़ों के साथ भी सर्व कर सकते हैं, ताकि गर्मी में ठंडक मिले। इस आसान रेसिपी को ट्राई करें और अपने परिवार और दोस्तों के साथ इसका आनंद लें!

बच्चों को बनाना है संस्कारी, तो माता–पिता अपनाएं ये टिप्स

हर माता पिता अपने बच्चे से बहुत अधिक प्रेम करते हैं। अभिभावक हमेशा चाहते हैं कि उनका बच्चा स्वस्थ और सुखी रहे। बच्चे की खुशियों के लिए वह उनकी लगभग सभी मांगें भी पूरी करना चाहते हैं। इसके अलावा उनके उज्जवल भविष्य के लिए अच्छी शिक्षा दिलाना चाहते हैं। लेकिन अक्सर माता पिता बच्चे के प्रेम में कुछ ऐसी गलतियां कर जाते हैं, जो बच्चे के व्यवहार पर दुष्प्रभाव डालता है। बच्चे के पालन पोषण के दौरान उनकी हर जरूरत को पूरा करने के साथ ही बड़ी छोटी मांगों को पूरा करना, उनकी गलतियों को नजरअंदाज करना, उनके जिद्दी और गुस्सैल रवैए को बिना रोक टोक अपना लेने से बच्चा बिगड़ने लगता है और उसका भविष्य भी खराब होने लगता है। ऐसे में माता पिता को चाहिए कि वह बचपन से बच्चे को संस्कार और अनुशासन सिखाएं, ताकि बच्चा एक आदर्श इंसान, अच्छा बेटा और सफल नागरिक बन सके। चलिए जानते है कि बच्चे को संस्कारी और अनुशासित बनाने के लिए अभिभावक को क्या करना चाहिए।

बड़ों से अनुमति लेना सीखें

बच्चे अगर अपने मन मुताबिक कार्य करना चाहते हैं तो इसमें कुछ गलत नहीं लेकिन छोटी उम्र में उन्हें सही गलत का पता नहीं होता। ऐसे में मन मर्जी से किया हुआ कार्य गलत राह पर भी ले जा सकता है। इसलिए माता पिता को बच्चों में शुरुआत से पूछकर कार्य करने की आदत डलवानी चाहिए। भोजन करने से पहले माता पिता की अनुमति, बाहर खेलने जाने के लिए माता पिता की अनुमति लेनी चाहिए। बड़ों से पूछने की आदत डालना बच्चों को संस्कारी बना देता है। हालांकि अभिभावकों को भी बच्चों की पसंद और इच्छा का ध्यान रखना चाहिए। ऐसे में बच्चे अनुमति मांगे तो माता पिता को उनकी सलाह लेनी चाहिए कि वह क्या करना चाहते हैं।

गलती पर रोकें

अक्सर बच्चे गलती पर रोके न जानें, डांट न पड़ने और अधिक लाड प्यार के कारण बिगड़ते हैं। छोटी उम्र में जब बच्चे तोतली जुबान से बड़ों के नाम लेते हैं तो सभी को अच्छा लगता है। लेकिन बच्चे को उसी उम्र में रोकें कि वह बड़ों के नाम से नहीं बल्कि रिश्ते के संबोधन से ही बुलाएं। बच्चे की गलतियों पर हंसने या उसे इग्नोर करने के बजाय पहली बार ही अगर माता पिता बच्चे को टोंक देंगे तो वह गलती नहीं दोहराएगा।

सभी का सम्मान करें

बच्चों को संस्कार सिखाने के लिए सबसे जरूरी है कि उन्हें बड़ों और अपने से छोटों का सम्मान करना सिखाएं। अगर बच्चा सम्मानपूर्वक कोई बात न पूछे, रोए– चिल्लाए और पैर पटक कर बात करे, तो अपना फैसलना न बदलें। बल्कि उन्हें समझाएं कि इस तरह के उनकी कोई बात नहीं मानी जाएगी। किसी भी कार्य को सही तरीके से करने के लिए उन्हें सभी को सम्मान देना चाहिए। इस बात का पाठ पढ़ाने से बच्चा अपने गलत व्यवहार को बदल सकता है।

चिल्लाकर या क्रोध में बात न करें

अक्सर छोटे बच्चे अपनी बात मनवाने के लिए चिल्लाकर बात करते हैं। लाड प्यार के कारण क्रोध करना सीख जाते हैं और किसी से भी क्रोध में बात करने लगते हैं। अगर उनके चिल्लाने या गुस्सा करने से आप उनकी बातें मान लेते हैं तो बच्चा हर बार यही व्यवहार करता है। बचपन में तो इस तरह का व्यवहार संभाला जा सकता है लेकिन बड़े होने पर भी बच्चे में क्रोध और चिल्ला कर बात पूरी कराने की आदत बन सकती है। इसलिए उन्हें गुस्से पर नियंत्रण करना सिखाएं।

शेयर करना सीखें

बच्चा अपने माता पिता का प्यार किसी दूसरे से साझा नहीं करना चाहिए। कम उम्र में जब बच्चे का छोटा या बड़ा भाई– बहन या दूसरे बच्चों के साथ उन्हें रखा जाता है, तो वह अपने माता पिता को दूसरे बच्चे से लाड प्यार करते देख चिढ़ते हैं। इसके अलावा घर पर दो या दो से अधिक हमउम्र बच्चों की लड़ाई की एक वजह भी यही होती है कि वह एक दूसरे से अपनी चीजें साझा नहीं करना चाहते। ऐसे में बच्चे को शेयरिंग सिखाएं। दूसरे से अपनी चीजें बांटना, कुछ खाने पीने से पहले दूसरों से पूछना और स्वार्थ न दिखाना, यह सब बच्चों में अच्छे संस्कार के गुण बनते हैं।

महिला अंडर-18 एशिया कप 2026 : भारत ने कोरिया को 3-0 से हराकर जीता कांस्य पदक

एजेंसी

नई दिल्ली : भारतीय अंडर-18 महिला हॉकी टीम ने शनिवार को जापान के काकामिगाहारा में खेले गए महिला अंडर-18 एशिया कप 2026 के कांस्य पदक मुकाबले में कोरिया को 3-0 से हराकर शानदार जीत दर्ज की और टूर्नामेंट का समापन कांस्य पदक के साथ किया। भारत की ओर से संदीपा कुमारी (2वां मिनट), कप्तान स्वीटी कुजूर (16वां मिनट) और नौशीन नाज (33वां मिनट) ने गोल दागे। पूरे मुकाबले में भारतीय टीम ने आक्रामक खेल और मजबूत रक्षापंक्ति का शानदार प्रदर्शन किया। सेमीफाइनल में चीन के खिलाफ शूटआउट में मिली करीबी हार के बाद भारतीय टीम ने कांस्य पदक मुकाबले में दमदार वापसी की। मैच शुरू होने के मात्र दो मिनट के भीतर संदीपा कुमारी ने बेहतरीन गोल कर भारत को बढ़त दिला दी। पहले गोल के बाद भारतीय टीम लगातार आक्रमण करती रही और गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा। इसका फायदा 16वें मिनट में मिला जब कप्तान स्वीटी कुजूर ने फील्ड गोल कर भारत की बढ़त 2-0 कर दी। दूसरे हाफ में भी भारत ने अपना दबदबा बनाए रखा। 33वें मिनट में टूर्नामेंट की शीर्ष गोल स्कोरर नौशीन नाज ने शानदार फील्ड गोल कर बढ़त को 3-0 तक पहुंचा दिया। इस गोल के साथ नौशीन ने पूरे टूर्नामेंट में अपने गोलों की संख्या 12 कर ली और शीर्ष स्कोरर के रूप में अपनी स्थिति और मजबूत कर ली। रक्षापंक्ति में भी भारतीय टीम ने अनुशासित प्रदर्शन किया और कोरिया को कोई स्पष्ट मौका नहीं दिया। भारतीय खिलाड़ियों ने क्लीन शीट बनाए रखते हुए मुकाबला आसानी से अपने नाम कर लिया। शानदार प्रदर्शन और शुरुआती गोल करने वाली संदीपा कुमारी को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। महिला अंडर-18 एशिया कप 2026 में भारतीय टीम ने कुल 36 गोल दागते हुए अपनी आक्रामक क्षमता, मजबूत रक्षा और भविष्य की संभावनाओं की शानदार झलक दिखाई। वहीं, महिला अंडर-18 एशिया कप 2026 का फाइनल शनिवार को भारतीय समयानुसार दोपहर 1:30 बजे चीन और मेजबान जापान के बीच खेला जाएगा। दूसरी ओर, भारतीय अंडर-18 पुरुष हॉकी टीम भी शनिवार को भारतीय समयानुसार शाम 3:30 बजे जापान अंडर-18 टीम के खिलाफ फाइनल मुकाबले में उतरेगी।

भारत-अफगानिस्तान टेस्ट पहला दिन : राहुल और गिल के शतकों से भारत मजबूत स्थिति में

एजेंसी

न्यू चंडीगढ़ : सलामी बल्लेबाज केएल राहुल और कप्तान शुभमन गिल के शानदार शतकों की बदौलत भारतीय टीम ने अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के पहले दिन मजबूत पकड़ बना ली है। दिन का खेल समाप्त होने तक भारत ने 85 ओवर में 3 विकेट पर 368 रन बना लिए हैं। पहली बार पुरुष टेस्ट मैच की मेजबानी कर रहे न्यू चंडीगढ़ में गर्म मौसम के बीच भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी। हालांकि शुरुआती ओवरों में अफगानिस्तान के तेज गेंदबाजों ने मुश्किलें खड़ी कीं। अजमतुल्लाह उमरजई और मोहम्मद सलीम ने नई गेंद से असमान उछाल और स्विंग हासिल करते हुए भारतीय बल्लेबाजों को लगातार परेशान किया। इसी दौरान केएल राहुल 16 रन पर जीवनदान भी पा गए, जब जियाउर अहमद की गेंद पर विकेटकीपर के पास कैच गया लेकिन अफगानिस्तान ने डीआरएस नहीं लिया। बाद में रिप्ले में राहुल के बल्ले का किनारा दिखाई दिया। यशस्वी जायसवाल ने कुछ आक्रामक शॉट लगाए, लेकिन 32 गेंदों में 24 रन बनाकर मोहम्मद सलीम का पहला टेस्ट विकेट बने।

इसके बाद बी साई सुदर्शन और राहुल ने पारी को संभाला। साई सुदर्शन ने शुरुआत से आत्मविश्वास दिखाया और तेजी से रन बनाए। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 131 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी हुई। साई सुदर्शन अपने पहले टेस्ट शतक के करीब दिखाई दे रहे थे, लेकिन 81 रन पर आउट हो गए। उन्होंने अपनी पारी में कई आकर्षक शॉट लगाए और भारतीय मध्यक्रम को मजबूती दी। दूसरी ओर राहुल ने धैर्य और संयम के साथ बल्लेबाजी करते हुए अपना 12वां टेस्ट शतक पूरा किया। उन्होंने शुरुआती चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों को पार किया और 100 रन बनाकर आउट हुए। टेस्ट क्रिकेट में यह तीसरी बार था जब राहुल ठीक 100 रन पर आउट हुए। राहुल के आउट होने के बाद कप्तान शुभमन गिल ने आक्रामक अंदाज अपनाया। उन्होंने थके हुए अफगान गेंदबाजी आक्रमण का पूरा फायदा उठाया और बेहतरीन स्ट्रोकप्ले के साथ अपना 11वां टेस्ट शतक पूरा किया। गिल दिन का खेल समाप्त होने तक 103 रन बनाकर नाबाद लौटे। ऋषभ पंत ने भी संयम और आक्रामकता का शानदार मिश्रण दिखाया। अपने 50वां टेस्ट मैच में खेल रहे पंत ने शुरुआत में सावधानी बरती और फिर स्पिनर अब्दुल मलिक के खिलाफ तीन छक्के लगाकर तेजी से रन जुटाए। पंत 50 रन बनाकर नाबाद रहे। अफगानिस्तान की ओर से मोहम्मद सलीम सबसे सफल गेंदबाज रहे और उन्होंने 67 रन देकर 2 विकेट लिए। संक्षिप्त स्कोर भारत 368/3 (85 ओवर) शुभमन गिल 103 रन नाबाद, केएल राहुल 100, बी साई सुदर्शन 81, ऋषभ पंत 50 रन नाबाद।

प्रज्ञानानंद की नॉर्वे शतरंज जीत पर खेल मंत्री मांडविया ने दी बधाई

एजेंसी

नई दिल्ली : केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद को प्रतिष्ठित नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट जीतने पर बधाई दी। प्रज्ञानानंद इस टूर्नामेंट का खिताब जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। मांडविया ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि पूरा देश इस गौरवपूर्ण क्षण का जश्न मना रहा है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, भारत के लिए यह एक ऐतिहासिक दिन है। नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट जीतने वाले पहले भारतीय बनने पर ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद को हार्दिक बधाई। पूरे देश को आप पर गर्व है। चेन्नई के 20 वर्षीय ग्रैंडमास्टर प्रज्ञानानंद ने नॉर्वे के स्टावेंजर में खेले गए टूर्नामेंट के 10वें और अंतिम दौर में जर्मनी के विन्सेंट कीमर को हराकर खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ उन्होंने कुल 18 अंक हासिल किए और अमेरिका के ग्रैंडमास्टर वेस्ली सो (17 अंक) को पीछे छोड़ते हुए चैंपियन बने। प्रज्ञानानंद की यह सफलता टूर्नामेंट इतिहास की सबसे शानदार वापसी में से एक मानी जा रही है। छह राउंड के बाद वह छह खिलाड़ियों में अंतिम स्थान पर थे, लेकिन इसके बाद लगातार चार जीत दर्ज कर उन्होंने शानदार वापसी की और खिताबी दौड़ में खुद को आगे कर लिया। उनकी लगातार जीत के क्रम में विश्व नंबर-1 मैग्नस कार्लसन के खिलाफ दूसरी जीत और अंतिम से पहले दौर में मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश पर महत्वपूर्ण जीत शामिल रही। फाइनल राउंड में प्रज्ञानानंद ने विन्सेंट कीमर के खिलाफ मध्य खेल में प्रतिद्वंद्वी की गलतियों का पूरा फायदा उठाया और 45वीं चाल पर मुकाबला जीतकर खिताब अपने नाम कर लिया।

विराट कोहली अफगानिस्तान वनडे सीरीज से बाहर; यशस्वी जायसवाल को मिला मौका

एजेंसी

मुंबई : भारत के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली आगामी तीन मैचों की अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2026) में को खिताब दिलाने वाले अभियान के दौरान उन्हें हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। उनकी जगह टीम में यशस्वी जायसवाल को शामिल किया गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में कहा, बीसीसीआई के मानद सचिव देवजीत सैकिया ने जानकारी दी है कि भारत बनाम अफगानिस्तान वनडे सीरीज के लिए चोटिल विराट कोहली की जगह यशस्वी जायसवाल को टीम में शामिल किया गया है। अफगानिस्तान के खिलाफ यह वनडे सीरीज तीन मैचों की होगी और इसकी शुरुआत 13 जून से होगी।

इससे पहले दोनों टीमों के बीच न्यू चंडीगढ़ में एकमात्र टेस्ट मैच खेला जाएगा। विराट कोहली अब भारत के लिए केवल वनडे क्रिकेट खेलते हैं। वे पहले ही टी20 अंतरराष्ट्रीय और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। उनका पिछला वनडे मैच जनवरी में न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में था। आईपीएल 2026 में कोहली शानदार फॉर्म में रहे। उन्होंने 16 पारियों में 675 रन बनाए, औसत 56.25 और स्ट्राइक रेट 165.84 रहा। इस दौरान उन्होंने 1 शतक और 5 अर्धशतक लगाए तथा उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 105 रन रहा। वहीं, यशस्वी जायसवाल ने फरवरी 2025 में इंग्लैंड के खिलाफ वनडे पदार्पण किया था। अब तक 4 वनडे मैच खेले हैं। दिसंबर 2025 में विशाखापत्तनम में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने नाबाद 116 रन बनाकर अपना पहला वनडे शतक लगाया था।

ताजिकिस्तान से पहला मैत्री फुटबॉल मैच हारा भारत, ब्लू टाइगर्स को 1-3 से मिली हार

एजेंसी

नई दिल्ली : भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम को शुक्रवार रात तुर्सुनजोडा के टालको एरिना में खेले गए अंतरराष्ट्रीय मैत्री मुकाबले में ताजिकिस्तान के खिलाफ 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ भारत लगातार तीसरा अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच गंवा बैठा। मुकाबले की शुरुआत से ही ताजिकिस्तान ने आक्रामक खेल दिखाया और नौवें मिनट में शरीदीन बोबोएव ने पेनाल्टी को गोल में बदलकर अपनी टीम को बढ़त दिला दी। भारतीय टीम पहले हाफ में ताजिकिस्तान की संगठित रक्षापंक्ति को भेदने में सफल नहीं हो सकी और मध्यांतर तक 0-1 से पीछे रही। दूसरे हाफ में भारत ने बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश की, लेकिन ताजिकिस्तान ने खेल पर अपनी पकड़ और मजबूत कर ली।

61वें मिनट में मेखरुबोन करीमोव ने गोल कर बढ़त दोगुनी कर दी। इसके छह मिनट बाद एहसन पंजशानबे ने तीसरा गोल दागकर स्कोर 3-0 कर दिया। भारत की ओर से मुकाबले के 88वें मिनट में फारुख चौधरी ने शानदार गोल कर अंतर कम किया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और टीम हार से नहीं बच सकी। भारतीय टीम इस मुकाबले से पहले लंदन में आयोजित यूनिटी कप में भी दो हार झेल चुकी थी, जहां उसे जमैका से 0-2 और जिम्बाब्वे से 0-1 से पराजय मिली थी। यह मुकाबला भारत की आगामी महाद्वीपीय प्रतियोगिताओं की तैयारियों का हिस्सा था। मुख्य कोच खालिद जमील ने इस मैच का उपयोग टीम संयोजन परखने और खिलाड़ियों को मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ अनुभव देने के लिए किया। भारत अब ताजिकिस्तान के खिलाफ दूसरा अंतरराष्ट्रीय मैत्री मुकाबला 9 जून को खेलेगा।

आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 श्रृंखला के लिए भारतीय टीम घोषित, श्रेयस अय्यर बने कप्तान

एजेंसी

नई दिल्ली : भारतीय टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक नए दौर की शुरुआत होने जा रही है। इस बदलाव के केंद्र में हैं श्रेयस अय्यर, जिन्हें आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। उन्होंने सूर्यकुमार यादव का स्थान लिया है। विशेष बात यह है कि ढाई वर्ष से अधिक समय बाद श्रेयस अय्यर की भारतीय टी-20 टीम में वापसी हुई है और वापसी के साथ ही उन्हें कप्तानी की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। श्रेयस अय्यर की यह वापसी काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि कुछ समय पहले तक उनका अंतरराष्ट्रीय भविष्य अनिश्चित दिखाई दे रहा था। हालांकि घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन, सभी प्रारूपों में निरंतर योगदान और इंडियन प्रीमियर लीग में प्रभावशाली खेल ने उन्हें दोबारा चयनकर्ताओं की योजनाओं में शामिल कर दिया। टीम प्रबंधन ने तिलक वर्मा को उपकप्तान बनाया है और उन्हें भविष्य के नेतृत्व विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में तिलक ने लगातार अपने खेल में सुधार किया है और अब उन्हें भारत की सीमित ओवरों की भविष्य की योजनाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है। इस टीम का सबसे चर्चित नाम 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी है। इतनी कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय टीम में चयन उनके तेजी से उभरते क्रिकेट जीवन का बड़ा पड़ाव माना जा रहा है। वैभव ने हाल के समय में शानदार प्रदर्शन कर भारतीय क्रिकेट में अपनी अलग पहचान बनाई है। युवा स्तर के क्रिकेट से निकलकर वे राष्ट्रीय टीम के दरवाजे तक पहुंच चुके हैं। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा, हम वैभव के भविष्य को लेकर बहुत सावधानी बरत रहे हैं और चयनकर्ता तथा तकनीकी टीम उनके हर कदम पर नजर बनाए हुए हैं। टीम में अनुभव और युवा खिलाड़ियों का संतुलन देखने को मिलता है। विकेटकीपर के रूप में संजू सैमसन और ईशान किशन मौजूद हैं, जबकि अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा और नितीश कुमार रेड्डी आक्रामक बल्लेबाजी विकल्प प्रदान करेंगे। शिवम दुबे अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए टीम के महत्वपूर्ण खिलाड़ी बने हुए हैं। वहीं अक्षर पटेल और वॉशिंगटन सुंदर संतुलन और बहुमुखी विकल्प उपलब्ध कराते हैं। गेंदबाजी विभाग में मोहम्मद सिराज और अर्शदीप सिंह तेज आक्रमण की अगुवाई करेंगे। उनके साथ हर्षित राणा और प्रिंस यादव युवा ऊर्जा और अतिरिक्त गति प्रदान करेंगे। स्पिन विभाग में रवि बिश्नोई और वरुण चक्रवर्ती शामिल हैं। आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे खिलाड़ियों के लिए अपनी जगह मजबूत करने और भारतीय क्रिकेट की भविष्य की दिशा तय करने के लिहाज से महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं। आयरलैंड के खिलाफ टी-20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए भारतीय टीम: श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, तिलक वर्मा (उपकप्तान), नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव और वैभव सूर्यवंशी।

संक्षिप्त खबरें

विश्व बॉक्सिंग कप : विश्व नंबर-1 मीनाक्षी और अनुभवी दीपक के नेतृत्व में उतरेगी भारतीय टीम

नई दिल्ली : विश्व नंबर-1 मुक्केबाज मीनाक्षी और अनुभवी बॉक्सर दीपक आगामी विश्व बॉक्सिंग कप 2026 (स्टेज-2) में भारतीय टीम की अगुवाई करेंगे। यह प्रतियोगिता 15 से 21 जून तक चीन के गुइयांग शहर में आयोजित होगी। भारत इस प्रतियोगिता में पिछले विश्व कप चरणों में शानदार प्रदर्शन और कई पदक जीतने के बाद उतर रहा है। फाइनल चरण में भी भारतीय खिलाड़ियों ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई थी। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने पुरुष और महिला वर्ग के लिए अनुभव और युवा प्रतिभाओं का संतुलित दल घोषित किया है। वर्तमान में भारत शीर्ष-10 खिलाड़ियों की संख्या के आधार पर विश्व में तीसरे स्थान पर है। महिला वर्ग में भारत दूसरे और पुरुष वर्ग में चौथे स्थान पर है। विशेष रूप से महिला वर्ग में शीर्ष-3 खिलाड़ियों की संख्या के आधार पर भारत विश्व में पहले स्थान पर बना हुआ है। यह टूर्नामेंट भारतीय मुक्केबाजों के लिए महत्वपूर्ण रैंकिंग अंक हासिल करने और मौजूदा प्रतिस्पर्धी सत्र में अपनी लय बनाए रखने का बड़ा अवसर होगा। टीम चयन पर बीएफआई अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा कि विश्व बॉक्सिंग कप खिलाड़ियों के लिए शीर्ष अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के खिलाफ अपनी क्षमता को परखने का महत्वपूर्ण मंच है। भारतीय मुक्केबाजी में बनाई गई प्रणाली और संरचना अब लगातार बेहतर परिणाम दे रही है और विभिन्न भार वर्गों में मजबूत प्रदर्शन देखने को मिल रहा है। महिला वर्ग में विश्व नंबर-1 मीनाक्षी (51 किग्रा) टीम का नेतृत्व करेंगी। उनके साथ पूनम (54 किग्रा), प्राची (57 किग्रा), माही लामा (60 किग्रा), सनेह (65 किग्रा), गीतिमोनी जी (70 किग्रा), सनमाचा सी (75 किग्रा), नैना (80 किग्रा) और अल्फिया तरन्नुम अकरम खान पठान (+80 किग्रा) शामिल हैं। पुरुष वर्ग में दीपक (70 किग्रा) अनुभव और नेतृत्व प्रदान करेंगे। उनके साथ ऋषि एस (50 किग्रा), निखिल (55 किग्रा), अनमोल (60 किग्रा), अभिनाश जमवाल (65 किग्रा), मालसाम्त्लुआंगा (80 किग्रा), जुगनू (85 किग्रा), हर्ष चौधरी (90 किग्रा) और सुपर हेवीवेट वर्ग में सावन जी (+90 किग्रा) टीम का हिस्सा होंगे। भारतीय टीम राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में तकनीकी कौशल, फिटनेस और रणनीतिक तैयारी पर विशेष ध्यान दे रही है। हाल के अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों और विश्व चैंपियनशिप में लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद भारतीय मुक्केबाजी विश्व मंच पर अपनी मजबूत पहचान बना रही है।

श्रीलंका दौरे के लिए भारत ए की कमान ध्रुव जुरेल को, आकिब नबी पहली बार टीम में शामिल

नई दिल्ली : श्रीलंका दौरे पर होने वाले दो बहु-दिवसीय मुकाबलों के लिए भारत ए टीम की कप्तानी विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल को सौंपी गई है, जबकि जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर आकिब नबी को पहली बार टीम में जगह मिली है। मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति ने शनिवार को टीम की घोषणा की। देवदत्त पडिक्कल को उपकप्तान बनाया गया है। भारत ए टीम 25 जून से 5 जुलाई तक गॉल में श्रीलंका ए के खिलाफ दो चार-दिवसीय मुकाबले खेलेगी। इसके बाद अगस्त में भारतीय टेस्ट टीम विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के अंतर्गत दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलने श्रीलंका जाएगी। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य स्पिन अनुकूल परिस्थितियों के अनुसार खिलाड़ियों को तैयार करना और लाल कूकाबुरा गेंद से खेलने का अनुभव देना होगा। बल्लेबाजी विभाग में ध्रुव जुरेल और देवदत्त पडिक्कल के अलावा साई सुदर्शन, रुतुराज गायकवाड़ और एन जगदीशन को शामिल किया गया है। विदर्भ के बल्लेबाज अमन मोखाड़े और आंध्र प्रदेश के शेख राशिद को भी पहली बार भारत ए टीम में मौका मिला है। गेंदबाजी आक्रमण में आकिब नबी, यश ठाकुर, अंशुल कंबोज और गुरनूर बराड़ शामिल हैं। गुरनूर बराड़ को हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ जारी एकमात्र टेस्ट मुकाबले के लिए भारतीय टीम में भी बुलाया गया था। आकिब नबी का चयन विशेष माना जा रहा है क्योंकि उन्होंने इस वर्ष जम्मू-कश्मीर को पहली बार रणजी ट्रॉफी खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई और 60 विकेट लेकर प्रतियोगिता के सबसे सफल गेंदबाज बने। स्पिन विभाग की जिम्मेदारी लेग स्पिनर जीशान अंसारी, ऑफ स्पिनर सारांश जैन और ऑलराउंडर आयुष बदोनी संभालेंगे। आकिब नबी और जीशान अंसारी हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ भारतीय टीम के अभ्यास सत्र में नेट गेंदबाज भी रहे थे। रुतुराज गायकवाड़, आयुष बदोनी, यश ठाकुर और अंशुल कंबोज पहले से ही श्रीलंका में मौजूद हैं, क्योंकि भारत ए टीम 9 जून से दांबुला में शुरू होने वाली त्रिकोणीय एकदिवसीय श्रृंखला में भी हिस्सा ले रही है। भारत ए टीम (बहु-दिवसीय मुकाबलों के लिए): ध्रुव जुरेल (कप्तान), साई सुदर्शन, आयुष पांडेय, देवदत्त पडिक्कल (उपकप्तान), रुतुराज गायकवाड़, सारांश जैन, गुरनूर बराड़, आकिब नबी, यश ठाकुर, अंशुल कंबोज, एन जगदीशन, अमन मोखाड़े, शेख राशिद और जीशान अंसारी।

ग्रेनोलर्स और जेबालोस ने बरकरार रखा फ्रेंच ओपन पुरुष युगल खिताब

पेरिस : स्पेन के मार्सेल ग्रेनोलर्स और अर्जेंटीना के होरासियो जेबालोस की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फ्रेंच ओपन 2026 पुरुष युगल वर्ग का खिताब अपने नाम कर लिया। दोनों खिलाड़ियों ने फाइनल मुकाबले में दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी हैरी हेलियोवारा और हेनरी पैटन को सीधे सेटों में 6-4, 6-2 से हराकर लगातार दूसरी बार यह खिताब जीत लिया। इस जीत के साथ ग्रेनोलर्स और जेबालोस की जोड़ी ने अपने करियर का तीसरा ग्रैंड स्लैम खिताब हासिल किया। दोनों खिलाड़ियों ने वर्ष 2019 में साथ खेलना शुरू किया था और तब से युगल प्रतियोगिताओं में लगातार प्रभावशाली प्रदर्शन कर रहे हैं। शीर्ष वरीयता प्राप्त इस जोड़ी ने पूरे फ्रेंच ओपन अभियान में एक भी सेट गंवाए बिना खिताब तक का सफर तय किया। इससे पहले दोनों ने पिछले वर्ष फ्रेंच ओपन और अमेरिकी ओपन का खिताब भी अपने नाम किया था। फाइनल मुकाबले में ग्रेनोलर्स और जेबालोस ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा। पहले सेट में बढ़त हासिल करने के बाद उन्होंने दूसरे सेट में भी विरोधी जोड़ी को वापसी का कोई मौका नहीं दिया और एकतरफा जीत दर्ज करते हुए अपना वर्चस्व कायम रखा। इस लगातार सफलता के साथ यह जोड़ी पुरुष युगल टेनिस की सबसे सफल जोड़ियों में अपनी पहचान और मजबूत करने में सफल रही है।

एक नजर

नेपाल-भारत संबंधों को नई गति देने पर बनी सहमति

काठमांडू: नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल और भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर के बीच शनिवार को नई दिल्ली में उच्चस्तरीय द्विपक्षीय वार्ता संपन्न हुई। बैठक में दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडलों ने हिस्सा लिया और नेपाल-भारत संबंधों के विभिन्न आयामों पर विस्तृत चर्चा की। वार्ता के दौरान व्यापार, निवेश, ऊर्जा सहयोग, सीमा पार संपर्क (कनेक्टिविटी), बुनियादी ढांचा विकास तथा लोगों के बीच पारंपरिक संबंधों को और मजबूत बनाने के विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। दोनों पक्षों ने नेपाल और भारत के बीच मौजूद ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और बहुआयामी संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। बैठक में क्षेत्रीय सहयोग, आपसी हितों से जुड़े मुद्दों तथा विकास साझेदारी को आगे बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। दोनों देशों के अधिकारियों ने चल रही द्विपक्षीय परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्हें समयबद्ध ढंग से पूरा करने पर जोर दिया। नई दिल्ली में आयोजित इस बैठक को नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल की भारत यात्रा का प्रमुख कार्यक्रम माना जा रहा है। इससे पूर्व उन्होंने भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल तथा भारतीय जनता पार्टी के विदेश विभाग प्रमुख विजय चौथाइवाले से भी मुलाकात की थी। कूटनीतिक हलकों में इस वार्ता को नेपाल-भारत के बीच उच्चस्तरीय संवाद को और सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। दोनों देशों ने भविष्य में भी नियमित राजनीतिक एवं कूटनीतिक संपर्क बनाए रखने पर सहमति जताई।

नेपाल के विदेश मंत्री खनाल ने नई दिल्ली में अजित डोभाल से मुलाकात की

नयी दिल्ली: नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने नई दिल्ली स्थित सेवा तीर्थ भवन में शनिवार को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल से मुलाकात की। खनाल ने इससे कुछ देर पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विदेश मामलों के विभाग के प्रमुख विजय चौथाईवाले से भी मुलाकात की थी। नई दिल्ली स्थित नेपाली दूतावास के अनुसार इन बैठकों में नेपाल और भारत के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने के विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। वार्ता के दौरान दोनों देशों के नागरिकों के बीच मौजूद ऐतिहासिक और घनिष्ठ जनस्तरीय संबंधों को और सशक्त बनाने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही भारत और नेपाल के राजनीतिक दलों के बीच संवाद और सहयोग बढ़ाने के मुद्दे पर भी विस्तृत चर्चा हुई। नेपाली दूतावास के मुताबिक विदेश मंत्री खनाल की शनिवार को अपने भारतीय समकक्ष डॉ. एस. जयशंकर के साथ औपचारिक बैठक निर्धारित है। दोनों नेताओं के बीच पहले द्विपक्षीय वार्ता और उसके बाद प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक होगी। इन बैठकों में दोनों देशों के साझा हितों, आर्थिक सहयोग, व्यापार, निवेश, ऊर्जा, संपर्क नेटवर्क और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। विदेश मंत्री जयशंकर के निमंत्रण पर तीन दिवसीय दौरे पर शुक्रवार को नई दिल्ली पहुंचे खनाल ने उसी दिन शाम को इंडिया फाउंडेशन के एक कार्यक्रम में भी भाग लिया था। उल्लेखनीय है कि इससे पहले, नेपाल के सत्तारूढ़ दल राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के अध्यक्ष रवि लामिछाने 01 से 05 जून तक भारत के दौरे पर आए थे। इस दौरान लामिछाने ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह तथा विदेश मंत्री जयशंकर सहित कई प्रमुख नेताओं और अधिकारियों से मुलाकात की थी।

कैंसर की समय पर पहचान और त्वरित इलाज से बचाई जा सकती है जिंदगी : शिवराज सिंह

एजेंसी

विदिशा : केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान की विशेष पहल पर शनिवार को मध्य प्रदेश के विदिशा स्थित अटल बिहारी शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में तीन दिवसीय कैंसर परीक्षण एवं उपचार शिविर का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि कैंसर की समय पर पहचान और त्वरित इलाज से अनेक लोगों की जिंदगी बचाई जा सकती है।

केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि यह शिविर केवल एक स्वास्थ्य कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनसेवा का महायज्ञ है, जिसमें विभिन्न संस्थाओं और विशेषज्ञों ने अपनी महत्वपूर्ण आहुति दी है। उन्होंने देश और विदेश में अपनी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए ख्यातिप्राप्त टाटा मेमोरियल कैंसर हॉस्पिटल के सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि विदिशा मेडिकल कॉलेज में कैंसर यूनिट के संचालन के लिए उनके सहयोग से क्षेत्र के मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी।

उन्होंने कहा कि अब कैंसर उपचार के लिए मरीजों को मुंबई जैसे दूरस्थ शहरों की ओर रुख नहीं करना पड़ेगा। विदिशा में ही जांच, परामर्श और उपचार की सुविधाएं विकसित होने से हजारों मरीजों और उनके परिजनों को समय, धन और मानसिक परेशानी से मुक्ति मिलेगी। उन्होंने कैंसर से बचाव के उपायों पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने लोगों से नशामुक्त जीवनशैली अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि तंबाकू, गुटखा, बीड़ी, सिगरेट और अन्य नशीले पदार्थ कैंसर के प्रमुख कारण हैं। उन्होंने किसानों से कृषि कार्यों में उर्वरकों एवं रसायनों का संतुलित और सीमित उपयोग करने का आग्रह करते हुए प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने की आवश्यकता बताई।

कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कैंसर रोगियों के बेहतर उपचार और सुविधाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि विदिशा मेडिकल कॉलेज में कैंसर के इलाज के लिए देश की प्रतिष्ठित संस्था टाटा मेमोरियल ट्रस्ट के सहयोग से आवश्यक व्यवस्थाएं और उपचार संबंधी प्रबंध सुनिश्चित किए जाएंगे।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि कैंसर जैसी गंभीर एवं घातक बीमारी की समय रहते पहचान हो जाने पर उसका उपचार अधिक प्रभावी और सफल हो सकता है। बीमारी को नजरअंदाज करने अथवा देर से पहचान होने पर मरीजों और उनके परिजनों को शारीरिक, मानसिक एवं आर्थिक रूप से अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में हुए सकारात्मक बदलाव, कांग्रेस इसको स्वीकार करने से बच रही : जेपी नड्डा

एजेंसी

नयी दिल्ली : केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सार्वजनिक स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण विषय को राजनीतिक बयानबाजी तक सीमित करना उचित नहीं है। खरगे की जानकारी अधूरी और खतरनाक है। सिर्फ चुनिंदा आंकड़ों के आधार पर तस्वीर पेश करने के बजाय पूरे परिदृश्य को देखना चाहिए। जेपी नड्डा ने राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आंकड़ों का हवाला देते हुए सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट में कहा कि कांग्रेस देश के स्वास्थ्य क्षेत्र में हुए सकारात्मक बदलावों को स्वीकार करने से बच रही है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार में देश के स्वास्थ्य क्षेत्र में व्यापक सुधार हुए हैं। एनएफएचएस -3 (2005-06) की तुलना में मातृ स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े प्रमुख संकेतकों में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है। नड्डा ने कहा

कि गर्भावस्था की पहली तिमाही में पंजीकरण कराने वाली महिलाओं का प्रतिशत 43.9 से बढ़कर 76.2 हो गया है। वहीं संस्थागत प्रसव 38.7 से बढ़कर 90.6 प्रतिशत और प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों की निगरानी में होने वाले प्रसव 46.6 से बढ़कर 91.3 प्रतिशत तक पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा कि ये आंकड़े केवल संख्या नहीं हैं, बल्कि करोड़ों महिलाओं को समय पर स्वास्थ्य सेवाएं, सुरक्षित प्रसव और बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मिलने का प्रमाण हैं। उन्होंने दावा किया कि भारत की स्वास्थ्य यात्रा की वास्तविक कहानी निराशा नहीं, बल्कि निरंतर प्रगति और सुधार की है।

समुद्र में मछली पकड़ने गए तीन मछुआरे लापता तटरक्षक बल ने शुरू किया खोज अभियान

एजेंसी

कडलूर : तमिलनाडु के कडलूर और पुडुचेरी से समुद्र में मछली पकड़ने गए तीन मछुआरों के लापता होने से तटीय क्षेत्रों में चिंता का माहौल है। कई दिनों से उनका कोई सुराग नहीं मिलने पर परिजनों और ग्रामीणों ने उनकी सुरक्षित तलाश और शीघ्र वापसी की मांग को लेकर शनिवार को सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। घटना के बाद भारतीय तटरक्षक बल, मत्स्य विभाग और अन्य एजेंसियां खोज एवं बचाव अभियान में जुटी हुई हैं। दरअसल, कडलूर जिले के तटीय इलाकों में बड़ी संख्या में मछुआरा समुदाय निवास करता है और यहां के अधिकांश परिवारों की आजीविका समुद्री मत्स्य व्यवसाय पर निर्भर है। स्थानीय मछुआरे प्रतिदिन मोटरबोट, कट्टूमरम और फाइबर नौकाओं के जरिए समुद्र में जाकर मछली पकड़ते हैं।

वर्तमान में तमिलनाडु में वार्षिक मत्स्य प्रतिबंध अवधि लागू है, जिसके कारण मोटरबोट के माध्यम से गहरे समुद्र में मछली पकड़ने की अनुमति नहीं है। लेकिन इसी दौरान कडलूर जिले के सी. पुदुपेट्टई शन्मुगा नगर निवासी रवि उर्फ रमेश (28), मनोहर (27) तथा पुडुचेरी के अनाथा सिद्दीक कुलम क्षेत्र निवासी नागवेल (40) गत 2 जून को दोपहर करीब 2:30 बजे मछली पकड़ने के लिए समुद्र में निकले थे। तीनों मछुआरे इंद्रानगर निवासी वीरवेल की फाइबर नाव से समुद्र में रवाना हुए थे। सामान्य परिस्थितियों में उन्हें 3 जून तक तट पर लौट आना चाहिए था, लेकिन निर्धारित समय बीत जाने के बावजूद उनके वापस नहीं आने से परिजनों की चिंता बढ़ गई। मछुआरों का कोई संपर्क नहीं होने पर स्थानीय समुदाय ने भी अपने स्तर पर खोज अभियान शुरू किया। कई मछुआरे नौकाओं के जरिए समुद्र में उनकी तलाश के लिए निकले, लेकिन काफी प्रयासों के बावजूद उनका कोई पता नहीं चल सका। इससे नाराज ग्रामीणों और परिजनों ने परंगीपेट्टई के निकट अन्नंगोविल क्षेत्र में सड़क जाम कर प्रदर्शन किया।

'मेरा भारत युवा सम्मेलन' विविध प्रतिभा व असीम क्षमता का सशक्त प्रतिबिंब बना : रेखा गुप्ता

एजेंसी

नयी दिल्ली : दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता शनिवार को त्यागराज स्टेडियम में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत आयोजित 'विकसित भारत के लिए युवा- मेरा भारत युवा सम्मेलन' में शामिल हुईं। देशभर से आए 6,000 से अधिक युवाओं की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम में केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया, युवा मामलों की सचिव डॉ. पल्लवी जैन गोविल सहित विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियां उपस्थित रहीं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने युवा उद्यमियों, खिलाड़ियों, कलाकारों, कंटेंट क्रिएटर्स, यूपीएससी अभ्यर्थियों और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल करने

वाले युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज का यह मंच वास्तव में भारत की युवा शक्ति का उत्सव है। उन्होंने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि विभिन्न क्षेत्रों के इतने प्रतिभाशाली युवा और प्रेरणास्त्रोत व्यक्तित्वों की उपस्थिति इस आयोजन को वास्तव में 'तारे जमीन पर' जैसा स्वरूप देती है। जब एक ही मंच पर युवा उद्यमी, खिलाड़ी, कलाकार, जनप्रतिनिधि, कंटेंट क्रिएटर्स और यूपीएससी जैसी कठिन परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने वाले युवा उपस्थित हों तो यह भारत की विविध प्रतिभा और असीम क्षमता का सशक्त प्रतिबिंब बन जाता है।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री डॉ. मांडविया को इस अभिनव पहल के लिए बधाई देते हुए कहा कि मेरा भारत युवा सम्मेलन युवाओं को सम्मानित करने के साथ-साथ उन्हें राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करने का एक महत्वपूर्ण मंच बनकर उभरा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का कार्यक्रम इस बात का प्रमाण है कि भारत का युवा देश की जिम्मेदारी उठाने के लिए पूरी तरह तैयार है। दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा आबादी है, जो मेहनती, दूरदर्शी, रचनात्मक और साहसी है। खेल, उद्यमिता, कला, तकनीक, कंटेंट निर्माण, शिक्षा और प्रशासन जैसे हर क्षेत्र में भारतीय युवाओं ने नए मानदंड स्थापित किए हैं। किसी भी क्षेत्र में सफलता के पीछे अथक परिश्रम, अनुशासन और समर्पण होता है।

जम्मू और कटरा से 111 टन से अधिक चेरी रेल मार्ग से भेजी गई

जम्मू : जम्मू-कश्मीर की विश्व प्रसिद्ध चेरी को देशभर के बाजारों तक तेजी और सुरक्षित तरीके से पहुंचाने के लिए उत्तर रेलवे के जम्मू मंडल की पहल सफल साबित हो रही है। चालू सीजन में अब तक जम्मू और श्री माता वैष्णो देवी कटरा रेलवे स्टेशनों से एसएलआर/वीपी आधारित रेल परिवहन के माध्यम से 111 टन से अधिक चेरी देश के विभिन्न हिस्सों में भेजी जा चुकी है। किसानों और बागवानों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने तथा परिवहन लागत कम करने के उद्देश्य से रेलवे विशेष सुविधाएं प्रदान कर रहा है। चेरी जैसे शीघ्र खराब होने वाले उत्पादों के लिए विशेष कोचों का उपयोग किया जा रहा है जिससे समय पर और सुरक्षित डिलीवरी सुनिश्चित हो रही है।

मप्र के इंदौर में भारत-लैटिन अमेरिका व्यापार और निवेश फोरम का भव्य शुभारंभ

एजेंसी

इंदौर : मध्य प्रदेश के इंदौर में शनिवार को भारत-लैटिन अमेरिका एवं कैरेबियन व्यापार एवं निवेश फोरम-2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में 15 देशों के राजदूतों, उच्चायुक्तों और प्रतिनिधियों सहित 350 से अधिक निवेशक, उद्योगपति, निर्यातक और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी शामिल हुए। इंदौर के होटल रेडिसन ब्लू में आयोजित इस महत्वपूर्ण फोरम का मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। इस

अवसर पर उन्होंने कहा कि देवी अहिल्याबाई होलकर की नगरी इंदौर में इस महत्वपूर्ण आयोजन का होना प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि मालवा क्षेत्र अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, औद्योगिक संभावनाओं और आधुनिक बुनियादी सुविधाओं के कारण वैश्विक निवेशकों को आकर्षित कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है और ऐसे समय में विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों का मध्य प्रदेश में आना प्रदेश की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रमाण है। मध्य प्रदेश आज देश के सबसे तेजी से उभरते निवेश केंद्रों में शामिल है। यहां निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण मौजूद है।

उन्होंने कहा कि भारत और लैटिन अमेरिकी देशों के बीच आर्थिक और सांस्कृतिक संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं। ब्राजील, मेक्सिको, चिली, अर्जेंटीना, पेरू और कोलंबिया जैसे देशों की सक्रिय भागीदारी इस बात का संकेत है कि मध्य प्रदेश अंतरराष्ट्रीय निवेशकों की पसंद बन रहा है। उन्होंने कृषि, फूड प्रोसेसिंग, फार्मास्यूटिकल्स, डिजिटल टेक्नोलॉजी, हरित ऊर्जा, लॉजिस्टिक्स और विनिर्माण क्षेत्रों में साझेदारी की व्यापक संभावनाओं पर जोर दिया। फिलहाल कार्यक्रम जारी है। इसमें विभिन्न देशों के प्रतिनिधिमंडलों द्वारा निवेश प्रस्तुतियां दी जाएंगी। साथ ही व्यापार एवं निवेश के अवसरों, विनिर्माण क्षेत्र में सहयोग तथा सेवा क्षेत्र में निवेश संभावनाओं पर केंद्रित पैनल होंगे।

संक्षिप्त खबरें

ओम बिरला 8 जून को करेंगे राष्ट्रमंडल संसदीय संघ की बैठक का उद्घाटन

नयी दिल्ली : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला 8 जून को चंडीगढ़ स्थित हरियाणा विधानसभा में द्वितीय राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) भारत क्षेत्र जोन क्कउत्तर जोन सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह, राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश, हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष हरविंदर कल्याण, संसदीय कार्य मंत्री महिपाल ढांडा और उपस्थित विशिष्टजनों को संबोधित करेंगे। इस दो दिवसीय सम्मेलन के दौरान प्रतिनिधि भविष्य की चुनौतियों से निपटने और 'विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को साकार करने में जागरूक समाज और विधि-निमार्ताओं की भूमिका' विषय पर विचार-विमर्श करेंगे। सम्मेलन की समाप्ति 9 जून को हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष के समापन भाषण के साथ होगी। समापन सत्र में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश, हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष कल्याण और अन्य विशिष्टजन उपस्थित रहेंगे। सम्मेलन में सीपीए भारत क्षेत्र जोन-क्कके पांच विधानमंडलों के सभापति, अध्यक्ष, उप सभापति और उपाध्यक्ष सहित पीठासीन अधिकारी, विधान सभा एवं विधान परिषद के सदस्य और केंद्रीय मंत्री, संसद सदस्य, हरियाणा विधान सभा के पूर्व अध्यक्ष और उपाध्यक्ष शामिल होंगे। साथ ही राजस्थान, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, सिक्किम, गोवा, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश के विधानमंडलों के पीठासीन अधिकारियों को भी सम्मेलन में आमंत्रित किया गया है। सीपीए भारत क्षेत्र जोन-क्कमें जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली के विधानमंडल शामिल हैं। वर्ष 2024 में सीपीए भारत क्षेत्र का नौ जोनों में पुनर्गठन होने के बाद जोन-II का यह दूसरा वार्षिक सम्मेलन होगा। हरियाणा विधान सभा के अध्यक्ष वर्तमान में सीपीए भारत क्षेत्र जोन-क्कके अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। इस सम्मेलन का उद्देश्य संसदीय सहयोग को मजबूत करना, श्रेष्ठ विधायी और संसदीय पद्धतियों के आदान-प्रदान को सुगम बनाना और क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर रचनात्मक संवाद को बढ़ावा देना है। यह सम्मेलन पीठासीन अधिकारियों और विधि निमार्ताओं को वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने के लिए अपने अनुभव साझा करने और रणनीतियों पर चर्चा करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच भी प्रदान करेगा।

वर्षा जल संचयन को मिलेगा बढ़ावा, 50 हजार रुपये तक की सहायता और बिल में छूट देगी सरकार

नयी दिल्ली: दिल्ली सरकार ने जल संरक्षण और भूजल स्तर में सुधार के उद्देश्य से वर्षा जल संचयन को व्यापक जनभागीदारी का अभियान बनाने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के "कैच द रेन" अभियान की भावना को आगे बढ़ाते हुए राजधानी में जल संरक्षण को नई गति दी जाएगी। सरकार का लक्ष्य हर बूंद वर्षा जल को संरक्षित कर जल-सुरक्षित दिल्ली का निर्माण करना है। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, दिल्ली सरकार वर्षा जल संचयन प्रणाली को अपनाने वाले नागरिकों और संस्थानों को प्रोत्साहित करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। इसके तहत रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित करने पर लोगों को 50 हजार रुपये तक की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। इसके साथ ही ऐसे उपभोक्ताओं को पानी के बिल में 10 प्रतिशत तक की रियायत देने की भी योजना बनाई गई है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि बढ़ती आबादी और जल संसाधनों पर बढ़ते दबाव को देखते हुए जल संरक्षण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है। ऐसे में वर्षा जल संचयन न केवल जल संकट का समाधान प्रस्तुत करता है, बल्कि भूजल स्तर को सुधारने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि सरकार चाहती है कि जल संरक्षण केवल सरकारी योजना बनकर न रह जाए, बल्कि यह जनआंदोलन का रूप ले। मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्षा जल संचयन प्रणाली स्थापित करने के इच्छुक लोगों को दिल्ली जल बोर्ड की ओर से तकनीकी सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी। विशेषज्ञों द्वारा सिस्टम की स्थापना, डिजाइन और रखरखाव के संबंध में मार्गदर्शन दिया जाएग, जिससे कि अधिक से अधिक लोग इस पहल से जुड़ सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार 100 वर्ग मीटर या उससे बड़े भवनों में वर्षा जल संचयन प्रणाली को अनिवार्य बनाने की दिशा में भी काम कर रही है। इससे बड़े आवासीय, व्यावसायिक और संस्थागत परिसरों में वर्षा जल का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि राजधानी के 75 सीएम श्री स्कूलों में बड़े स्तर पर वर्षा जल संचयन की व्यवस्था विकसित की जा रही है। इस परियोजना के माध्यम से लगभग 50 करोड़ लीटर वर्षा जल के संचयन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि स्कूलों में यह व्यवस्था स्थापित होने से न केवल जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि विद्यार्थियों में भी पर्यावरण संरक्षण और जल प्रबंधन के प्रति जागरूकता विकसित होगी। इससे आने वाली पीढ़ियों को जल संरक्षण के महत्व को समझने और अपनाने की प्रेरणा मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली के कई इलाकों में भूजल स्तर लगातार गिर रहा है, जिसे सुधारने के लिए वर्षा जल संचयन अत्यंत प्रभावी उपाय है।

कोंकण के दक्षिणी हिस्से में मानसून की दस्तक, जल्द पूरे महाराष्ट्र में पहुंचेगा

मुंबई: महाराष्ट्रवासियों का मानसून को लेकर इंतजार आखिरकार खत्म हो गया है। शनिवार को मानसून ने दक्षिण कोंकण के रास्ते महाराष्ट्र में प्रवेश कर लिया। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि मानसून की आगे की प्रगति के लिए मौसम की परिस्थितियां अनुकूल हैं और जल्द ही यह मुंबई सहित राज्य के अन्य हिस्सों में भी पहुंच सकता है। इससे भीषण गर्मी से परेशान लोगों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य के कुछ इलाकों में बारिश की तीव्रता बढ़ सकती है और तेज हवाएं चलने की भी संभावना है। मानसून के आगे पहुंचने के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनी हुई हैं। इस वर्ष दक्षिण-पश्चिम मानसून सामान्य समय से तीन दिन देरी से, यानी 4 जून को केरल पहुंचा था। इसके बाद यह तेजी से उत्तर दिशा की ओर बढ़ा और 5 जून को कर्नाटक, तमिलनाडु तथा बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिमी हिस्सों के कुछ और क्षेत्रों में आगे बढ़ गया है। इसी दौरान मानसून अरब सागर के कुछ हिस्सों और गोवा के कई क्षेत्रों तक भी पहुंच गया था, जिससे महाराष्ट्र में इसके जल्द प्रवेश की संभावना जताई जा रही थी। इसी क्रम में शनिवार को मानसून ने पूरे गोवा क्षेत्र को कवर करते हुए महाराष्ट्र के दक्षिण कोंकण में दस्तक दे दी है। पिछले कुछ सप्ताहों से राज्य के कई हिस्से, विशेषकर विदर्भ, भीषण गर्मी और लू जैसी परिस्थितियों का सामना कर रहे थे। बीच-बीच में हुई आंधी और बारिश से लोगों को कुछ राहत मिली, लेकिन सभी की निगाहें मानसून के आगमन पर टिकी थीं।

अब मानसून के राज्य में प्रवेश करने के बाद अगले कुछ दिनों में इसके पूरे महाराष्ट्र में फैलने का अनुमान है। आमतौर पर दक्षिण कोंकण में पहुंचने के बाद मानसून तेजी से आगे बढ़ते हुए मुंबई और उत्तर कोंकण तक पहुंच जाता है। इसलिए मुंबई में भी जल्द मानसून के आगमन की संभावना जताई जा रही है। पिछले वर्ष मानसून 24 मई को केरल पहुंचा था और 25 मई को दक्षिण कोंकण तथा 26 मई को मुंबई में प्रवेश कर गया था। इस वर्ष यह 4 जून को केरल पहुंचा और मात्र 24 घंटों के भीतर गोवा तक पहुंच गया। इसके बाद अब इसने दक्षिण कोंकण में भी दस्तक दे दी है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902